

अभिनेत्रियों को हक के लिए लड़ना पड़ता है...' प्लाबिता बोरठाकुर ने फिल्मों में हो रहे भेदभाव पर तोड़ी चुप्पी

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 31
न्यूनतम - 28

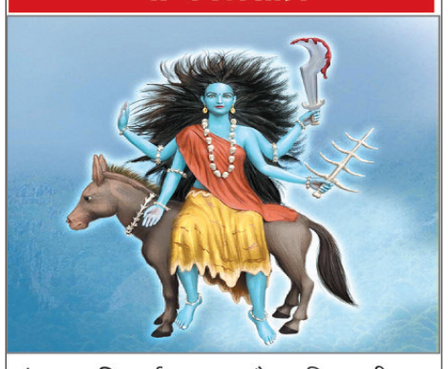
प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 288 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर शनिवार 17 अक्टूबर 2026 ● आश्विन शुक्ल 7 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

सप्तम दिन

मां कालरात्रि



मां कालरात्रि दुर्गा का उग्र और शक्तिशाली स्वरूप हैं। उनका स्वरूप अज्ञान, भय और दुष्ट शक्तियों के विनाश का प्रतीक है। धार्मिक मान्यता है कि वे अपने भक्तों की रक्षा करती हैं और उन्हें निर्भय बनाती हैं। सप्तमी के दिन इनकी पूजा विशेष रूप से की जाती है। इन्हें शुभंकरी भी कहा जाता है।



मैसूर में 61 साल के हाथी अभिमन्यु का यह आखिरी दशहरा

● 26 साल तक 750 किलो सोने का हौदा उठाकर चला, पिछले साल रिटायर हो चुका

मैसूर (एजेंसी)। विश्वप्रसिद्ध मैसूर दशहरा में इस बार 'जंबो सवारी' में 61 साल का हाथी 'अभिमन्यु' आखिरी बार नजर आएगा। अभिमन्यु 26 साल से शाही यात्रा का हिस्सा रहा है। वह 2000 से लगातार 750 किलो का सोने का हौदा उठाकर मां चामुंडेश्वरी यात्रा की अगुवाई करता आया है। डीसीएफ डॉ. आईबी प्रभु गौड़ा बताते हैं कि नियमों के अनुरूप अभिमन्यु पिछले साल रिटायर हो चुका है। मैसूर के लोगों के आग्रह पर उसे विदाई जुलूस की अगुवाई की अनुमति दी है।



इसलिए अभिमन्यु को लेकर पैलेस के साथ पूरा मैसूर भावुक है। इसके बाद उसे मथिगोडु हाथी शिविर भेज देंगे। इस बीच, 21 अक्टूबर तक चलने वाले मैसूर दशहरा उत्सव के समापन समारोह के लिए नए हाथियों को रेत की बोरियों और लकड़ी के हौदे से अभ्यास करा जा रहा है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि इस साल मैसूरु दशहरा में कंबाला और तुलुनाडु की झांकी शामिल होगी। हौदा हाथी की पीठ पर रखा जाने वाला खास आसन या पालकीनुमा ढांचा होता है।

ऐतिहासिक: महिला अफसर को शाही यात्रा की कमान

मैसूर दशहरा के इतिहास में पहली बार किसी महिला रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर यशमा माचम्मा को हाथियों की टीम और पूरे उत्सव की तैयारियों की कमान मिली है। वे अभिमन्यु और पूरी गजसेना की मैसूर पैलेस में अगवानी करेंगी। माचम्मा कहती हैं कि मैसूर में महिला रेंज फॉरेस्ट ऑफीसर पहले भी रह चुकी हैं, लेकिन यह पहली बार है जब दशहरा उत्सव में किसी महिला को जिम्मेदारी मिली है।

संसद का स्पेशल सेशन बुलाने की तैयारी!

● लोकसभा सीटें बढ़ाने और परिसीमन बिल पेश करने का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) को



● मोदी सरकार इसी महीने बुला सकती है सत्र, विरोध में है विपक्ष

लेकर जारी विरोध के बीच सरकार इस महीने के आखिर में संसद का एक विशेष सत्र बुला सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, संसद के इस विशेष सत्र को बुलाने के पीछे की वजह परिसीमन और महिला आरक्षण से जुड़े बिलों को फिर से संसद के सामने पेश करके पास कराना है। सदन में मौजूद सांसदों की संख्या को लेकर सरकार को पूरा भरोसा है कि इस बार महिला आरक्षण बिल और परिसीमन बिल को पास कराया जा सकता है। बजट सत्र के दौरान 17 अप्रैल को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण लागू करने के लिए लाया गया संविधान संशोधन बिल निचले सदन में पास नहीं हो सका था।

बिल पास कराने के लिए सरकार का नंबर गेम

संविधान संशोधन के लिए संसद में बहुमत की जरूरत होती है। इसका मतलब है कि दोनों सदनों में मौजूद और वोट देने वाले सदस्यों का दो-तिहाई बहुमत होना चाहिए। सरकार को ये बिल पास कराने के लिए 360 सीटों की जरूरत है। लोकसभा की मौजूदा संख्या 540 है। तृणमूल और शिवसेना (यूबीटी) के सांसदों के सत्ता पक्ष में शामिल होने से इस बार सदन में स्थिति बदल सकती है। मौजूदा संसद में एनडीए के पास बहुमत तो है, लेकिन उनके पास वह जादुई आंकड़ा (दो-तिहाई बहुमत) नहीं है। हालांकि, पिछले सत्र के मुकाबले सरकार की स्थिति बेहतर हुई है। तृणमूल के 20 सांसद और शिवसेना (यूबीटी) के 6 सांसद सत्ता पक्ष में शामिल हो गए हैं। सूत्रों के मुताबिक, सरकार को एनसीपी (शरद पवार) जैसी अन्य पार्टियों से भी समर्थन मिलने की उम्मीद है, जिनके 8 सांसद हैं। यह उम्मीद इस आश्वासन के बाद जगी है कि सीटों में 50 फीसदी की पक्की बढ़ोतरी को बिल का हिस्सा बनाया जाएगा।

'सुदर्शन सेतु' के बाद अब 'बेट-द्वारका कॉरिडोर' पर फोकस

गुजरात सरकार का मास्टरप्लान तैयार, इको-टूरिज्म केंद्र बनाने की योजना

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात सरकार ने बेट द्वारका कॉरिडोर बनाने की योजना पर काम कर रही है। सरकार ने विश्व स्तरीय आध्यात्मिक और इको-टूरिज्म केंद्र में बदलने के लिए एक व्यापक पुनर्विकास योजना शुरू की है। गुजरात में काशी विश्वनाथ और उज्जैन महाकाल कॉरिडोर की तर्ज पर काम करने की योजना है। इस परियोजना का उद्देश्य उन लाखों तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं को आधुनिक बनाना है, जो द्वारका आते हैं। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए, राज्य के राजस्व विभाग ने 31 सर्वे नंबरों के अंतर्गत एक हेक्टेयर से अधिक भूमि का अधिग्रहण करने के लिए एक आधिकारिक



अधिसूचना जारी की है। द्वारका के डिप्टी कलेक्टर को भूमि खाली कराने और कानूनी प्रक्रियाओं में तेजी लाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जगत मंदिर परिसर के एक बड़े हिस्से का उपयोग आधुनिक बुनियादी ढांचा बनाने के लिए किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

11 दिसंबर को कनाडा जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी

● ट्रेड डील पर होगी बातचीत, कारोबार बढ़ाने के नियम तय होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 से 12 दिसंबर को कनाडा के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच ट्रेड डील पर बातचीत होगी। भारत-कनाडा व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने की



संभावना भी है। इसके तहत दो देश व्यापार, निवेश और कारोबार बढ़ाने के लिए नियम तय करते हैं। भारत और कनाडा 2030 तक आपसी कारोबार को बढ़ाकर सालाना 7 लाख करोड़ रुपए करना चाहते हैं। अभी दोनों देशों के बीच करीब 3 लाख करोड़ रूपए का व्यापार होता है। पीएम मोदी का दौरा ऐसे समय पर हो रहा है जब कनाडा और अमेरिका के बीच ट्रेड वॉर की स्थिती है।

सीजेआई सूर्यकांत पर टिप्पणी कर फंस गए संजय राउत

● थमाया नोटिस, सुप्रीम कोर्ट ने पत्रकार से भी जवाब मांगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत से सीजेआई सूर्यकांत पर टिप्पणियों को लेकर स्पष्टीकरण मांगा। राउत ने चुनाव आयोग के



कामकाज और एसआईआर के मुद्दे पर इंडिया ब्लॉक के नेताओं से मिलने से इनकार करने पर सीजेआई की आलोचना की थी। पत्रकार निखिल वागले को भी नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की आपराधिक अवमानना याचिका पर हुई है। कोर्ट ने कहा कि संस्थानों पर हमले अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण हैं। दोनों से पूछा है कि उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई क्यों न की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सांसद संजय राउत और निखिल वागले को अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दी है। बेंच पहले उनके जवाब पर विचार करेगी।

गाजियाबाद में योगी सीएम का सपा पर हमला

● इन्होंने गिरगिट की तरह बदला रंग, टिकट बेचने का किया काम

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद में आयोजित शिक्षक-स्नातक सम्मेलन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को डासना स्थित सुंदरदीप कॉलेज में विधान परिषद चुनाव के मतदाताओं को संबोधित किया। इस दौरान



उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए उसके शासनकाल में दंगों, कर्फ्यू और बदहाल सड़कों का मुद्दा उठाया। सीएम योगी ने भाजपा सरकार के कार्यकाल में सुरक्षा, धार्मिक आयोजनों, बुनियादी ढांचे और शिक्षा के क्षेत्र में हुए कार्यों का जिक्र किया। उन्होंने सहारनपुर के शाकुंभरी कॉरिडोर, नमो भारत ट्रेन और जेवर एयरपोर्ट का भी उल्लेख किया।

● सचिन पायलट ने बता दिया क्या है पार्टी का प्लान

पंजाब में बिना सीएम फेस के चुनाव लड़ेगी कांग्रेस

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने जीत का दावा किया है। पंजाब कांग्रेस के प्रभारी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव सचिन पायलट ने कहा है कि राज्य में अगली सरकार 100 प्रतिशत कांग्रेस की बनेगी। उन्होंने भरोसा



जताया कि जनता बदलाव चाहती है और पार्टी के पास चुनाव जीतने के लिए मजबूत टीम है। पायलट ने पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष परगट सिंह को 'सबको साथ लेकर चलने वाला कप्तान' बताते हुए कहा कि पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता मिलकर चुनाव लड़ेंगे। पायलट ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पंजाब में मुख्यमंत्री पद के लिए किसी एक चेहरे को आगे करके चुनाव नहीं लड़ेगी।

दिल्ली में तिरंगा मार्च से पहले बड़ा ऐक्शन

घर से निकलते ही अभिजीत दीपके किए गए गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने तिरंगा यात्रा के लिए निकले अभिजीत दीपके को हिरासत में ले लिया है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि इसके लिए दीपके व अन्य

● तिरंगा मार्च के लिए कनॉट प्लेस पर जा रहे थे सीजेपी चीफ

सीजेपी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने अनुमति नहीं दी थी। जानकारी के अनुसार, दीपके जैसे ही अपने घर से बाहर निकले पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इस पर दीपके ने पुलिस से सवाल किया कि आप मुझे क्यों



हिरासत में ले रहे हो। तब पुलिस ने कहा कि प्रिवेंटिव मेजर के तहत आपको गिरफ्तार कर रहे हैं। कनॉट प्लेस के आउटर, मिडिल और इनर सर्किल में भारी सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। पूरे कनॉट प्लेस को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। सेंट्रल पार्क का नजारा देखने लायक है। पार्क के हर गेट से लेकर अंदर और बाहर चप्पे चप्पे पर दिल्ली पुलिस आए अर्ध सैनिक बलों की महिला और जवान की तैनाती की गई है जिससे कोई परिंदा भी पर नहीं मार सकता है।

पति की हत्या कर सांप छोड़ने वाली रविता को सजा-ए-मौत

● प्रेमी को भी फांसी होगी, मेरठ में 3 दिन में 4 को मौत की सजा

मेरठ (एजेंसी)। अपने पति की गला दबाकर हत्या करने वाली रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। रविता ने अपने प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर पहले पति अमित कश्यप का गला दबाकर उसकी जान ली और इसके बाद इस हत्याकांड को हादसा दिखाने के लिए उसके बिस्तर पर सांप छोड़ दिया। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने रविता और उसके प्रेमी अमरदीप के झूठ का



पर्दाफाश कर दिया। 12 अप्रैल 2025 की इस घटना में आखिरकार आज इंसाफ हो गया। मेरठ के एडीजे 12 जयवीर सिंह नागर की कोर्ट ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई की। आरोपी रविता और अमरदीप वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जेल से जुड़े थे। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुना और आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई।

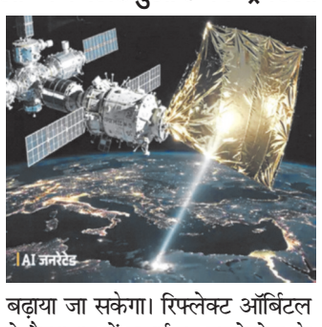
12 अप्रैल 2025 को हत्या की थी

मेरठ के बहसूमा क्षेत्र के अकबरपुर सादात गांव में 12 अप्रैल 2025 की रात को अमित कश्यप की हत्या कर दी गई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई। इसके बाद पुलिस ने पत्नी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो सारा मामला सामने आ गया। पुलिस ने पति अमित की हत्या में पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। 7 अक्टूबर को कोर्ट ने रविता और अमरदीप को दोषी कर दिया था। आज कोर्ट ने दोनों को सजा सुनाई है। पुलिस को जांच के दौरान हत्या वाले दिन पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप के बीच 50 से ज्यादा बार बातचीत की कॉल डिटेल मिली थी। इसी के आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाई, तो हत्या की सारी सच्चाई सामने आ गई थी। बता दें कि इससे पहले 14 अक्टूबर को कोर्ट ने सौरभ हत्याकांड में मुस्कान और उसके प्रेमी साहिल को भी फांसी की सजा सुनाई थी।

रात में सूरज की रोशनी बेचने की शुरू हुई तैयारी

● अंतरिक्ष में लगेंगे बड़े शीशे, दो लॉन्च के लिए हुआ है कॉन्ट्रैक्ट साइन

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी स्पेस टेक्नोलॉजी कंपनी रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल रात में धरती के चुनिंदा स्थानों पर सूरज की रोशनी बेचने की तैयारी कर रही है। इसके लिए पृथ्वी की कक्षा में बड़े शीशे लगाए जाएंगे। कैलिफोर्निया की यह स्टार्ट-अप भारत की स्काईरूट एयरोस्पेस की मदद से सैटेलाइट लॉन्च करेगी। दोनों कंपनियों के बीच दो लॉन्च का कॉन्ट्रैक्ट हुआ है। इन सैटेलाइट से आपदा प्रभावित इलाकों में खोज और बचाव अभियान के लिए रोशनी दी जा सकेगी। सोलर फार्म में बिजली बनाने का समय भी



बढ़ाया जा सकेगा। रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल ने हैदराबाद में स्काईरूट एयरोस्पेस के साथ दो लॉन्च का समझौता किया है। दोनों लॉन्च विक्रम रॉकेट से किए जाएंगे।

पांच किलोमीटर के दायरे में दी जा सकेगी रोशनी

जुलाई में रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल को फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन से एक प्रदर्शन सैटेलाइट बनाने, लॉन्च करने और चलाने की मंजूरी मिली थी। कंपनी का लक्ष्य ऐसी रोशनी उपलब्ध कराना है, जिसे जरूरत के हिसाब से कभी भी बंद किया जा सके और जिसकी चमक भी कम-ज्यादा की जा सके। यह रोशनी 5 किलोमीटर के इलाके में फैलेगी। कंपनी के मुताबिक, जरूरत के समय मिलने वाली इस रोशनी से दूरदराज के औद्योगिक इलाकों में काम करने का समय बढ़ाया जा सकता है। साथ ही, रक्षा अभियानों के दौरान जरूरी जगहों को रोशन करने में भी इसका इस्तेमाल हो सकता है।

पहला लॉन्च विक्रम-1 रॉकेट से होगा

रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल के को-फाउंडर और सीईओ बेन नोवैक ने कहा कि कंपनी नए लॉन्च प्रोवाइडर स्काईरूट के साथ काम करने को लेकर उत्साहित है। इससे अंतरिक्ष तक पहुंच आसान बनाने में मदद मिलेगी। इस कॉन्ट्रैक्ट के तहत पहला लॉन्च विक्रम-1 रॉकेट से होगा। दूसरा लॉन्च स्काईरूट के विक्रम-1 रॉकेट से किया जाएगा। इसमें पहले चरण के अतिरिक्त बूस्टर लगाए गए हैं। नोवैक ने कहा कि कंपनी को हाल ही में अपना पहला अंतरिक्ष यान चलाने के लिए फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन से लाइसेंस मिला है। कंपनी खगोलविदों, स्थानीय लोगों और नियामक संस्थाओं के साथ मिलकर काम करती रहेगी, ताकि बड़े स्तर पर अपना काम बढ़ाने की मंजूरी मिल सके। 1993 में रूसी वैज्ञानिकों और इंजीनियरों ने 65 फीट लंबा शीशा कक्षा में तैनात किया था। इससे धरती पर सूरज की रोशनी की एक घूमती हुई किरण भेजी गई थी। यह प्रयोग सफल रहा था। हालांकि, पैसों की कमी के कारण इसे बंद कर दिया गया। इस प्रयोग का नाम ज़नाम्या था। रिफ्लेक्ट ऑर्बिटल की योजना को लेकर विवाद भी हुआ है।

तमिलनाडु में 128 जगहों पर होगा 'संघ' का पथ संचलन

● संचालन को मिली अनुमति, मद्रास हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को 128 जगहों पर पथ संचालन की अनुमति मिल गई है। मद्रास हाईकोर्ट ने शुक्रवार को यह बड़ा फैसला लिया। हाईकोर्ट ने तमिलनाडु पुलिस की



आलोचना की। हाईकोर्ट ने कहा कि वे (पुलिस) बार-बार उन आधारों पर अनुमति देने से इनकार कर रहे थे जिन्हें अदालतें पहले ही खारिज कर चुकी हैं। गौरतलब हो कि एक दिन पहले हाईकोर्ट ने कहा था कि जब जम्मू कश्मीर जैसे राज्य में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचालन कार्यक्रम हो सकता है तो तमिलनाडु में क्यों नहीं। मद्रास हाई कोर्ट ने आरएसएस के पथ संचलन मामले में फैसला देते हुए तमिलनाडु पुलिस को जमकर सुनाया।

अनमोल वचन

मनुष्य को अपने प्रयत्न, अपनी शक्ति, क्षमता और परिश्रम के कारण जो मिल जाता है, उसको बहुधा वह अपर्याप्त मानता है। थोड़ा और, थोड़ा और के चक्रव्यूह में फंसकर वह अशांति और असंतोष को ही आमंत्रण देता है। संतोष के साधन के लिये आपके पास वर्तमान में जो कुछ है, उस पर संतोष करें, उसका सदुपयोग करें, उसका लाभ उठायें। इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं कि भावी प्रगति के लिये प्रयास ही न किया जाये। संतोष का अर्थ हाथ पर हाथ धरे बैठे रहना नहीं है। वर्तमान से संतुष्ट रहकर भावी उन्नति के लिये धैर्यपूर्वक प्रयत्नशील रहना शांति के लिये आवश्यक है। मनुष्य की अशांति और असंतोष का कारण उसका असंतुलित मन भी है। वह ऐसी उधेड़बुन में लगा रहता है जिससे अशांति और असंतोष कम नहीं होती, बल्कि बढ़ता जाता है। भले ही मनुष्य इसका दोष भाग्य पर या किसी व्यक्ति पर मढ़ता रहे, परंतु मूलतः दोष उसके असंतुलित, अनियंत्रित मन का ही होता है। जिस प्रकार बिना साधा हुआ घोड़ा सवार को दुखद परिस्थितियों में डाल देता है, उसी प्रकार असंस्कृत, असंतुलित मन मनुष्य को कई दोष और पाप-चक्र में फंसाता रहता है।

गन्ना किसानों के बकाया भुगतान पर ब्याज दिलाने की मांग, किसान मजदूर संगठन ने सौंपा ज्ञापन

हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देकर चीनी मिलों से ब्याज सहित भुगतान कराने की उठाई मांग, आंदोलन की चेतावनी



बुढ़ाना। गन्ना किसानों के बकाया भुगतान पर ब्याज दिलाने की मांग को लेकर किसान मजदूर संगठन के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को तहसील मुख्यालय पहुंचकर प्रदेश सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा। एसडीएम की अनुपस्थिति में तहसीलदार को सौंपे गए ज्ञापन में इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए चीनी मिलों से किसानों का बकाया गन्ना मूल्य नियमानुसार ब्याज सहित दिलाने की मांग की गई। किसान मजदूर संगठन के तहसील अध्यक्ष कृष्ण कुमार राणा ने बताया कि किसान नेता वीएम सिंह ने गन्ना भुगतान में देरी के मामले में ब्याज दिलाने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में रिट याचिका दाखिल की थी। उन्होंने कहा कि माननीय न्यायालय ने किसानों के हित में फैसला सुनाते हुए चीनी मिल मालिकों को बकाया भुगतान ब्याज सहित करने का आदेश दिया है। ऐसे में किसानों को उनके अधिकारों के अनुरूप भुगतान दिलाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि प्रशासन चीनी मिलों पर प्रभावी दबाव बनाए, ताकि क्षेत्र के हजारों गन्ना किसानों को उनकी फसल का लंबित भुगतान ब्याज सहित मिल सके। किसानों का कहना है कि समय पर भुगतान नहीं होने से उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बकाया राशि के साथ ब्याज का भुगतान मिलने से किसानों को काफी राहत मिल सकती है। संगठन के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि किसानों के हितों की अनदेखी की गई और उनकी मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन किसानों के अधिकारों के लिए आंदोलन करने को बाध्य होगा। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष अनिल सिंह राणा, जिला सचिव ईश्वर सिंह, सुरेश चंद, संतोष कुमार, राजवीर, सुभाष चंद सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप, युवक पर मुकदमा दर्ज

किराये के मकान से चार अक्टूबर को लापता हुई नाबालिग, पिता की शिकायत पर पुलिस ने शुरू की जांच

मुजफ्फरनगर। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र की आदर्श कॉलोनी से एक नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का मामला सामने आया है। नाबालिग के पिता ने गांव नसीरपुर निवासी एक युवक पर उनकी बेटी को अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है। पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, पीड़ित पिता आदर्श कॉलोनी में किराये के मकान में रहते हैं। उनकी नाबालिग बेटी भी उनके साथ रहती थी। पिता का आरोप है कि चार अक्टूबर 2026 को गांव नसीरपुर निवासी अजय कुमार उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर किराये के मकान से अपने साथ ले गया। बेटी के लापता होने के बाद परिवार ने उसकी तलाश की।

14 अक्टूबर को पुलिस से की शिकायत

तहरीर के मुताबिक, घटना चार अक्टूबर की है। इसके बाद 14 अक्टूबर 2026 को पीड़ित पिता ने नई मंडी कोतवाली में शिकायत देकर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने पुलिस से नाबालिग का पता लगाने की भी गुहार लगाई।

मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई में जुटी पुलिस

पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले में नाबालिग का पता लगाने और घटना से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। नाबालिग की पहचान उजागर नहीं की गई है।

बहेड़ी में किसान की तीन बीघा गन्ने की फसल जोतकर नष्ट करने का आरोप, चार लोगों पर एनसीआर दर्ज

मुजफ्फरनगर। कोतवाली नगर क्षेत्र के गांव बहेड़ी में खेत में खड़ी गन्ने की फसल को कथित तौर पर जोतकर नष्ट करने का मामला सामने आया है। किसान मोहम्मद सालिम ने गांव के ही चार लोगों पर करीब तीन बीघा खेत में खड़ी गन्ने की फसल को नष्ट करने का आरोप लगाया है। पीड़ित के अनुसार, 27 जुलाई 2026 की सुबह जब वह अपने खेत पर पहुंचा तो फसल उजड़ी हुई मिली। मामले में पुलिस ने एनसीआर दर्ज कर ली है। गांव बहेड़ी निवासी मोहम्मद सालिम ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका खेत खसरा नंबर 215 में स्थित है। 27 जुलाई 2026 की सुबह वह अपने खेत पर पहुंचा तो देखा कि उसकी गन्ने की खड़ी फसल को जोतकर नष्ट कर दिया गया है। किसान के मुताबिक, खेत करीब तीन बीघा का है और उसमें गन्ने की फसल खड़ी थी। सालिम का आरोप है कि रात के समय उसकी फसल को जोतकर नुकसान पहुंचाया गया। सुबह खेत की स्थिति देखकर उसने जानकारी जुटाई और घटना के लिए गांव के ही चार लोगों को जिम्मेदार ठहराया।

गांव के चार लोगों पर लगाया आरोप

शिकायतकर्ता ने मुरसलीन और साबिर पुत्रगण अब्दुल कय्यूम तथा शमशाद और अबरू हसन पुत्रगण हकीम निवासी गांव बहेड़ी पर फसल नष्ट करने का आरोप लगाया है। किसान ने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपितों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। गन्ने की फसल को तैयार करने में किसान को खेत की जुताई, बीज, खाद, सिंचाई और मेहनत पर खर्च करना पड़ता है। ऐसे में खड़ी फसल नष्ट होने से किसान को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। मोहम्मद सालिम ने अपनी शिकायत में खेत में खड़ी फसल को जानबूझकर नष्ट किए जाने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, फसल को हुए वास्तविक नुकसान का आकलन सामने नहीं आया है।

कोतवाली नगर में एनसीआर दर्ज

मोहम्मद सालिम की तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली नगर में एनसीआर संख्या 006/2026 दर्ज की गई है। तहरीर में भारतीय न्याय संहिता की धारा 324(4) का उल्लेख है।

आजाद समाज पार्टी को झटका, कमल गौतम ने थामा सपा का दामन

तीन बार बसपा के जिलाध्यक्ष और रालोद के प्रदेश प्रवक्ता रह चुके हैं कमल गौतम, अखिलेश यादव से मुलाकात के बाद बोले–पार्टी के लिए समर्पित, सरकार बनाकर ही लेंगे दम

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक और महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। आजाद समाज पार्टी के पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी रहे कमल गौतम ने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया है। शुक्रवार को लखनऊ में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की मौजूदगी में उन्होंने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कमल गौतम के सपा में शामिल होने को पश्चिमी यूपी में नए राजनीतिक समीकरणों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। बसपा, राष्ट्रीय लोकदल और आजाद समाज पार्टी में जिम्मेदारी निभा चुके कमल गौतम ने सपा में शामिल होने के बाद साफ कहा कि अब वह पार्टी को मजबूत करने और प्रदेश में सपा की सरकार बनाने के लिए पूरी तरह समर्पित होकर काम करेंगे।

बसपा, रालोद से आजाद समाज पार्टी तक का सफर

कमल गौतम ने अपने राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए बताया कि वह बहुजन समाज पार्टी में तीन बार जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। इसके बाद वह राष्ट्रीय लोकदल में प्रदेश प्रवक्ता भी रहे। बाद में उन्होंने आजाद समाज पार्टी में पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी के रूप में काम किया। अलग-अलग राजनीतिक दलों में संगठनात्मक जिम्मेदारियां निभाने के बाद अब उनका समाजवादी पार्टी में शामिल होना पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सियासत में चर्चा का विषय बन गया है। कमल गौतम का कहना है कि वह लंबे समय से समाज और राजनीति के बीच सक्रिय रहे हैं। विभिन्न दलों में काम करने के दौरान उन्होंने राजनीतिक परिस्थितियों और सामाजिक मुद्दों को करीब से देखा है। अब उन्होंने समाजवादी पार्टी के साथ आगे बढ़ने का फैसला लिया है। उनके मुताबिक, वह पार्टी की नीतियों और संगठन को मजबूत करने के लिए काम करेंगे।

बहनजी और चंद्रशेखर के बीच खींचतान पर जताई चिंता

सपा में शामिल होने के बाद कमल गौतम ने बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती और आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद के बीच राजनीतिक टकराव को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि दोनों के बीच चल रही



लड़ाई के कारण समाज चौराहे पर खड़ा दिखाई दे रहा है और समाज बिखर रहा है। उनके अनुसार, मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में समाज को एकजुट करने और उसकी समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने की जरूरत है। कमल गौतम ने अपने इस फैसले को राजनीतिक दिशा बदलने के साथ-साथ आगे की रणनीति से भी जोड़कर पेश किया। उनका कहना है कि अब वह समाजवादी पार्टी के साथ रहकर संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत के लिए काम करेंगे।

अखिलेश यादव को पुरकाजी से चुनाव लड़ाने की मांग

कमल गौतम ने बताया कि उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को मुजफ्फरनगर जिले की पुरकाजी विधानसभा सीट से चुनाव लड़ाने की मांग हाईकमान के सामने रखी है। उनके मुताबिक, इस संबंध में उन्होंने पार्टी नेतृत्व को अपनी राय से अवगत कराया है। उन्होंने दावा किया कि हाईकमान की ओर से उन्हें इस विषय पर आश्वासन भी मिला है। हालांकि, अखिलेश यादव के पुरकाजी से चुनाव लड़ने को लेकर पार्टी की ओर से किसी आधिकारिक घोषणा की पुष्टि सामने नहीं आई है। पुरकाजी विधानसभा सीट पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण मानी जाती है। ऐसे में कमल गौतम की ओर से अखिलेश यादव को इस सीट से चुनाव लड़ाने की मांग ने क्षेत्रीय राजनीतिक चचाओं को और तेज कर दिया है। अब इस विषय पर पार्टी नेतृत्व क्या निर्णय लेता है, यह आगे देखने वाली बात होगी।

हाईकमान का हर फैसला मंजूर, पार्टी के लिए करेंगे काम

कमल गौतम ने कहा कि पार्टी हाईकमान जो भी फैसला करेगा, वह उन्हें मंजूर होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी पद या व्यक्तिगत लाभ के बजाय पार्टी को मजबूत करना और चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करना है। उन्होंने कहा कि वह समाजवादी पार्टी के लिए समर्पित होकर काम करेंगे और प्रदेश में सपा की सरकार बनाकर ही दम लेंगे। उनके इस बयान से संकेत मिलता है कि वह आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, पार्टी में उन्हें कोई औपचारिक पद या जिम्मेदारी दी जाएगी या नहीं, इस बारे में अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

2027 के चुनाव से पहले सियासी गतिविधियां तेज

उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने अभी से संगठन को मजबूत करने और नए चेहरों को अपने साथ जोड़ने की कवायद तेज कर दी है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सामाजिक समीकरण, स्थानीय नेतृत्व और विधानसभा सीटों को लेकर राजनीतिक गतिविधियां लगातार चर्चा में हैं। ऐसे समय में कमल गौतम का समाजवादी पार्टी में शामिल होना क्षेत्रीय राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। कमल गौतम को बसपा, रालोद और आजाद समाज पार्टी में काम करने का अनुभव रहा है। अब वह सपा के साथ अपनी नई राजनीतिक पारी शुरू कर रहे हैं। उनके सपा में आने से पश्चिमी यूपी में पार्टी की रणनीति और आगामी चुनाव में उनकी भूमिका को लेकर चचाएं शुरू हो गई हैं। हालांकि, इस बदलाव का चुनावी समीकरणों पर कितना असर पड़ेगा, यह आने वाले समय में संगठन की गतिविधियों और पार्टी नेतृत्व के फैसलों से स्पष्ट होगा।

प्लॉट में शराब बेचने से रोकने पर घर में घुसकर हमला, युवक पर तमंचे से फायर करने का आरोप

कैल्लनपुर में लाठी-डंडों और धारदार हथियारों से विकास को बुरी तरह पीटा

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी थाना क्षेत्र के गांव कैल्लनपुर में प्लॉट में कथित रूप से अवैध शराब बेचने से मना करने पर रंजिश का मामला सामने आया है। आरोप है कि आधा दर्जन से अधिक लोग लाठी-डंडे, धारदार हथियार और तमंचा लेकर एक युवक के घर में घुस आए। आरोपियों ने युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की और एक आरोपी ने उस पर तमंचे से जानलेवा फायर किया। युवक की मां ने उसे बचाने का प्रयास किया तो उनके साथ भी मारपीट की गई। हमले में गंभीर रूप से घायल युवक को पहले पुरकाजी, फिर मुजफ्फरनगर और वहां से मेरठ रेफर किया गया। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव कैल्लनपुर निवासी कश्मीरी देवी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पड़ोसी संजू पुत्र शिवकुमार और शिवकुमार पुत्र सिब्बा कथित रूप से अवैध शराब बेचने का कारोबार करते हैं। आरोप है कि पिछले कुछ दिनों से दोनों उनके प्लॉट में बैठकर शराब बेच रहे थे। इस पर कश्मीरी देवी के बेटे विकास ने उन्हें अपने प्लॉट में शराब बेचने से मना किया था। विकास ने आशंका जताई थी कि ऐसा होने से भविष्य में उनके परिवार को परेशानी हो सकती है। शिकायत के अनुसार, इसी बात को लेकर पड़ोसी पक्ष उनसे रंजिश रखने लगा था।

रात आठ बजे घर में घुसकर हमले का आरोप

कश्मीरी देवी के अनुसार रात करीब आठ बजे उनका बेटा विकास काम से लौटकर घर में बैठा हुआ था। इसी दौरान संजू, कार्तिक पुत्रगण शिवकुमार, शिवकुमार पुत्र सिब्बा और रोहित, विनीत व मोहित पुत्रगण सलेकचन्द कथित रूप से लाठी-डंडे, धारदार हथियार और तमंचा लेकर उनके घर में घुस आए। आरोप है कि घर में घुसते ही आरोपियों ने विकास के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद शिवकुमार, कार्तिक, मोहित और विनीत ने लाठी-डंडों से उस पर हमला कर दिया। मारपीट में विकास गंभीर रूप से घायल हो गया और खून से लथपथ हो गया।

तमंचे से फायर करने का आरोप, बाल-बाल बचा युवक

पीड़िता ने तहरीर में आरोप लगाया कि रोहित के हाथ में धारदार हथियार था, जबकि संजू ने तमंचे से विकास पर जानलेवा फायर किया। शिकायत के मुताबिक, विकास गोली लगने से बाल-बाल बचा, लेकिन मारपीट में उसे गंभीर चोटें आईं। हमले के दौरान घर में अफरा-तफरी मच गई। कश्मीरी देवी का कहना है कि जब उन्होंने अपने बेटे को हमलावरों से बचाने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उनके साथ भी लाठी-डंडों से मारपीट की। इससे उन्हें भी चोटें आईं।

शोर सुनकर पहुंचे लोगों ने बचाया

तहरीर के अनुसार, मारपीट और शोर-शराबा सुनकर पिंटू उर्फ पवन पुत्र विनोद और आशु पुत्र कल्याण सहित अन्य लोग मौके पर पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने काफी मुश्किल से मां-बेटे को हमलावरों से बचाया। जाते समय आरोपी परिवार को भविष्य में जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए।

गंभीर हालत में मेरठ रेफर हुआ विकास

परिजनों के अनुसार, विकास की हालत गंभीर होने पर उसे पहले पुरकाजी के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वहां से चिकित्सकों ने उसे मुजफ्फरनगर रेफर कर दिया। मुजफ्फरनगर में भी हालत गंभीर देखते हुए उसे मेरठ रेफर किया गया, जहां वह सरकारी अस्पताल में भर्ती है और उसका उपचार चल रहा है।

की शिकायत, मुकदमा दर्ज

घटना के संबंध में कश्मीरी देवी ने पुरकाजी थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित शिकायत दी। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मामले में अवैध शराब बेचने से रोकने को लेकर रंजिश, घर में घुसकर मारपीट, तमंचे से फायरिंग और जान से मारने की धमकी जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इन आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही होगी। फिलहाल घायल विकास का उपचार जारी है और पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

बेटी के जन्म के बाद दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप, पति समेत छह लोगों पर गंभीर शिकायत

दो लाख रुपये की मांग, मारपीट कर घर से निकालने और चेहरे पर तेजाब डालने की धमकी देने का दावा; भरण-पोषण के न्यायलयी आदेश का पालन नहीं करने का भी आरोप

मुजफ्फरनगर। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के गांव सहावली निवासी एक विवाहिता ने अपने पति समेत ससुराल पक्ष के छह लोगों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने, मारपीट कर घर से निकालने और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने पति पर किसी अन्य महिला से संबंध रखने और विरोध करने पर चेहरे पर तेजाब डालकर बिगाड़ने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। विवाहिता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार, विवाहिता की शादी 12 मई 2022 को हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार हुई थी। पीड़िता का कहना है कि शादी में उसकी मां और रिश्तेदारों ने करीब 12 लाख रुपये खर्च किए थे। शादी के दौरान मोटरसाइकिल, सोने-चांदी के आभूषण, बर्तन, कपड़े और अन्य घरेलू सामान भी दिया गया था। शादी के बाद वह ससुराल में रहने लगी। विवाहिता ने आरोप लगाया कि बेटी के जन्म के बाद से ही पति अंकित कुमार, ससुर कृष्णपाल, सास शर्मिला और देवर गौरव, रीनू व वंश उसे अतिरिक्त दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगे। शिकायत में कहा गया है कि जब उसकी बेटी करीब एक माह की थी, तब उसके साथ मारपीट कर उसे पहने हुए कपड़ों में ही घर से निकाल दिया गया। पीड़िता के मुताबिक, करीब एक माह बाद पति और ससुराल पक्ष के लोग उसे वापस ले गए, लेकिन 12-13 दिन बाद फिर से उसके साथ मारपीट की गई। आरोप है कि उससे अपनी मां से दो लाख रुपये लाकर देने का दबाव बनाया गया और रुपये नहीं लाने पर घर छोड़ने को कहा गया। शिकायत के मुताबिक, लगातार प्रताड़ना से परेशान होकर विवाहिता ने अपने भाई और भाभी को फोन पर जानकारी दी। इसके बाद उसकी मां और भाभी उसे ससुराल से अपने साथ ले आईं। पीड़िता का कहना है कि इसके बाद से पति और ससुराल पक्ष के साथ उसका विवाद चल रहा है। विवाहिता ने बताया कि उसने अपने और अपनी बेटी के भरण-पोषण के लिए न्यायालय में मुकदमा दायर कर रखा है। उसके अनुसार, न्यायालय ने पति को छह हजार रुपये प्रतिमाह देने का आदेश दिया है, लेकिन आरोप है कि पति इस आदेश का पालन नहीं कर रहा है। पीड़िता का कहना है कि इससे उसे और उसकी बेटी को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

दूसरी महिला से संबंध का दावा, तेजाब डालने की धमकी का आरोप

पीड़िता ने शिकायत में पति पर किसी अन्य महिला से संबंध रखने का भी आरोप लगाया है। उसका कहना है कि इस बारे में विरोध करने पर पति ने कथित तौर पर जान से मारने और चेहरे पर तेजाब डालकर चेहरा बिगाड़ने की धमकी दी। आरोप है कि पति और ससुराल पक्ष के लोग न्यायालय में चल रहे भरण-पोषण के मुकदमे को वापस लेने का दबाव बना रहे हैं। शिकायत के अनुसार, मुकदमा वापस नहीं लेने पर उसे और उसके मायके वालों को बर्बाद करने की धमकी भी दी गई।

एसएसपी से कार्रवाई की मांग

विवाहिता ने 26 मार्च 2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर पति अंकित कुमार, ससुर कृष्णपाल, सास शर्मिला और देवर गौरव, रीनू व वंश के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में पति के कथित रूप से दूसरी महिला के साथ संबंधों से जुड़े फोटो संलग्न होने का भी उल्लेख किया गया है। फिलहाल, शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पति और ससुराल पक्ष का जवाब सामने नहीं आया है। उपलब्ध शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने की पुष्टि नहीं है, इसलिए पुलिस की कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट होने के बाद ही इस संबंध में आगे की जानकारी सामने आ सकेगी।

खतौली में घर में घुसकर मारपीट, बीच-बचाव करने आई पत्नी को भी पीटा

पीड़ित की शिकायत पर पुलिसन किया तीन आरोपितों पर मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। खतौली थाना क्षेत्र के इस्लामाबाद भूड़ स्थित चूना भट्टी इलाके में घर पर पहुंचकर गाली-गलौज और मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि तीन लोगों ने पहले घर का दरवाजा पीटा और फिर शहजाद के भाई आस मोहम्मद के साथ मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव करने पहुंची शहजाद की पत्नी फरीन को भी आरोपितों ने कथित तौर पर पीट दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीन आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

घर पहुंचकर गाली-गलौज और मारपीट का आरोप

चूना भट्टी, इस्लामाबाद भूड़ निवासी शहजाद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 13 अक्टूबर 2026 को शाम करीब साढ़े सात से आठ बजे के बीच तालीब निवासी चूना भट्टी, फरान निवासी इस्लामाबाद भूड़ और गुलफाम निवासी लाडपुर उसके घर पहुंचे। आरोप है कि तीनों ने वहां पहुंचते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और घर का दरवाजा पीटने लगे। शिकायतकर्ता के अनुसार, इसके बाद तीनों ने उसके भाई आस मोहम्मद के साथ मारपीट शुरू कर दी। घर में विवाद और मारपीट होते देखकर परिवार के लोग घबरा गए।

बीच-बचाव करने आई पत्नी को भी पीटा, गंभीर चोट लगने का दावा

शहजाद ने आरोप लगाया कि जब उसकी पत्नी अपने देवर आस मोहम्मद को बचाने के लिए बीच-बचाव करने पहुंची तो तीनों आरोपितों ने उसके साथ भी मारपीट की। इस दौरान फरीन को गंभीर चोटें आईं। पीड़ित के मुताबिक, घटना के बाद उसने अपनी पत्नी का पुलिस के माध्यम से उसी रात चिकित्सीय परीक्षण भी कराया था।

भीड़ जुटने पर जान से मारने की धमकी देकर भागे

तहरीर के अनुसार, मारपीट के दौरान आसपास के लोग मौके पर एकत्र होने लगे। भीड़ जुटती देखकर तीनों आरोपित कथित तौर पर जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग गए। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जाते समय आरोपितों ने भविष्य में दोबारा नुकसान पहुंचाने की धमकी भी दी।

अगले दिन थाने पहुंचकर दी तहरीर

शहजाद ने बताया कि घटना 13 अक्टूबर की शाम की है, जबकि वह 14 अक्टूबर 2026 को थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर दी। उसने पुलिस से आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

तीन आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पुलिस ने शहजाद की तहरीर के आधार पर तालीब, फरान और गुलफाम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले में मारपीट, महिला को चोट पहुंचाने और धमकी देने के आरोपों की जांच की जा रही है। पुलिस की जांच और आगे की कानूनी कार्रवाई के बाद मामले की स्थिति स्पष्ट होगी।

तलाक का मुकदमा अदालत में पहुंचा तो घर में विवाद बढ़ने का आरोप, अब जेवर और लाइसेंसी रिवॉल्वर गायब होने का मामला दर्ज

मुजफ्फरनगर। पति-पत्नी के बीच चल रहा विवाद अब चोरी, मकान में तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी के गंभीर आरोपों तक पहुंच गया है। शहर के खालापार थाना क्षेत्र की डॉक्टर अबरार वाली गली निवासी हाजी फराज ने अपनी पत्नी और अन्य लोगों पर बंद मकान में जबरन घुसने, घर का सामान क्षतिग्रस्त करने तथा लाखों रुपये के आभूषण, नकदी और लाइसेंसी रिवॉल्वर गायब करने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक, विवाद के चलते उसने फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी दाखिल की थी। इसके बाद घर में हुई घटनाओं को लेकर उसने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत की। पुलिस ने प्रार्थना पत्र के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। हाजी फराज ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी 10 जून 2020 को लॉकडाउन के दौरान हुई थी। उसके अनुसार, शादी बिना दहेज और बड़े समारोह के केवल 15 लोगों की मौजूदगी में हुई थी। बाद में पति-पत्नी के बीच विवाद होने पर उसने फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी दाखिल कर दी। शिकायतकर्ता का कहना है कि अदालत से उसकी पत्नी को नोटिस भी भेजा गया था। आरोप है कि इसके बाद पारिवारिक विवाद और बढ़ गया। हाजी फराज ने दावा किया कि 14 अप्रैल 2026 की शाम को जब वह अपने परिवार के साथ संभल में अपनी बहन के यहां गया हुआ था, तब उसकी पत्नी बंद मकान पर पहुंची। अगले दिन 15 अप्रैल को मकान का पिछला दरवाजा तोड़कर अंदर घुसने और हथौड़े से संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता ने कहा कि इस घटनाक्रम का वीडियो उसके पास मौजूद है।

2 मई को घर पहुंचने पर अंदर से दरवाजा बंद मिलने का दावा

शिकायत में एक अन्य घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए हाजी फराज ने बताया कि 2 मई 2026 को दोपहर करीब चार बजे वह अपने कई पारिवारिक सदस्यों के साथ मकान पर पहुंचा। आरोप है कि इस दौरान अंदर से दरवाजा बंद कर लिया गया और दरवाजा खोलने में आनाकानी की गई। इसके बाद शिकायतकर्ता ने डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी। उसके अनुसार, डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और थाना खालापार से भी पुलिसकर्मियों को बुलाया गया। काफी प्रयास के बाद दरवाजा खुलवाया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पुलिस के साथ घर के अंदर पहुंचने पर कई दरवाजे टूटे हुए मिले और सामान अस्त-व्यस्त था। हाजी फराज के मुताबिक, उसके भाई शहजाद के कमरे में रखी अलमारी से सोने के अनेक आभूषण गायब मिले। शिकायत में 17 तोले का बड़ा सेट, आठ तोले का छोटा सेट, कंगन, अंगूठियां, चेन-पेंडल, टीका, झुमके और अन्य आभूषणों का विवरण दिया गया है। इसके अलावा तीन लंबे हीरे के आभूषण और तीन तोले की सोने की हाथ की कलाई का आभूषण भी गायब होने का दावा किया गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि मौके पर करीब 40 तोले सोने के आभूषणों के खाली डिब्बे बेड पर पड़े मिले। उसने घर के गेट, दरवाजे, खिड़कियों और अलमारी के टूटे होने की वीडियो बनाए जाने की बात भी कही है। हालांकि, शिकायत में दर्ज आभूषणों की वास्तविक मात्रा, कीमत और उनके स्वामित्व की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

मामले में नकदी और हथियार गायब होने का आरोप भी लगाया गया है। हाजी फराज ने शिकायत में कहा कि उसके भाई के कमरे में रखे ढाई लाख रुपये चोरी हो गए। इसके साथ ही लाइसेंसी रिवॉल्वर, उसका लाइसेंस, पासपोर्ट, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, पैन कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं मिले। लाइसेंसी हथियार गायब होने का आरोप मामले को और गंभीर बनाता है। पुलिस जांच में यह स्पष्ट होना महत्वपूर्ण होगा कि हथियार कहां है और किन परिस्थितियों में गायब हुआ। शिकायतकर्ता ने गायब सामान की बरामदगी और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। हाजी फराज ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी ने उसकी बहन शबाना और भाई शहजाद के साथ गाली-गलौज की तथा शहजाद के बच्चों को जान से मारने की

भैंस को रास्ता देने को लेकर विवाद, रेहड़ी लगाने वाले फल विक्रेता को लाठी-डंडों से पीटा

सम्भलहेड़ा में डाकघर के सामने हुई मारपीट में फरमान के सिर में आई चोट, जान से मारने की धमकी देने का आरोप; पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया

मुजफ्फरनगर। मीरापुर थाना क्षेत्र के गांव सम्भलहेड़ा में भैंस को रास्ता देने को लेकर हुए विवाद में एक फल विक्रेता के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि भैंस लेकर जा रहे गांव के ही एक व्यक्ति ने पहले गाली-गलौज की और फिर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट में फल विक्रेता के सिर में चोट आई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव सम्भलहेड़ा निवासी फरमान पुत्र इरफान रेहड़ी पर फल बेचकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। फरमान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 11 अक्टूबर 2026 की शाम करीब साढ़े तीन बजे वह गांव में डाकघर के सामने अपनी रेहड़ी पर सेब बेच रहा था। इसी दौरान गांव का मन्जर भैंस लेकर सामने से आ रहा था। आरोप है कि मन्जर ने फरमान के साथ गाली-गलौज करते हुए रेहड़ी रोकने को कहा।

रास्ते को लेकर कहासुनी के बाद मारपीट

फरमान के अनुसार, उसने मन्जर से कहा कि रास्ता काफी चौड़ा है और भैंस आसानी से निकल सकती है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर मन्जर ने लाठी-डंडों से उसके साथ मारपीट कर दी। हमले में उसके सिर में चोट लग गई। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से शिकायत कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मोहल्ले में दिखाई देने पर जान से मारने की धमकी का आरोप

पीड़ित ने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान आरोपी ने उसे धमकी दी कि यदि वह उनके मोहल्ले में दिखाई दिया तो उसे जान से मार दिया जाएगा। फरमान का कहना है कि वह रेहड़ी लगाकर और फेरी करके अपना गुजारा करता है। ऐसे में आरोपी की कथित धमकी से उसे अपनी जान का खतरा बना हुआ है। फरमान ने मीरापुर थाना प्रभारी से मामले की जांच कर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले में पुलिस की जांच और आगे की कार्रवाई का इंतजार है।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक: ◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222, मो. 9412211222

e-mail Address : royalbulletin@gmail.com

कार्यालय जिला पंचायत, शामली

पत्रांक: 832 / जि०पं०शा० / 2026-27 | **दिनांक: 15 /10/ 2026**

ई-निविदा सूचना

क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत निर्माण नियमावली 1984 (यथा संशोधित) के प्रावधानों के अन्तर्गत जिला पंचायतों/सिंचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में जिलानिधि के अन्तर्गत (01) निर्माण कार्य की ई-निविदा दिनांक 04.11.2026 की पूर्वाह्न 11:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जिनकी तकनीकी बिड निविदा समिति द्वारा दिनांक 04.11.2026 दोपहर 12:00 बजे से इच्छित ठेकेदारों की उपस्थिति में खोली जायेगी। ई-निविदायें www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगी और दिनांक 23.10.2026 से 04.11.2026 की पूर्वाह्न 11:00 बजे तक ई-निविदा डाउनलोड व अपलोड की जा सकेगी। कार्यो का विस्तृत विवरण एवं शर्ते जनपद शामली की वेबसाईट www.shamli.nic.in पर देखी जा सकती है अथवा किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय जिला पंचायत में देखी जा सकती है।

अभियंता
जिला पंचायत, शामली

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत, शामली



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
शनिवार 17 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3



भौराकलां में मंदिर के पुजारी की हत्या का 48 घंटे में खुलासा, पिता-पुत्र गिरफ्तार

बेटा होने की भविष्यवाणी गलत साबित होने पर पुजारी से हुआ था विवाद, पड़ोसी को फंसाने के लिए रची थी साजिश; हत्या के बाद मौके पर डाले थे उसके फोटो

मुजफ्फरनगर। भौराकलां गांव में शिव मंदिर के पुजारी स्वामी देवानंद भारती की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले का पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा करने का दावा किया है। पुलिस ने इस मामले में पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान भौराकलां निवासी जीशान पुत्र हाशिम और हाशिम पुत्र होशियारा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों ने पुजारी की हत्या करने के बाद पड़ोसी हरेन्द्र को मामले में फंसाने के लिए साजिश रची थी। आरोपियों ने कथित तौर पर हरेन्द्र के व्हाट्सऐप पर लगी तस्वीर निकालकर उसकी पासपोर्ट आकार की फोटो बनवाई और हत्या के बाद घटनास्थल पर डाल दीं, ताकि पुलिस का शक उस पर जाए। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई ग्लेमर मोटरसाइकिल, 315 बोर के दो तमंचे और चार जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी में यक्ष ऐप के माध्यम से मिली तकनीकी सहायता और सूचनाओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस खुलासे के बाद अब पुलिस आरोपियों से पूछताछ और बरामदगी के आधार पर मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है। भौराकलां थाना क्षेत्र के गांव भौराकलां में 13 अक्टूबर 2026 को शिव मंदिर में मौजूद पुजारी स्वामी देवानंद भारती की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। मंदिर के पुजारी की हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया था। घटना की गंभीरता को देखते हुए सहारनपुर परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक अभिषेक सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे थे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर वारदात से जुड़े साक्ष्य जुटाने और हत्यारोपियों की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। मामले में भौराकलां थाने पर मुकदमा अपराध संख्या 73/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) में हत्या



का मुकदमा दर्ज किया गया था। वारदात के खुलासे के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने तीन पुलिस टीमों का गठन किया था। भौराकलां थाना पुलिस के साथ एसओजी, तितावी और फुगाना थाना पुलिस को भी जांच में लगाया गया। पुलिस टीमें लगातार घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, तकनीकी जानकारियों और अन्य सूचनाओं के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने के प्रयास में जुटी थीं। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि स्वामी देवानंद भारती ने उन्हें बेटा होने की भविष्यवाणी की थी, लेकिन यह भविष्यवाणी गलत साबित हुई। इसी बात को लेकर उनका पुजारी से विवाद हो गया था। आरोपियों ने यह भी बताया कि उनका अपने पड़ोसी हरेन्द्र से भी विवाद चल रहा था। पुलिस के अनुसार, इन्हीं बातों के चलते उन्होंने पुजारी की हत्या करने और इस मामले में हरेन्द्र को फंसाने की साजिश रची। आरोपियों ने कथित तौर पर हरेन्द्र के मोबाइल फोन के व्हाट्सऐप पर लगी तस्वीर हासिल की। इसके बाद उस तस्वीर से पासपोर्ट आकार की फोटो तैयार कराई गईं। पुलिस के मुताबिक, पुजारी की हत्या करने के बाद आरोपियों ने ये तस्वीरें घटनास्थल पर डाल दीं, ताकि जांच के दौरान पुलिस का ध्यान हरेन्द्र की तरफ जाए और उसे हत्या के मामले में फंसाया जा सके। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने पूछताछ में साजिश से जुड़ी ये बातें बताई हैं। मामले में आरोपियों के बयानों, बरामद सामान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की जांच की जा रही है। पुलिस द्वारा गठित टीमों ने लगातार प्रयास करते हुए 15 अक्टूबर को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, जीशान और उसके पिता हाशिम को शिकारपुर रोड पर सिसौली मोड़ चौराहे से पकड़ा गया। दोनों भौराकलां गांव के रहने वाले हैं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई ग्लेमर मोटरसाइकिल और अवैध हथियार बरामद किए। बरामद मोटरसाइकिल का नंबर डीएल 7 एसएवाई 7155 बताया गया है। इसके अलावा 315 बोर के दो तमंचे और चार जिंदा कारतूस भी बरामद हुए हैं।

शराब की दुकानों पर आबकारी विभाग का सघन निरीक्षण

पीओएस मशीन से शत-प्रतिशत बिक्री के निर्देश, स्टॉक, निर्धारित मूल्य और क्यूआर कोड की जांच

मुजफ्फरनगर। जिले में शराब की दुकानों पर पारदर्शिता बनाए रखने और निर्धारित मूल्य पर मदिरा की बिक्री सुनिश्चित करने के लिए आबकारी विभाग ने सघन निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान आबकारी निरीक्षकों ने विभिन्न दुकानों पर पहुंचकर बिक्री व्यवस्था, स्टॉक और सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की जांच की। यह कार्रवाई अपर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन तथा आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज के निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में की गई।



पीओएस मशीन से बिक्री पर जोर

निरीक्षण के दौरान दुकानदारों को पीओएस मशीन के माध्यम से मदिरा की शत-प्रतिशत बिक्री सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही दुकानों में उपलब्ध मदिरा के स्टॉक का स्टॉक रजिस्टर से मिलान कर भौतिक सत्यापन किया गया, ताकि अभिलेखों और वास्तविक स्टॉक में पारदर्शिता बनी रहे। गोपनीय खरीद से परखी निर्धारित मूल्य पर बिक्री

आबकारी विभाग की टीम ने मदिरा निर्धारित मूल्य पर बेची जा रही है या नहीं, इसकी जांच के लिए गोपनीय खरीद भी की। इसका उद्देश्य ग्राहकों से निर्धारित दर के अनुसार ही कीमत लिए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

सीसीटीवी कैमरों और क्यूआर कोड की जांच

निरीक्षण के दौरान दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति जांची गई और उन्हें लगातार चालू रखने के निर्देश दिए गए। वहीं, स्टॉक में रखी कुछ बोतलों का चयन कर उन पर लगे क्यूआर कोड को विभागीय अनुप्रयोग के माध्यम से जांचा गया। आबकारी विभाग के इस अभियान का उद्देश्य बिक्री व्यवस्था को पारदर्शी बनाना, स्टॉक का सही हिसाब रखना, निर्धारित मूल्य पर बिक्री सुनिश्चित करना और दुकानों पर निगरानी व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखना है।

अपराध नियंत्रण को लेकर एसएसपी सूरज कुमार राय सख्त, लंबित विवेचनाओं से लेकर गैंगस्टर एक्ट तक की समीक्षा

अपराध गोष्ठी में पुलिस अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश, साइबर अपराधों पर त्वरित कार्रवाई, अवैध संपत्तियों की जांच और जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर जोर

मुजफ्फरनगर। जनपद में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और पुलिस कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने पुलिस अधिकारियों के साथ अपराध गोष्ठी कर विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की। उन्होंने लंबित विवेचनाओं के समयबद्ध निस्तारण, गैंगस्टर एक्ट के मामलों में प्रभावी कार्रवाई, साइबर अपराधों पर त्वरित प्रतिक्रिया तथा जनशिकायतों का गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आगामी पर्व-त्योहारों के मद्देनजर संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता बरतने और शांति व्यवस्था बनाए रखने पर भी विशेष जोर दिया गया। 15 अक्टूबर 2026 की देर रात रिजर्व पुलिस लाइन स्थित सभागार में आयोजित गोष्ठी की अध्यक्षता एसएसपी सूरज कुमार राय ने की। बैठक में पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक, पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ, पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल कुमार चौबे, समस्त क्षेत्राधिकारी, थाना एवं शाखा प्रभारी, निरीक्षक एलआईयू तथा प्रतिसार निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। एसएसपी ने महत्वपूर्ण घटनाओं के संबंध में तत्काल तथ्य जुटाकर उच्चाधिकारियों को अवगत कराने और मीडिया के माध्यम से केवल प्रमाणित जानकारी साझा करने के निर्देश दिए। साइबर अपराधों की शिकायतों पर शीघ्र कार्रवाई करते हुए पीड़ितों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने तथा अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कदम उठाने पर भी जोर दिया। प्रस्तावित गैंगचार्टों की समीक्षा करते हुए एसएसपी ने थाना प्रभारियों को संबंधित मामलों में आवश्यक विधिक प्रक्रिया प्राथमिकता



के आधार पर पूरी करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि थाना प्रभारी स्वयं अभिलेखों और तथ्यों की जांच करें तथा कार्रवाई में अनावश्यक देरी न होने दें। गैंगस्टर एक्ट के उन मामलों की भी समीक्षा की गई, जिनमें धारा 14(1) के तहत कार्रवाई प्रस्तावित है। ऐसे प्रकरणों में अभियुक्तों की अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों और संबंधित दस्तावेजों का विधिवत परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई के प्रस्ताव समयबद्ध तरीके से प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। आगामी पर्व-त्योहारों और विभिन्न विवादों को देखते हुए एसएसपी ने क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्रों के संवेदनशील स्थानों और विवादित मामलों को चिह्नित करने के निर्देश दिए। उन्होंने छोटी से छोटी सूचना को गंभीरता से लेते हुए समय रहते निरोधात्मक कार्रवाई करने तथा स्थानीय स्तर पर पुलिस की मौजूदगी बढ़ाकर शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने को कहा। न्यायालयों में लंबित मामलों की समीक्षा के दौरान एसएसपी ने अभियोगों से संबंधित साक्षियों की निर्धारित तिथियों पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साक्षियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका ध्यान रखने के साथ अभियोजन पक्ष से समन्वय स्थापित कर मामलों की प्रभावी पैरवी करने को कहा गया। आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए एसएसपी ने स्पष्ट किया कि निस्तारण केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान किया जाए। अधिकारियों को शिकायतों की नियमित निगरानी करने और निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मुजफ्फरनगर में एनएचएम संविदा स्वास्थ्यकर्मियों के समर्थन में उतरे भाकियू अध्यक्ष नरेश टिकैत: मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

स्वास्थ्यकर्मियों ने मांगे पूरी न होने पर दी उग्र आंदोलन की चेतावनी

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों का आंदोलन दिन-ब-दिन और आक्रामक होता जा रहा है। लगातार सातवें दिन भी जिले भर के संविदा स्वास्थ्यकर्मी मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय पर डटे रहे। मुजफ्फरनगर में भारी बारिश और प्रशासन द्वारा जारी की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी के बावजूद कर्मचारियों के हौसले पस्त नहीं हुए हैं। इसी बीच भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत के आंदोलन के समर्थन में उतरने से कर्मचारियों को नई संजीवनी मिल गई है। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने संविदा कर्मचारियों की जायज मांगों को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पत्र प्रेषित किया है। पत्र में उन्होंने सीएमओ द्वारा की जा रही उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाने और कर्मचारियों की



समस्याओं के न्यायसंगत समाधान की मांग की है। चौधरी नरेश टिकैत ने कहा कि वर्तमान महंगाई के दौर में बेहद कम मानदेय पर काम करने वाले इन कर्मचारियों की मांगों को अनदेखा नहीं किया जा सकता। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यह कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं, बल्कि कर्मचारियों के जीवन-यापन और अधिकारों की लड़ाई है। यदि प्रशासन ने अपनी दमनकारी नीति बंद नहीं की, तो भारतीय किसान यूनियन इन स्वास्थ्यकर्मियों के समर्थन में सड़कों पर उतरने से पीछे नहीं हटेगी। सीएमओ कार्यालय परिसर में आयोजित धरने को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष डॉ. सचिन जैन ने बताया कि जिले के समस्त एनएचएम कर्मचारियों ने पूर्ण रूप से कार्य बहिष्कार जारी रखा है। कर्मचारियों का कहना है कि वे लंबे समय से नियमितीकरण, समान कार्य के लिए समान वेतन और मानदेय में सम्मानजनक वृद्धि जैसी बुनियादी मांगों को उठा रहे हैं, लेकिन सरकार ठोस कदम नहीं उठा रही। डॉ. सुदेश वर्मा ने कहा कि प्रशासन द्वारा विभागीय कार्रवाई से संबंधित पत्र जारी किए जाने के बाद भी कर्मचारियों की एकजुटता बनी हुई है। कोई भी कर्मचारी काम पर वापस नहीं लौटा है। स्टाफ नर्स डिंपल ने बताया कि मरीजों के हित को ध्यान में रखते हुए फिलहाल आपातकालीन (इमरजेंसी) सेवाओं को बाधित नहीं किया गया है। लेकिन यदि सरकार और स्वास्थ्य विभाग ने हठधर्मिता जारी रखी और मांगों की अनदेखी की, तो कर्मचारी पूर्ण हड़ताल जैसा कदम उठाने को बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

दस्तावेज तय करेंगे आरोपों की सच्चाई: शुभम मित्तल

व्यापारिक लेन-देन से लेकर 28 लाख रुपये की कथित बकाया राशि तक उठाए सवाल, प्रतिष्ठान पर धमकी के आरोपों की भी साक्ष्यों के आधार पर जांच कराने की अपील

मुजफ्फरनगर। व्यापारिक जगत में लेन-देन को लेकर उठे विवाद के बीच शुभम मित्तल ने अपने विरुद्ध लगाए गए आरोपों पर खुलकर पक्ष रखते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। उन्होंने सवाल किया कि जब व्यापारिक विवाद में बिल, बहीखाते, बैंक स्टेटमेंट और अन्य दस्तावेज उपलब्ध हो सकते हैं, तो वास्तविक स्थिति सामने लाने के लिए इनका निष्पक्ष मिलान क्यों न कराया जाए? शुभम मित्तल ने मंडी समिति से संबंधित लगभग 28 लाख रुपये की कथित बकाया राशि, विभिन्न फर्मों के बीच हुए लेन-देन और उनके प्रतिष्ठान पर धमकी दिए जाने से जुड़े आरोपों की जांच को इस प्रकरण के अहम पहलू बताया। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की कि किसी भी पक्ष के दावे को अंतिम सत्य मानने के बजाय सभी तथ्यों की पड़ताल कर वास्तविकता सामने लाई जाए। शुक्रवार को व्यापारी शुभम मित्तल द्वारा मीडिया सेंटर के पत्रकारों के साथ नई मंडी स्थित होटल गोल्डन ईरा में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान शुभम मित्तल ने दि गुड़ खांडसारी ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन के मंत्री



अंकित गर्ग उर्फ निशांक गर्ग तथा अन्य पदाधिकारियों की ओर से लगाए गए आरोपों के संबंध में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि व्यापारिक मामलों में किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा दांव पर लगने से पहले निष्पक्ष जांच जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिवम सिंघल, तपन सिंघल और अन्य लोगों के माध्यम से उन पर अनावश्यक दबाव बनाया जा रहा है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। उनका कहना है कि पूरे प्रकरण को एकतरफा दृष्टिकोण से देखने के बजाय सभी संबंधित पक्षों के बयान और उपलब्ध साक्ष्य सामने रखे जाने चाहिए। व्यापारिक लेन-देन के संबंध में शुभम मित्तल ने संबंधित फर्मों के बिल, खरीद-बिक्री के रिकॉर्ड, बहीखाते, बैंक स्टेटमेंट और भुगतान की रसीदों का मिलान कराने की मांग की। उन्होंने दावा किया है कि दस्तावेजों की जांच से भुगतान, देनदारी और व्यापारिक हिसाब-किताब की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है। उन्होंने कहा कि किसी भी विवाद में केवल आरोपों के आधार पर निष्कर्ष निकालने के बजाय प्रमाणित रिकॉर्ड को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मंडी समिति से संबंधित लगभग 28 लाख रुपये की कथित बकाया राशि को लेकर भी शुभम मित्तल ने आधिकारिक अभिलेखों की जांच कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग के प्रमाणित रिकॉर्ड से यह स्पष्ट होना चाहिए कि बकाया राशि के संबंध में वास्तविक स्थिति क्या है। इस मुद्दे पर किसी भी निष्कर्ष से पहले दस्तावेजों का सत्यापन जरूरी है। शुभम मित्तल ने प्रतिष्ठान पर पहुंचकर धमकी देने और हथियारबंद व्यक्तियों के साथ आने से जुड़े आरोपों को बेबुनियादी और तथ्यहीन बताते हुए जांच की मांग कर उपलब्ध सीसीटीवी फुटेज, गवाहों के बयान और अन्य साक्ष्यों की जांच पड़ताल करने की मांग की। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से पुलिस प्रशासन से पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच करने तथा सभी संबंधित पक्षों को अपना पक्ष रखने का अवसर देने की अपील की। शुभम मित्तल ने कहा कि वह कानून का सम्मान करते हैं और जांच में पूरा सहयोग करने के लिए तैयार हैं। शुभम मित्तल ने कहा है कि व्यापारिक विवादों का समाधान दबाव या आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि पारदर्शिता, संवाद और प्रमाणित तथ्यों से होना चाहिए। उन्होंने दोहराया कि उनका उद्देश्य किसी की छवि खराब करना नहीं, बल्कि अपने पक्ष के तथ्यों को सामने लाना है।

ऑफिस से घर ही तो जा रहे हो, जल्दी किस बात की है? मुजफ्फरनगर यातायात पुलिस का दिल छू लेने वाला संदेश

एसपी ट्रैफिक की अपील—रफ्तार से नहीं, सुरक्षित घर पहुंचने से है मंजिल की अहमियत; एसएसपी सूरज कुमार राय और डीएम उमेश मिश्रा ने भी सड़क सुरक्षा जागरूकता पर दिया जोर

मुजफ्फरनगर। सड़क पर कुछ मिनट बचाने की जल्दबाजी जिंदगी भर का दर्द बन सकती है। घर पर कोई आपका इंतजार कर रहा है, परिवार को आपके लौटने की उम्मीद है और अपनों की खुशियां आपके सुरक्षित पहुंचने से जुड़ी हैं। इसी भावनात्मक संदेश के जरिए मुजफ्फरनगर यातायात पुलिस वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का प्रयास कर रही है। ह्लऑफिस से घर ही तो जा रहे हो, जल्दी किस बात की है?ह्व यह संदेश वाहन चालकों को रफ्तार और जल्दबाजी के बजाय अपनी तथा दूसरों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की याद दिलाता है। पुलिस अधीक्षक यातायात अतुल कुमार चौबे से जोड़कर प्रस्तुत इस संदेश का उद्देश्य लोगों को यह समझाना है कि घर पहुंचने की जल्दी में सड़क पर जोखिम उठाना समझदारी नहीं है। दिनभर काम करने के बाद घर लौटते समय थकान और जल्द घर पहुंचने की इच्छा स्वाभाविक है, लेकिन ऐसे में वाहन चलाते समय अतिरिक्त सावधानी बरतना



जरूरी है। कुछ मिनट पहले पहुंचने की कोशिश में की गई छोटी-सी गलती किसी परिवार की जिंदगी बदल सकती है।

घर पर कोई इंतजार कर रहा है, रफ्तार पर रखें नियंत्रण यातायात पुलिस का यह संदेश केवल नियमों का पालन करने की अपील नहीं, बल्कि परिवार के प्रति जिम्मेदारी का एहसास कराने वाला संदेश भी है। हर व्यक्ति के घर पर कोई न कोई उसके लौटने का इंतजार करता है। ऐसे में वाहन चलाते समय यह याद रखना जरूरी है कि मंजिल तक जल्दी पहुंचने से ज्यादा महत्वपूर्ण सुरक्षित पहुंचना है। तेज रफ्तार, जल्दबाजी, गलत तरीके से ओवरटेक करना और यातायात नियमों की अनदेखी सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है। वाहन चालक यदि कुछ मिनट बचाने के बजाय धैर्य के साथ सफर पूरा करें, तो कई जोखिमों से बचा जा सकता है। यातायात पुलिस की अपील है कि सड़क पर अपनी सुविधा के साथ दूसरों की सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाए। हेलमेट और सीट बेल्ट को न समझें औपचारिकता

सड़क सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। दोपहिया वाहन चलाते समय चालक और पीछे बैठने वाले व्यक्ति को हेलमेट पहनना चाहिए। चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का इस्तेमाल करना चाहिए। निर्धारित गति सीमा के भीतर वाहन चलाने के साथ वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के इस्तेमाल से बचना भी जरूरी है।

इसके अलावा नशे की हालत में वाहन चलाने, गलत दिशा में जाने और असुरक्षित तरीके से वाहन चलाने से बचना चाहिए। सड़क पर दूसरे वाहन चालकों और पैदल चलने वालों की सुरक्षा का ध्यान रखना भी प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। जनपद में सड़क सुरक्षा को लेकर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय और जिलाधिकारी उमेश मिश्रा के स्तर से भी जागरूकता पर जोर दिया गया है। यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करना और जिम्मेदार वाहन संचालन की आदत विकसित करना ऐसे प्रयासों का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। सड़क सुरक्षा केवल यातायात पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक की भूमिका अहम है। नियमों का पालन करने वाला एक चालक न केवल अपनी जिंदगी सुरक्षित रखता है, बल्कि सड़क पर चल रहे दूसरे लोगों की सुरक्षा में भी योगदान देता है। यातायात पुलिस का संदेश लोगों को सोचने पर मजबूर करता है कि आखिर घर पहुंचने की इतनी जल्दी क्यों, जब घर पर अपने ही इंतजार कर रहे हैं। सुरक्षित तरीके से घर पहुंचना ही सफर की असली सफलता है।

खतौली बाईपास पर यात्रियों को उतारना पड़ा महंगा: रोडवेज चालक और परिचालक पर 1-1 हजार का जुमार्ना

एआरएम की कार्रवाई से हड़कंप, स्पष्टीकरण असंतोषजनक मिलने पर पारिश्रमिक से कटौती का आदेश

खतौली (मुजफ्फरनगर)। रात के समय रोडवेज बस में सवार यात्रियों को उनके गंतव्य खतौली डिपो ले जाने के बजाय बाईपास पर ही उतार देने के मामले में उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने सख्त रुख अपनाया है। खतौली डिपो प्रबंधन ने कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में संविदा चालक और परिचालक पर एक-एक हजार रुपये का आर्थिक दंड लगाया है। इसके साथ ही भविष्य में ऐसी गलती दोहराए जाने पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। घटना नौ अक्टूबर 2026 की रात की है। बस संख्या यू पी 78 जी टी 0840 का संचालन खतौली बाईपास के रास्ते किया जा रहा था। बस में कुल



12 यात्री सवार थे, जिन्हें खतौली शहर/डिपो पहुंचना था। आरोप है कि संविदा चालक अनिल और संविदा परिचालक हैदर (हरेंद्र) ने प्रबंधन के स्पष्ट निदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए बस को डिपो के अंदर ले जाने के बजाय यात्रियों को रात के समय खतौली बाईपास पर ही उतार दिया। अंधेरे और सुनसान बाईपास पर उतारे जाने के कारण यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस गंभीर लापरवाही को लेकर समाचार पत्रों में प्रमुखता से खबर प्रकाशित हुई, जिसके बाद परिवहन निगम प्रशासन हरकत में आया। स्पष्टीकरण असंतोषजनक, पारिश्रमिक से कटेगा जुमार्ना मामला उजागर होने पर परिवहन निगम द्वारा संबंधित चालक और परिचालक को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया। दोनों संविदा कर्मियों ने 13 अक्टूबर को अपना लिखित जवाब प्रस्तुत किया, लेकिन डिपो प्रबंधन ने दिए गए तर्कों को असंतोषजनक माना। मामले की समीक्षा के बाद खतौली डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक राकेश कुमार ने दोनों कर्मचारियों की लापरवाही को अक्षम्य मानते हुए उनके पारिश्रमिक (मानदेय) से एक-एक हजार रुपये की कटौती का लिखित आदेश जारी कर दिया। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि भविष्य में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा से खिलवाड़ की ऐसी घटना दोबारा सामने आई, तो संविदा समाप्त करने जैसी कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

मुजफ्फरनगर: भाजपा का 'कमल' छोड़ 'साइकिल' पर सवार हुए राजपाल सैनी: 35 साल के करियर में 7वीं बार बदला पाला

मुजफ्फरनगर के कद्दावर पिछड़ा वर्ग नेता की सपा में हुई वापसी: क्षेत्र के सियासी समीकरणों पर पड़ेगा बड़ा असर

मुजफ्फरनगर। जिले के कद्दावर पिछड़ा वर्ग नेता, सामाजिक न्याय मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सांसद राजपाल सैनी ने एक बार फिर बड़ा सियासी दांव चलते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का साथ छोड़ दिया है। शुक्रवार को उन्होंने औपचारिक रूप से समाजवादी पार्टी (सपा) में वापसी कर ली। अपने 35 साल लंबे राजनीतिक करियर में राजपाल सैनी का यह 7वां दल-बदल है। इससे पहले उन्होंने 2022 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के टिकट पर खतौली सीट से लड़ा था। हालांकि, चुनाव के बाद वे भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर उसमें शामिल हो गए थे। अब एक बार फिर उन्होंने भाजपा का दामन छोड़कर



अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी में घर-वापसी की है। लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा की सियासत से गायब नजर आ रहे पूर्व सांसद राजपाल सैनी शुक्रवार को सपा की सदस्यता ग्रहण की, जिनके साथ उनके भी लखनऊ पहुंचे। सैनी को मीरापुर विधानसभा सीट पर टिकट का दावेदार माना जा रहा है। सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि उन्होंने इससे पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मुलाकात की राजपाल सैनी ने वर्ष 1999 में बसपा के टिकट पर मुजफ्फरनगर लोकसभा सीट से पहला चुनाव लड़ा और तीसरे स्थान पर रहे थे। उन्हें 163721 वोट मिले थे। इसके बाद बसपा के टिकट पर ही वर्ष 2002 में मोरना विधानसभा सीट से 40579 वोट हासिल कर सपा के संजय चौहान को हराकर पहली बार विधानसभा पहुंचे थे। जीत का इनाम उन्हें सरकार में मंत्री बनाकर दिया गया था। मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना क्षेत्र के गांव लुहसाना के मूल निवासी राजपाल सैनी के राजनीतिक सफर की शुरूआत ऊर्जा निगम (हाइडिल विभाग) की नौकरी छोड़ने के बाद हुई थी। 90 के दशक में वे पहली बार जनता दल से जुड़े। इसके बाद वे मुलायम सिंह यादव के करीबी नेताओं में गिने जाने लगे और सपा के जिलाध्यक्ष पद पर रहे। बाद में उन्होंने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का रुख किया, जहाँ बसपा के टिकट पर वे राज्यसभा सांसद बने और प्रदेश सरकार में मंत्री पद भी संभाला। विभिन्न राजनीतिक दलों का सफर तय करने के बाद अब वे पुनः 'साइकिल' पर सवार हो गए हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और मुजफ्फरनगर के स्थानीय राजनीतिक समीकरणों के लिहाज से उनके इस फेरबदल को काफी अहम माना जा रहा है।

संपादकीय

ममता बनर्जी की सुरक्षा में सेंध की कोशिश, उठे सवाल

इस घटना की प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस का कहना है कि आरोपी महिला का ममता बनर्जी पर हमला करने का इरादा नहीं था, बल्कि वह उनसे मिलना चाहती थी। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कोलकाता में उनके आवास के पास एक महिला द्वारा हमले की कोशिश करने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर किसी राजनीतिक दल के प्रमुख नेता पर ही सरेआम हमले का प्रयास किया जाता है, तो आम आदमी खुद को सुरक्षित कैसे महसूस कर पाएगा! पार्टी के ममता समर्थक धड़े का आरोप है कि संबंधित महिला के हाथ में चाकू था।हालांकि इसकी सच्चाई गहन जांच के बाद ही सामने आएगी, लेकिन सवाल है कि आरोपी महिला ममता के सुरक्षा घेरे के इतने करीब कैसे पहुंच गई? इस बात की जांच-पड़ताल भी जरूरी है कि सुरक्षा व्यवस्था में कहां चूक हुई और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए भविष्य में क्या कदम उठाए जा सकते हैं। राज्य में पिछले लंबे समय से राजनीतिक हिंसा की खबरें भी आती रही हैं, लिहाजा पुलिस को हर पहलू से इस घटना की छानबीन करनी चाहिए, ताकि सच सबके सामने आ सके।खबरों के मुताबिक, ममता बनर्जी पर बीते मंगलवार को उस वक्त हमले की कोशिश की गई, जब वह दुर्गा पूजा का उद्घाटन करने जा रही थीं। हालांकि, सुरक्षा कर्मियों और वहां मौजूद पार्टी कार्यकर्ताओं ने आरोपी महिला को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं, इस घटना की प्रारंभिक जांच के बाद पुलिस का कहना है कि आरोपी महिला का ममता बनर्जी पर हमला करने का इरादा नहीं था, बल्कि वह उनसे मिलना चाहती थी। मगर यह सवाल भी महत्त्वपूर्ण है कि क्या किसी प्रमुख नेता की सुरक्षा से जुड़े मामले को महज राजनीतिक आरोप मानकर उसकी गंभीरता को नजरअंदाज किया जा सकता है? कायदे से इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और अगर सुरक्षा में चूक का कोई मामला बनता है, तो उसमें भी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा को लेकर उठ रहे सवालों के बीच इस घटना की संवेदनशीलता को समझना जरूरी है। लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद होना सामान्य बात है, लेकिन जब असहमति हिंसा की दहलीज तक पहुंच जाए, तो खतरा किसी एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता।

इस वर्ष बारिश में गिरावट की वजह से भावी संकट को लेकर बढ़ती फिक्र स्वाभाविक है। मगर फिलहाल चिंता का कारण केवल बारिश नहीं, बल्कि जमीन पर उपलब्ध पानी को संभालने की हमारी घटती क्षमता है। देश के प्रमुख जलाशयों का जलस्तर तेजी से नीचे जाना और दूसरी ओर उन्हीं जलाशयों की भंडारण क्षमता का गाद के कारण लगातार कम होते जाना आने वाले समय के लिए गंभीर संकेत है। सवाल यह नहीं है कि मानसून इस बार कितना अच्छा रहा, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि मानसून से मिलने वाले पानी को हम कितना बचा पाए। गौरतलब है कि केंद्रीय जल आयोग 166 प्रमुख जलाशयों के जलस्तर की नियमित निगरानी करता है। इन जलाशयों की कुल क्षमता 183.565 अरब घन मीटर है। मध्य-मई की स्थिति के अनुसार इनमें करीब 63 बीसीएम पानी ही बचा था। यानी लगभग 34.45 फीसद।

जलाशयों में घटता पानी और बढ़ती गाद, देश के सामने गहराता जल संकट

(बलकार सिंह पूनियां)

देश में 6,628 बड़े बांध हैं। इनमें से 1,681 बांध 50 वर्ष से अधिक पुराने हैं और 291 बांध सौ वर्ष से भी अधिक पुराने हैं। यानी देश के लगभग 26 फीसद बांध आधी सदी से अधिक पुराने हैं।

इस वर्ष बारिश में गिरावट की वजह से भावी संकट को लेकर बढ़ती फिक्र स्वाभाविक है। मगर फिलहाल चिंता का कारण केवल बारिश नहीं, बल्कि जमीन पर उपलब्ध पानी को संभालने की हमारी घटती क्षमता है। देश के प्रमुख जलाशयों का जलस्तर तेजी से नीचे जाना और दूसरी ओर उन्हीं जलाशयों की भंडारण क्षमता का गाद के कारण लगातार कम होते जाना आने वाले समय के लिए गंभीर संकेत है। सवाल यह नहीं है कि मानसून इस बार कितना अच्छा रहा, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि मानसून से मिलने वाले पानी को हम कितना बचा पाए।

गौरतलब है कि केंद्रीय जल आयोग 166 प्रमुख जलाशयों के जलस्तर की नियमित निगरानी करता है। इन जलाशयों की कुल क्षमता 183.565 अरब घन मीटर है। मध्य-मई की स्थिति के अनुसार इनमें करीब 63 बीसीएम पानी ही बचा था। यानी लगभग 34.45 फीसद। इससे स्पष्ट है कि गर्मी के चरम दौर में देश के प्रमुख जलाशयों का लगभग दो-तिहाई भंडारण खाली हो चुका था। कई राज्यों में स्थिति इससे भी अधिक चिंताजनक रही और अनेक बांधों में पानी काफी कम हो गया।

यह स्थिति इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि जलाशय केवल पानी जमा करने की जगह नहीं हैं। उनसे खेतों की सिंचाई होती है, शहरों और गांवों को पेयजल मिलता है तथा बिजली का उत्पादन भी होता है। जलाशयों में पानी कम होने का अर्थ है कि कृषि, पेयजल और ऊर्जा पर एक साथ दबाव बढ़ना। गर्मी के दिनों में पानी की मांग स्वाभाविक रूप से बढ़ती है। अगर मानसून आने में देरी होती है या वर्षा सामान्य से कम या असमान रहती है, तो यह दबाव और अधिक बढ़ सकता है।

देश की जल समस्या का शायद सबसे गंभीर और अपेक्षाकृत कम चर्चित पहलू जलाशयों में लगातार बढ़ती गाद है। केंद्रीय जल आयोग द्वारा तैयार भारत में जलाशयों में गाद जमाव संबंधी संकलन-2024 में 548 जलाशयों के आंकड़ों का अध्ययन किया गया, जिनमें से 439 जलाशयों के आंकड़े विश्लेषण के लिए उपयुक्त पाए गए। एक अध्ययन के अनुसार, गाद जमने के कारण इन जलाशयों की सकल भंडारण क्षमता में औसतन 19.24 फीसद की कमी आ चुकी है। वहीं, जलाशयों की भंडारण क्षमता में प्रत्येक वर्ष औसतन 0.74 फीसद की कमी दर्ज की जा रही है।

यह आंकड़ा भविष्य की भयावह तस्वीर समझने के लिए पर्याप्त है। अगर जलाशय में पानी पहुंचाने वाली नदियां और बरसाती धाराएं अपने साथ मिट्टी एवं तलछट लाती रहें तथा जलाशयों में गाद जमा होती रहे, तो कुछ वर्षों बाद अच्छी बारिश होने पर भी हमारे पास पानी रखने की पर्याप्त क्षमता नहीं होगी। यानी एक तरफ वर्षा की अनिश्चितता और दूसरी तरफ घटती भंडारण क्षमता। यह दोहरी चुनौती है।



यह समस्या पुराने जलाशयों में अधिक गंभीर हो सकती है। नेशनल रजिस्टर ऑफ स्पेसिफाइड डैम्स-2025 के अनुसार देश में 6,628 बड़े बांध हैं। इनमें से 1,681 बांध 50 वर्ष से अधिक पुराने हैं और 291 बांध सौ वर्ष से भी अधिक पुराने हैं। यानी देश के लगभग 26 फीसद बांध आधी सदी से अधिक पुराने हैं। उम्र अपने आप में किसी बांध को असुरक्षित नहीं बनाती, लेकिन समय बीतने के साथ संरचनात्मक रखरखाव, जलाशय की क्षमता, गाद और जलग्रहण क्षेत्र में बदलाव की नियमित समीक्षा जरूरी है।

गाद की समस्या का समाधान केवल जलाशय से गाद निकालने तक सीमित नहीं हो सकता। दरअसल, गाद का बड़ा स्रोत जलग्रहण क्षेत्र में मिट्टी का कटाव है। इसलिए पहाड़ियों और नदी घाटियों में वनों की कटाई, भूमि क्षरण, अवैज्ञानिक खेती, निर्माण गतिविधियों और जलग्रहण क्षेत्रों के कमजोर प्रबंधन को रोकना भी उतना ही आवश्यक है। अगर ऊपर की मिट्टी को बहने से नहीं रोका गया, तो नीचे जलाशयों से गाद निकालने का काम लगातार चलता रहेगा और समस्या कभी खत्म नहीं होगी।

कृषि क्षेत्र में भी दृष्टिकोण बदलना होगा। भारत में पानी का सबसे बड़ा उपयोग कृषि में होता है। ऐसे में कम पानी में अधिक उत्पादन की दिशा में फसल विविधीकरण, सूक्ष्म सिंचाई, 'ड्रिप' और 'स्प्रिंकलर' जैसी तकनीकों का विस्तार जरूरी है। जिस क्षेत्र में पानी सीमित है, वहां अत्यधिक जल मांग वाली फसलों को बढ़ावा जल संकट को बढ़ाएगा।

वर्ष 2025 के दौरान देश में बांधों का मानसून पूर्व और उसके बाद निरीक्षण किया गया। इसमें तीन बांधों को सबसे गंभीर श्रेणी-एक तथा 216 बांधों को श्रेणी-दो में रखा गया। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि बांधों की सुरक्षा को केवल उनके निर्माण के समय ही नहीं, बल्कि उनकी पूरी समयावधि के दौरान प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। नियमित निरीक्षण, समयबद्ध रखरखाव और आवश्यकता अनुसार पुनर्वास से ही बांधों की सुरक्षा और उनकी उपयोगिता लंबे समय तक सुनिश्चित की जा सकती है।

भारत ने बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 और बांध पुनर्वास एवं सुधार परियोजना जैसे कदमों से इस दिशा में संस्थागत व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास किया है। अब जरूरत इस बात की है कि इन व्यवस्थाओं का प्रभाव राज्यों और स्थानीय स्तर पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे। प्रत्येक बड़े बांध के लिए नियमित निरीक्षण, समयबद्ध रखरखाव, आपातकालीन कार्ययोजना, जलाशय की वास्तविक भंडारण क्षमता का आकलन तथा गाद प्रबंधन को अनिवार्य रूप से जल प्रबंधन व्यवस्था का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

दरअसल, जल संकट का स्थायी समाधान केवल अच्छी बारिश नहीं है। मानसून अच्छा हो, तो भी यदि हम पानी को रोक नहीं पाए और जलाशयों की क्षमता घटती रही तथा भूजल का अत्यधिक दोहन जारी रहा, तो अगले कुछ वर्षों में समस्या गंभीर रूप से हमारे सामने खड़ी होगी। दूसरी ओर, अगर मानसून कमजोर रहा, तो मौजूदा जल भंडारण की सीमाएं और स्पष्ट हो जाएंगी। इसलिए मानसून का इंतजार अपनी जगह है, लेकिन जल प्रबंधन को मानसून से अलग एक निरंतर राष्ट्रीय अभियान बनाना होगा। जलाशयों की निगरानी केवल जलस्तर मापने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। वास्तविक भंडारण क्षमता, गाद की मात्रा, जलग्रहण क्षेत्र और भविष्य की जल मांग का भी नियमित आकलन होना चाहिए।

इस समस्या पर सबसे बड़ी जरूरत सोच बदलने की है। पानी को असीमित प्राकृतिक संसाधन मानने के बजाय सीमित और मूल्यवान संपदा समझना होगा। जिस पानी को आज हम व्यर्थ बहने देते हैं, वही कल खेत, गांव, शहर और उद्योग के लिए जीवनरेखा बन सकता है।

देश के पास बांधों का विशाल नेटवर्क है। इसकी संग्रहण क्षमता 253.95 अरब घन मीटर है। यह क्षमता हमारी बड़ी ताकत है, लेकिन इसकी उपयोगिता तभी कायम रहेगी, जब हम जलाशयों की उम्र, गाद और घटती क्षमता को गंभीरता से लें। आज जरूरत नए जलाशय गिनने से अधिक मौजूदा जलाशयों की बची हुई क्षमता बचाने की है।

जल सुरक्षा केवल बारिश से नहीं आएगी। इसके लिए जलग्रहण क्षेत्रों का संरक्षण, गाद नियंत्रण, पुराने बांधों का पुनर्वास, वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण और पानी के विवेकपूर्ण उपयोग को एक साझा राष्ट्रीय कार्यक्रम बनाना होगा। आखिरकार सवाल यह नहीं है कि आसमान से कितना पानी बरसेगा। सवाल यह है कि धरती पर गिरने वाली हर बूंद में से हम कितनी बूंदें आने वाली पीढ़ियों के लिए सहेज पाएंगे।

फीबीज कल्चर या सामाजिक सुरक्षा? जानिए भारत के विकास और चुनावी वादों की असल चुनौती

(सुधीर कुमार)

भारत में असली चुनौती लोक कल्याण और राजकोषीय विवेक में संतुलन की है। मुफ्त चुनावी वादों के बजाय शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार में दीर्घकालिक निवेश ही वास्तविक नागरिक सशक्तीकरण और टिकाऊ विकास है।

देश के विकास में एक बड़ी चुनौती लोक कल्याण और राजकोषीय विवेक के बीच संतुलन बनाने की है। एक ओर आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सहायता जैसी व्यवस्थाएं हैं, तो दूसरी ओर चुनावों में तत्काल लाभ वाले वादे भी सामने आते हैं। ऐसे में यह तय करना जरूरी है कि लोक कल्याण कहां तक सामाजिक अधिकार है और किस बिंदु पर वह राजकोषीय विवेक की परीक्षा बन जाता है। भारतीय संविधान कल्याणकारी राज्य की दिशा स्पष्ट करता है।

प्रस्तावना सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय का संकल्प रखती है। साथ ही ऐसी सामाजिक व्यवस्था बनाने का मार्ग प्रशस्त किया गया है, जिसमें लोक कल्याण बढ़े और आय, सुविधाओं तथा अवसरों की असमानता न रहे। इसके अलावा आजीविका, संसाधनों के व्यापक हित में वितरण और आर्थिक व्यवस्था में धन के अत्यधिक संकेंद्रण को रोकने जैसे उद्देश्यों का उल्लेख भी किया गया है।

ये प्रावधान न्यायालय में सीधे प्रवर्तनीय नहीं हैं और संविधान इन्हें शासन में मूलभूत मानता है। इसलिए सामाजिक सुरक्षा को महज राजनीतिक दान समझना संविधान की कल्याणकारी दृष्टि को संकुचित करने जैसा होगा। इसी संदर्भ में जीवन के अधिकार को भी केवल शारीरिक अस्तित्व तक सीमित नहीं माना गया है। संविधान जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करता है और छह से चौदह वर्ष के बच्चों के लिए निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान करता है। सर्वोच्च न्यायालय ने भी एक महत्त्वपूर्ण फैसले में गरिमापूर्ण जीवन को भोजन, वस्त्र, आवास जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से जोड़ा था। ऐसे में गरीब नागरिकों को न्यूनतम गरिमा के साथ जीवन जीने में सक्षम बनाने वाली सार्वजनिक व्यवस्था को सामान्य चुनावी 'मुफ्त सौगात' मानना उचित नहीं होगा। यहीं से सामाजिक सुरक्षा और मुफ्त सौगात के बीच जरूरी भेद उभरता है। अच्छी सामाजिक नीति वह है, जो व्यक्ति की क्षमता बढ़ाती है, जोखिम कम करती है और उसे भविष्य में अधिक आत्मनिर्भर बनने का अवसर देती है।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्राथमिक स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छ पेयजल, रोजगार गारंटी और गरीबों के लिए लक्षित सहायता सार्वजनिक निवेश हैं। इनका लाभ पूरे समाज और अर्थव्यवस्था को मिलता है। इसके विपरीत ऐसी योजनाओं पर सवाल उठना स्वाभाविक है, जिनमें लाभ का संबंध किसी स्पष्ट सामाजिक लक्ष्य, आवश्यकता या दीर्घकालिक क्षमता निर्माण से नहीं है। मगर किसी वस्तु या सेवा का मुफ्त होना अपने आप में उसे लोकलुभावन या अनुत्पादक नहीं बना देता।

मुफ्त बिजली की सीमित सहायता, छात्र को डिजिटल उपकरण, किसान को सिंचाई सहायता या महिला को परिवहन में रियायत के प्रभाव अलग-अलग हो सकते हैं। उनका मूल्यांकन पात्रता, लागत और परिणामों के आधार पर होना चाहिए। महत्त्वपूर्ण है कि खर्च का उद्देश्य क्या है और उससे सार्वजनिक हित कितना हासिल होता है।

चुनावी घोषणापत्रों को लेकर कानून और न्यायपालिका का रुख भी यही जटिलता दिखाता है। वर्ष 2013 में एक मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि चुनावी घोषणापत्र के वादों को जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 123 के तहत भ्रष्ट आचरण नहीं माना जा सकता। साथ ही अदालत ने निर्वाचन आयोग को राजनीतिक दलों से परामर्श कर घोषणापत्रों के लिए दिशा-निर्देश बनाने को कहा था।

निर्वाचन आयोग के वर्तमान दिशा-निर्देश कल्याणकारी योजनाओं के वादों पर आपत्ति नहीं करते, लेकिन राजनीतिक दलों से अपेक्षा करते हैं कि वे ऐसे वादों से बचें, जो चुनाव प्रक्रिया की शुचिता या मतदाताओं के स्वतंत्र निर्णय को प्रभावित करें। मुफ्त सौगातों को लेकर वर्ष 2022 में सर्वोच्च न्यायालय के सामने उठी बहस ने इस प्रश्न को फिर राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया। मुद्दा केवल यह नहीं था कि कोई योजना मुफ्त है या नहीं, बल्कि यह था कि ऐसी घोषणाओं के वित्तीय प्रभाव, राजकोषीय स्थिरता और चुनावी समानता का आकलन कैसे हो। जोखिम तब है, जब ऐसी प्रतिबद्धताएं जताई जाएं, जिनके स्थायी राजस्व स्रोत न हों और जिनका भार शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे या रोजगार सृजन पर पड़े। हर सबसिडी को आर्थिक अपव्यय कहना भी उचित नहीं। कृषि, खाद्य, ऊर्जा या परिवहन में लक्षित सहायता सामाजिक स्थिरता और आर्थिक अवसरों का साधन बन सकती है। इसलिए सवाल 'सबसिडी बनाम विकास' का नहीं, बल्कि बेहतर प्राथमिकताओं, लक्षित लाभ और टिकाऊ वित्त का है। दुनिया के कुछ अनुभव इस बहस को उपयोगी संदर्भ देते हैं। ब्राजील का बोल्सा फमीलिया नकद सहायता को शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी शर्तों से जोड़ने वाला प्रमुख उदाहरण रहा है।

भारत के पास वैज्ञानिक प्रतिभाएं भरपूर, फिर भी क्यों नहीं हो पा रहीं बड़ी खोज?

वैज्ञानिक प्रतिभाओं की इतनी बड़ी संख्या होने के बावजूद भारत को नोबेल पुरस्कार ना के बराबर क्यों मिलते हैं? लेकिन शायद इससे भी ज्यादा जरूरी सवाल यह है कि दुनिया में बड़े वैज्ञानिक बदलाव लाने वाले देश ऐसा क्या अलग कर रहे हैं? और हमारे वैज्ञानिकों के रास्ते में कौन-सी बाधाएं हैं?इसका जवाब सिर्फ पैसा नहीं है, हालांकि पैसे की अहमियत जरूर है। अमेरिका अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 3.4 फीसदी हिस्सा शोध और विकास पर खर्च करता है। जर्मनी 3 फीसदी से ज्यादा, जापान 3.5 फीसदी से अधिक और दक्षिण कोरिया 5 फीसदी से ज्यादा खर्च करता है।

(कामिनी वालिया)

चीन का उदाहरण अहम है। शोध और विकास पर उसका निवेश बढ़ा है और इसके साथ ही वह दुनिया में सस्ती तकनीक का एक बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है। हर साल अक्टूबर में नोबेल पुरस्कारों की घोषणा होते ही भारत में एक सवाल फिर उठने लगता है। वैज्ञानिक प्रतिभाओं की इतनी बड़ी संख्या होने के बावजूद भारत को नोबेल पुरस्कार ना के बराबर क्यों मिलते हैं? लेकिन शायद इससे भी ज्यादा जरूरी सवाल यह है कि दुनिया में बड़े वैज्ञानिक बदलाव लाने वाले देश ऐसा क्या अलग कर रहे हैं? और हमारे वैज्ञानिकों के रास्ते में कौन-सी बाधाएं हैं?इसका जवाब सिर्फ पैसा नहीं है, हालांकि पैसे की अहमियत जरूर है। अमेरिका अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब 3.4 फीसदी हिस्सा शोध और विकास पर खर्च करता है। जर्मनी 3 फीसदी से ज्यादा, जापान 3.5 फीसदी से अधिक और दक्षिण कोरिया 5 फीसदी से ज्यादा खर्च करता है। चीन भी इस मद में जीडीपी का करीब 2.7 फीसदी खर्च करने के करीब पहुंच रहा है। इसके मुकाबले भारत में शोध और विकास पर कुल खर्च जीडीपी का महज 0.64 फीसदी है।

लेकिन इससे भी ज्यादा अहम बात यह है कि शोध के लिए पैसा कौन देता है। भारत में शोध और विकास पर होने वाले कुल खर्च का करीब 40 फीसदी हिस्सा उद्योग जगत से आता है। अमेरिका और चीन में यह हिस्सेदारी करीब तीन-चौथाई है। यानी भारत में शोध का दायरा भी छोटा है और इसमें निजी क्षेत्र की भागीदारी भी कम है।

इसके साथ ही वैज्ञानिकों पर लगातार दबाव बढ़ रहा है कि वे नई तकनीकें विकसित करें, उत्पाद बनाएं, शोध को कारोबार में बदलें और समस्याओं का समाधान निकालें। देश की जरूरतों के लिहाज से ये लक्ष्य जरूरी हैं, लेकिन तकनीक कोई ऐसी चीज नहीं है, जिसे मांग के मुताबिक तुरंत तैयार कर दिया जाए। हम शोध के आखिरी चरणों पर ज्यादा जोर दे रहे हैं, जबकि शुरुआत में होने वाले बुनियादी शोध में जरूरत के मुताबिक निवेश नहीं कर रहे हैं।



बुनियादी विज्ञान पर ध्यान देने की जरूरत: मिसाल के तौर पर, बीमारी की जांच करने वाला कोई उपकरण विकसित करने से पहले कई साल तक उस बीमारी की प्रकृति, रोगाणु के व्यवहार, शरीर की प्रतिक्रिया, जैविक संकेतकों और अन्य प्रक्रियाओं पर काम करना पड़ सकता है। तभी जाकर कोई उत्पाद तैयार करना संभव होता है। बुनियादी विज्ञान वह आधार है, जहां से नए विचार और आविष्कार जन्म लेते हैं। भारत को अपनी शोध व्यवस्था में बदलाव की शुरुआत यहीं से करनी होगी।

सबसे पहले, सरकार और शोध से जुड़ी एजेंसियों को बुनियादी विज्ञान के लिए अलग से धन की व्यवस्था करनी चाहिए। प्रतिस्पर्धा के आधार पर मिलने वाली शोध राशि का एक तय हिस्सा ऐसे शोध के लिए रखा जाना चाहिए, जिनके सवाल वैज्ञानिक खुद चुनें और जिनका मकसद अपनी जिज्ञासा के आधार पर नई खोज करना हो। ऐसे हर शोध से पेटेंट, उत्पाद या तकनीक तैयार करने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

दूसरा, शोध के लिए मिलने वाली राशि को तीन स्पष्ट हिस्सों में बांटना चाहिए–नई खोज, खोज को उपयोगी तकनीक में बदलना और उसका व्यावहारिक इस्तेमाल। इन तीनों के लिए अलग-अलग समय-सीमा और सफलता के मानक तय होने चाहिए।

तीसरा, भारत को ऐसे शोध के लिए लंबे समय तक आर्थिक मदद देनी चाहिए। वैज्ञानिक काम की सख्त समीक्षा जरूर हो, लेकिन प्रशासनिक दखल और छोटी-छोटी बातों पर निगरानी कम होनी चाहिए।

चौथा, देश में शोध की साझा सुविधाओं का राष्ट्रीय ढांचा तैयार करना जरूरी है। जीनोम, प्रोटीन, उन्नत इमेजिंग, जैविक नमूनों के भंडार, संरचनात्मक जीवविज्ञान, एआई और कंप्यूटिंग जैसी सुविधाएं अलग-अलग संस्थानों के वैज्ञानिकों को आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए।

इसके अलावा, हमें शोध को देखने और वैज्ञानिकों के काम का आकलन करने का तरीका भी बदलना होगा। शोध पत्रों की संख्या, पत्रिकाओं का प्रभाव, पेटेंट और शोध के लिए मिली राशि का कितना इस्तेमाल हुआ, इन सबके आंकड़े जुटाना आसान है। लेकिन इनसे यह पता नहीं चलता कि वैज्ञानिक ने कोई महत्वपूर्ण नई खोज की है या नहीं। वैज्ञानिकों के काम का आकलन करते समय उनकी मौलिकता, शोध के नतीजों को दोबारा हासिल कर पाने की क्षमता, उनके उठाए सवालों की अहमियत और नए ज्ञान के निर्माण को महत्व देना चाहिए।

इसके साथ ही उपयोगी आंकड़े, शोध मंच और तकनीक विकसित करने के काम तथा विज्ञान या स्वास्थ्य नीति पर शोध के असर को भी मान्यता मिलनी चाहिए। इसके लिए शोध की पूरी प्रक्रिया को सही ढंग से तैयार करना होगा।

चीन से सबक: चीन का उदाहरण इस मामले में अहम सबक देता है। शोध और विकास पर उसका निवेश बढ़ा है और इसके साथ ही वह दुनिया में सस्ती तकनीक का एक बड़ा आपूर्तिकर्ता बन गया है। 2024 में दुनिया के करीब 80 फीसदी सौर ऊर्जा पैनल मॉड्यूल और बैटरी सेल चीन में बने। वहीं, 2025 में दुनिया में बनने वाली इलेक्ट्रिक कारों में चीन की हिस्सेदारी करीब 70 फीसदी तक पहुंच गई। इससे यह सबक मिलता है कि नई खोजों को इंजीनियरिंग, विनिर्माण और बाजार से जोड़ना कितना जरूरी है। भारत के पास एक बड़ी प्राकृतिक ताकत है। यहां की विशाल और विविध आबादी वैज्ञानिक शोध के लिए व्यापक अवसर देती है। इसलिए हमें ऐसी व्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए, जो युवा वैज्ञानिकों को किसी नए और लीक से हटकर सवाल पर 10 या 15 साल तक काम करने का मौका दे। वे असफल हों, अपनी दिशा बदलें और फिर से कोशिश करें, लेकिन तुरंत कोई उत्पाद तैयार न कर पाने के लिए उन्हें नुकसान न उठाना पड़े।

प्रदूषण विभाग के कार्यालय का क्रांतिसेना कार्यकर्ताओं ने किया घेराव, फैक्ट्रियों पर गंभीर आरोप

पेपर मिलों में कूड़ा-कचरा और मृत पशुओं की गंदगी जलाने का आरोप, क्षेत्रीय अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मुजफ्फरनगर। जनपद में बढ़ते वायु एवं जल प्रदूषण के मुद्दे को लेकर शुक्रवार को क्रांतिसेना के कार्यकर्ताओं ने मंडल अध्यक्ष शरद कपूर और क्रांतिसेना नेता उज्ज्वल पंडित के नेतृत्व में नई मंडी स्थित प्रदूषण नियंत्रण विभाग के कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पेपर मिलों, टायर जलाकर काला तेल बनाने वाले कथित अवैध कारखानों तथा कुछ औद्योगिक इकाइयों पर गंभीर आरोप लगाते हुए प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्रवाई की मांग की।



क्रांतिसेना कार्यकर्ताओं का आरोप है कि प्रदूषण विभाग के कथित संरक्षण में पेपर मिलों में बाहरी राज्यों से लाया गया कूड़ा-कचरा और मृत पशुओं से संबंधित गंदगी जलाकर वातावरण को प्रदूषित किया जा रहा है। इससे आसपास के गांवों में रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कार्यकर्ताओं ने दावा किया कि मिलों की चिमनियों से निकलने वाले धुएं के कारण ग्रामीणों के घरों की छतों पर सूखने वाले कपड़े तक काले पड़ रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि प्रदूषण के कारण क्षेत्र के अनेक लोग गंभीर बीमारियों से प्रभावित हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने भोपा रोड और जानसठ रोड क्षेत्र में संचालित कुछ फैक्ट्रियों पर कूड़ा-कचरा एवं गंदगी जलाने का आरोप लगाया। इसके अलावा बेगराजपुर स्थित मैगमा रवि ऑर्गेनिक्स और चक्रधर स्टील कंपनियों के कारण भूजल एवं पेयजल प्रदूषित होने की आशंका भी जताई। कार्यकर्ताओं ने टायर जलाकर काला तेल निकालने वाले कथित अवैध कारखानों पर भी कार्रवाई की मांग उठाई। क्रांतिसेना नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदूषण रोकने के लिए बनाए गए नियमों का प्रभावी ढंग से पालन नहीं कराया जा रहा है। उनका कहना था कि कुछ फैक्ट्रियों के खिलाफ सीलिंग जैसी कार्रवाई होने के बावजूद वे कथित तौर पर कुछ समय बाद दोबारा संचालन शुरू कर देती हैं। उन्होंने विभागीय कार्रवाई की निष्पक्षता और निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने प्रदूषण नियंत्रण कार्यालय में मौजूद रीजनल ऑफिसर हितेश चंद्रा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि भोपा रोड और जानसठ रोड क्षेत्र में कूड़ा-कचरा एवं गंदगी जलाने के आरोपों की जांच कराई जाए। साथ ही बेगराजपुर क्षेत्र में जल प्रदूषण की शिकायतों की जांच, टायर जलाकर तेल निकालने वाले कथित अवैध कारखानों के विरुद्ध कार्रवाई तथा नियमों का उल्लंघन करने वाली औद्योगिक इकाइयों की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए।

इंदिरापुरम की शिप्रा कृष्णा विस्टा सोसाइटी में कुत्ते के हमले से महिला घायल, भाजपा की स्थानीय नेता पर आरोप

बच्चे को कुत्ते के काटने की घटना के करीब दो घंटे बाद महिला पर झपटने का आरोप, घायल की मदद के लिए आई दूसरी महिला से भी अभद्र व्यवहार का दावा; वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल।

गाजियाबाद। इंदिरापुरम स्थित शिप्रा कृष्णा विस्टा सोसाइटी में पालतू कुत्ते से जुड़ी दो घटनाओं के बाद निवासियों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठे हैं। आरोप है कि सोसाइटी निवासी और स्थानीय स्तर पर भाजपा नेता प्रिया बिष्ट अपने बेटे के साथ अपने पालतू कुत्ते को बिना पट्टे (लीश) के घुमा रही थीं। इसी दौरान कुत्ता एक महिला की ओर दौड़ा और उन पर झपट पड़ा। अचानक हुए घटनाक्रम में महिला घबराकर जमीन पर गिर गईं, जिससे उनकी कमर और पैरों में चोटें आईं। सोसाइटी निवासी निवेदिता तिवारी के मुताबिक, इसी दिन इससे करीब दो घंटे पहले एक छोटे बच्चे को भी कुत्ते ने काट लिया था। इसके बाद महिला के साथ हुई घटना ने सोसाइटी में बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।



घायल महिला की मदद के दौरान भी विवाद का आरोप

निवेदिता तिवारी ने बताया कि महिला के जमीन पर गिरने के बाद प्रिया बिष्ट के बेटे ने उनसे बार-बार पूछा कि कुत्ते ने कहां काटा है। इसी दौरान सोसाइटी की एक अन्य महिला घायल की मदद के लिए आगे आईं और घटनाक्रम का वीडियो बनाने का प्रयास किया। आरोप है कि वीडियो बनाने के दौरान प्रिया बिष्ट के बेटे ने उनका हाथ पकड़कर झटक दिया। और खुद प्रिया बिष्ट ने मोबाइल पर झपट्टा मारा। स्थिति को संभालने और घायल महिला की सहायता के लिए सिक्योरिटी गार्ड को भी बुलाया गया। निवेदिता तिवारी का कहना है कि वह इस घटना की प्रत्यक्षदर्शी हैं। उन्होंने सोसाइटी की अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन (एओए) से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और तथ्यों के आधार पर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

पालतू कुत्तों को पट्टे से घुमाने की अपील

निवेदिता ने सोसाइटी के सभी निवासियों से अपील की है कि वे अपने पालतू कुत्तों को बिना पट्टे के न घुमाएं और सार्वजनिक स्थानों पर दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखें। उनका कहना है कि सोसाइटी में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग नियमित रूप से टहलते हैं। ऐसे में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पालतू जानवरों को नियंत्रित रखना जरूरी है।

गौरतलब है कि शिप्रा कृष्णा विस्टा गाजियाबाद की पहली ऐसी सोसायटी है जो स्ट्रीट डॉग फ्री सोसायटी है। लेकिन सोसायटी के कुछ रेजिडेंट्स के पालतू डॉग्स को लेकर यहाँ अक्सर विवाद होते रहते है।

मुजफ्फरनगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा का स्नातक मतदाताओं से जनसंपर्क अभियान

दिनेश कुमार गोयल और श्रीचंद शर्मा के समर्थन में मतदान की अपील

मुजफ्फरनगर। विधानसभा क्षेत्र मुजफ्फरनगर-14 में भाजपा के एमएलसी स्नातक प्रत्याशी दिनेश कुमार गोयल के समर्थन में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने स्नातक मतदाताओं से संपर्क कर आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले मतदान में भाग लेने की अपील की। इस दौरान मतदाताओं को मतदान का समय सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक होने की जानकारी भी दी गई।



जनसंपर्क अभियान के दौरान केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार की विभिन्न नीतियों एवं योजनाओं की जानकारी मतदाताओं को दी गई। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं स्नातक चुनाव के जिला संयोजक मोहन तायल ने मतदाताओं से संवाद करते हुए एमएलसी स्नातक चुनाव में भाजपा प्रत्याशी दिनेश कुमार गोयल तथा एमएलसी शिक्षक चुनाव में भाजपा प्रत्याशी श्रीचंद शर्मा के समर्थन में 23 अक्टूबर को मतदान करने की अपील की।

इस अवसर पर विधानसभा संयोजक संजय मित्तल, मंडल संयोजक कमलकांत शर्मा, मंडल महामंत्री हरीश गुप्ता, सभासद अमित पटपतिया, शक्ति केंद्र संयोजक संजीव अरोड़ा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अभियान के माध्यम से स्नातक मतदाताओं से संपर्क कर चुनाव में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

गुरु वंदन- छात्र अभिनंदन समारोह का भव्य आयोजन

मुजफ्फरनगर। भारत विकास परिषद् संकल्प शाखा ने मेधावी छात्राओं एवं समर्पित शिक्षकों को किया सम्मानित

गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूं पाँय।
बलिहारी गुरु आपनो, गोविन्द दियो बताय॥ गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान एवं कृतज्ञता के भाव को समर्पित गुरु वंदनझ्ल छात्र अभिनंदन समारोह का पंचम आयोजन भागवन्ती सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, नई मंडी, मुजफ्फरनगर में भारत विकास परिषद् की ह्यसंकल्पह्ल शाखा द्वारा गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा, संस्कार, खेलकूद एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियाँ प्राप्त करने वाली मेधावी छात्राओं तथा शिक्षा जगत में समर्पित योगदान देने वाले गुरुजनों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर जगदीश पालीवाल, क्षेत्रीय गतिविधि संयोजक–पर्यावरण ने अपने उद्बोधन में गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु ही विद्यार्थियों के जीवन को ज्ञान, संस्कार और सही दिशा प्रदान करते हैं। समारोह में विद्यालय के प्रबंधक शोभित सिंह का गरिमामय सानिध्य प्राप्त हुआ। वहीं, विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. वंदना शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम ने गुरुजनों के प्रति सम्मान एवं विद्यार्थियों की उपलब्धियों के प्रति गौरव की भावना को और सुदृढ़ किया। इस अवसर पर शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। कक्षा 10 की छात्राएँ भव्या गर्ग (90.16%), भव्या (92.66%) एवं प्रियांशी (90%) तथा कक्षा 11 की छात्राएँ दिव्यांशी यादव (91.41%) एवं आरोही वर्मा (90.16%) को उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मान प्रदान किया गया।



खेलकूद के क्षेत्र में विद्यालय का गौरव बढ़ाने वाली छात्राओं-लक्षी को विद्या भारती अखिल भारतीय कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त करने तथा ऑशिका को विद्या भारती अखिल भारतीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। इन उपलब्धियों ने यह सिद्ध किया कि निरंतर परिश्रम, अनुशासन एवं दृढ़ संकल्प से सफलता के नए आयाम स्थापित किए जा सकते हैं।

विद्यालय के प्रति समर्पण, निष्ठा एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए शिक्षक आकाश, अनु शुक्ला शिक्षिकाएँ श्रीमती शिल्पा एवं श्रीमती अर्चना त्यागी तथा विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. वंदना शर्मा को भारत विकास परिषद् ह्यसंकल्पह्ल शाखा की ओर से पीत अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

समारोह के दौरान उपस्थित छात्राओं ने सम्मानित प्रतिभाओं से प्रेरणा प्राप्त की तथा अपने जीवन में उत्कृष्टता, अनुशासन, संस्कार एवं राष्ट्रसेवा के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि गुरुजनों का सम्मान और विद्यार्थियों की प्रतिभा का प्रोत्साहन ही एक सशक्त, संस्कारित एवं उज्ज्वल समाज की आधारशिला है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय प्रबंधन, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं भारत विकास परिषद् परिवार का सराहनीय सहयोग रहा। परिषद् की ओर से विष्णु स्वरूप अग्रवाल, अभिषेक जैन, अवनीश गोयल, अरुण राजवंशी, कुलदीप गुप्ता एवं प्रीति गोयल का विशेष योगदान रहा।

अंत में राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा, गुरुजनों के लिए सम्मान तथा विद्यालय परिवार के लिए गौरव का अविस्मरणीय अवसर बना।

खतौली में छात्राओं को यातायात नियम और महिला सुरक्षा की दी सीख: वाहनों पर लगे रिफ्लेक्टिव टेप

चौधरी हरबंस सिंह कन्या डिग्री कॉलेज में मिशन शक्ति फेज-6 के तहत चला जागरूकता अभियान

खतौली (मुजफ्फरनगर)। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति फेज-6' अभियान के अंतर्गत चौधरी हरबंस सिंह कन्या डिग्री कॉलेज में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं और आम नागरिकों को यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा तथा सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा व अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा। दुर्घटनाएं रोकने के लिए वाहनों पर लगाए गए रिफ्लेक्टिव टेप जागरूकता अभियान के तहत कॉलेज परिसर एवं आसपास खड़े वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप (परावर्तक पट्टी) चिपकाए गए। उपस्थित अधिकारियों व प्राध्यापकों ने छात्राओं को बताया कि कोहरे और रात के अंधेरे में सड़क किनारे खड़े या चल रहे वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगे होने से वे दूर से ही स्पष्ट दिखाई देने लगते हैं। इससे विशेष रूप से रात्रि के समय होने वाली भीषण सड़क दुर्घटनाओं की आशंका काफी हद तक कम हो जाती है। अभियान के दौरान छात्राओं को सड़क पर चलते समय सावधानी बरतने, दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने तथा चार पहिया वाहनों में यात्रा करते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही आपातकालीन स्थिति में महिला सुरक्षा हेतु जारी हेल्पलाइन नंबरों और त्वरित सहायता तंत्र की जानकारी भी साझा की गई। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने इस बात पर विशेष बल दिया कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और महिलाओं के लिए भयमुक्त व सुरक्षित वातावरण तैयार करने में केवल शासन-प्रशासन ही नहीं, बल्कि हर नागरिक की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सारिका शर्मा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यातायात नियमों का निष्ठापूर्वक पालन करना हर ज़िम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है। अज्ञानता और लापरवाही के कारण होने वाले हादसों को रोकने के लिए इस प्रकार के जन-जागरूकता अभियान अत्यंत कारगर साबित होते हैं।



माउंट लिट्रा जी स्कूल के गूँज दान अभियान का सफल समापन

मुजफ्फरनगर। माउंट लिट्रा जी स्कूल, लिंक रोड, मुजफ्फरनगर में गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर से प्रारंभ हुए गूँज दान अभियान का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस अभियान के अंतर्गत एकत्रित पुराने एवं उपयोगी सामान को दिल्ली स्थित गूँज मुख्यालय भेज दिया गया, ताकि इन वस्तुओं का सदुपयोग जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए किया जा सके।

इस अभियान में विद्यालय के अभिभावकों एवं शहरवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और सेवा, सहयोग तथा संवेदनशीलता का प्रेरणादायी परिचय दिया। सभी के सामूहिक प्रयासों से यह पहल सामाजिक उत्तरदायित्व और परोपकार की भावना का उत्कृष्ट उदाहरण बनी। विद्यालय निर्देशिका श्रीमती चारु भारद्वाज एवं प्रधानाचार्य डॉ. के. जी. अरोड़ा ने इस पुनीत कार्य के लिए सभी को प्रेरित किया तथा अभियान के महत्व और सामाजिक उपयोगिता से अवगत कराया। विद्यालय प्रबंधन ने इस नेक कार्य को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी अभिभावकों एवं नगरवासियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। गूँज दान अभियान ने यह संदेश दिया कि दूसरों के जीवन में खुशियाँ बाँटने के लिए की गई छोटी-सी पहल भी समाज में बड़ा सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है।



रामपुरी में घर के बाहर खड़े ई-रिक्शा को बनाया निशाना, रातोंरात चोरी कर ले गए दोनों बैटरियां

सुबह रिक्शा चेक करने पहुंचा चालक तो गायब मिलीं नीले रंग की ईस्टमैन कंपनी की बैटरियां, पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली नगर में मुकदमा दर्ज

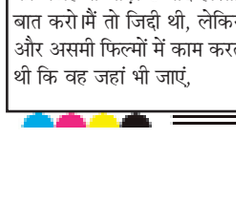
मुजफ्फरनगर। शहर के रामपुरी मोहल्ले में घर के बाहर खड़े ई-रिक्शा से अज्ञात चोरों ने दोनों बैटरियां चोरी कर लीं। सुबह ई-रिक्शा चेक करने पहुंचे चालक को बैटरियां गायब मिलीं तो उसके होश उड़ गए। पीड़ित ने आसपास जानकारी करने के बाद पुलिस से शिकायत की। मामले में कोतवाली नगर पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रामपुरी में नए पीर के पास रहने वाले सोनित पुत्र सतपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका ई-रिक्शा संख्या यूपी 12 बीटी 7984 घर के सामने खड़ा रहता है। उसने यह ई-रिक्शा मुजफ्फरनगर के आर्यपुरी निवासी संजय पुत्र रामस्वरूप से खरीदा था। सोनित के मुताबिक, 15 अक्टूबर 2026 की सुबह जब वह अपने ई-रिक्शा के पास पहुंचा और उसे चेक किया तो उसकी पिछली दोनों बैटरियां गायब मिलीं। उसने आरोप लगाया कि अज्ञात चोर रात के समय ई-रिक्शा से बैटरियां निकालकर ले गए। ईस्टमैन कंपनी की नीले रंग की थीं बैटरियां पीड़ित ने पुलिस को बताया कि चोरी हुई दोनों बैटरियां नीले रंग की ईस्टमैन कंपनी की थीं। ई-रिक्शा की बैटरियां चोरी होने से उसे आर्थिक नुकसान हुआ है। सोनित ने अज्ञात चोरों का पता लगाकर बैटरियां बरामद कराने और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज

सोनित ने 15 अक्टूबर को थाना कोतवाली नगर में प्रार्थना पत्र देकर घटना की रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। अब पुलिस मामले की जांच कर रही है और अज्ञात चोरों का पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

रंग संसार

'अभिनेत्रियों को हक के लिए लड़ना पड़ता है...' प्लाबिता बोरठाकुर ने फिल्मों में हो रहे भेदभाव पर तोड़ी चुप्पी



मुंबई। हमेशा अपने हिस्से की चीजों को मांगकर लेना पड़ता है। यह कहना है अभिनेत्री प्लाबिता बोरठाकुर का जिनकी फिल्म 'दूसरा' 23 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें वह ऐसी लड़की के रोल में, जो अपने घर में भेदभाव का शिकार है। उस दौरान टीवी पर चल रहे क्रिकेट मैच में क्रिकेटर सौरव गांगुली का सफर उसे हिम्मत देता है। प्लाबिता कहती हैं कि जब मेरे पास इसकी कहानी आई थी, तब मैं समझ नहीं पा रही थी कि कैसे बनेगी, कहानी पेपर पर वाकई बहुत अलग थी। जहां तक असमानता और भेदभाव की बात फिल्म में दिखाई गई है, तो वास्तविक जीवन में मैंने अपने घर पर तो नहीं, लेकिन इंडस्ट्री में महसूस किया है। मैं पहले बहुत सारे विज्ञापन करती थी, उसमें लड़कों को लड़कियों से ज्यादा पैसे मिलते थे। प्लाबिता ने कहा फिल्म इंडस्ट्री में हीरो-हीरोइन की असमानता पर कहा, 'फिल्मों में तो इससे ज्यादा होता है। अभिनेत्रियों से उम्मीद की जाती है कि वो ज्यादा एडजस्ट करें। जैसे दो लोग अगर साथ काम कर रहे हैं, तो अभिनेता को बेहतर वैनिटी मिलेगी, उसे एक्स्ट्रा बजट मिलेगा। अभिनेत्रियों को भी मिलता है, लेकिन अगर अभिनेता जितना चाहिए, तो मांग कर लेना पड़ता है। हमें अपने मैनेजर को भेजना पड़ता है कि वह जाकर कहे, हमें चीजों के लिए लड़ना पड़ता है। मैं नारीवादी विचारधारा की हूं और मानती हूं कि समानता फीस के मामले में होनी चाहिए, लेकिन फिर वह समानता घर में भी होनी चाहिए, जहां केवल पुरुष ही प्रदान करने वाला न हो। घर पर मेरे माता-पिता ने मुझे और मेरी बहनों की बहुत आजादी दी है। ऐसे में मुझे कभी उनसे झूठ बोलने की जरुरत नहीं पड़ी थी। लड़की होने की वजह से थोड़ी उम्मीदें हालांकि वहां पर थी कि शांति से बात करो।मैं तो जिद्दी थी, लेकिन मेरी बड़ी बहन, जो मुंबई और असमी फिल्मों में काम करती हैं, उनसे उम्मीद थी जाती थी कि वह जहां भी जाएं,

राजकाज

नवंबर में महंगा हो सकता है पेट्रोल-डीजल? चुनावों से पहले सरकार ले सकती है फैसला

नई दिल्ली दीवाली से पहले आम आदमी को झटका लग सकता है। ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स की एक बड़ी अर्थशास्त्री ने अंदेशा जताया है कि केंद्र सरकार नवंबर के महीने में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मामूली बढ़ोतरी कर सकती है। अगले साल की शुरूआत में कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले सरकार के पास ईंधन के दाम बढ़ाने के लिए यही एकमात्र और आखिरी व्यावहारिक समय बचा है। ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स की लीड इकोनॉमिस्ट एलेक्जेंड्रा हरमन प्रसाद के मुताबिक, अगर नवंबर में कीमतें बढ़ाई जाती हैं, तो यह बढ़ोतरी अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध के दौरान मई में हुई कुल 7.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी के मुकाबले लगभग आधी हो सकती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जिन राज्यों में अगले साल चुनाव होने हैं, उनमें गोवा, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर, उत्तर प्रदेश (up elections 2027), हिमाचल प्रदेश और गुजरात शामिल हैं, जहां चुनाव प्रचार शुरू होने से पहले ही सरकार यह कदम उठा सकती है।पेट्रोल-डीजल महंगा हुआ तो बढ़ेगी महंगाई अगर सरकार नवंबर में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाती है, तो इसका सीधा असर महंगाई पर पड़ेगा। अनुमान है कि इससे अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में खुदरा महंगाई बढ़कर 6.2 प्रतिशत और साल 2027 की पहली तिमाही में 6.5 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह आंकड़ा भारतीय रिजर्व बैंक के 2 से 6 प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर होगा। हालांकि, अगर सरकार नवंबर में कीमतें नहीं बढ़ाती है, तो महंगाई के अनुमान में 10 से 30 बेसिस पॉइंट की राहत मिल सकती है, लेकिन इसके बावजूद महंगाई ऊंचे स्तर पर बनी रहेगी। बढ़ती महंगाई को काबू में रखने के लिए आरबीआई आने वाली बैठकों में रेपो रेट ((RBI RepoRate) में और इजाफा कर सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सितंबर में खुदरा महंगाई बढ़कर 5.54 प्रतिशत पर पहुंच गई थी, जो 2024 के बाद से सबसे ज्यादा है। ऐसे में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में होने वाला यह बदलाव आम जनता के बजट को सीधे तौर पर प्रभावित करने वाला है, जिस पर हर किसी की नजर टिकी हुई है।

दैनिक राशिफल शनिवार 17 अक्टूबर 2026

मेष – कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ड़े के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें।

वृष – मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी।

मिथुन : स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी।

कर्क – पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे।

सिंह– कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है।

कन्या – पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा।

तुला – शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा।

वृश्चिक – जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढेगी। किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

धनु – मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं।

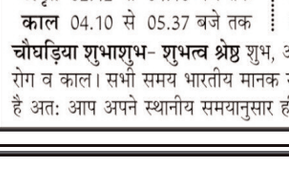
मकर – समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें।

कुंभ – हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें।

मीन – व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। कार्यक्षेत्र में आगे बढड़े में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्गजनों से मतभेद रहेगा।

दैनिक पंचांग

17 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति



ग्रह	स्थिति
सूर्य	कन्या में
चंद्र	धनु में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
तुला	06.04 बजे से
वृश्चिक	08.19 ब.से
धनु	10.35 बजे से
मकर	12.40 बजे से
कुंभ	14.26 बजे से
मीन	15.59 बजे से
मेष	17.29 बजे से
वृष	19.10 बजे से
मिथुन	21.08 बजे से
कर्क	23.21 बजे से
सिंह	01.37 बजे से
कन्या	03.49 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 290 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी अहोरात्र।
नक्षत्र मूल 09.47 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 23.03 बजे को समाप्त।
करण गर 19.12 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 6.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 09° 11'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872865
जूलियन दिन 2461330.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना जमादि उलावल
तारीख 05
विशेष सरस्वती पूजा, तुला संक्रांति।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मिशन शक्ति की पहल से रिश्तों में लौटी मिठास, समझौता करने वाले परिवारों की थाने में हुई काउंसलिंग

खालापार थाने में नवरात्रि पर विशेष कार्यक्रम, समझौते के बाद परिवारों से लिया फीडबैक; थाना प्रभारी विजय कुमार ने किया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। नवरात्रि के पावन अवसर पर महिला सुरक्षा, पारिवारिक विवादों के समाधान और महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से थाना खालापार के मिशन शक्ति केंद्र की ओर से विशेष पहल की गई। शुक्रवार को मिशन शक्ति केंद्र के माध्यम से सफलतापूर्वक समझौता कराने के बाद संबंधित पक्षों को थाने पर बुलाकर उनकी काउंसलिंग की गई। इस दौरान समझौते के बाद उनके बीच बनी सहमति और वर्तमान स्थिति का फीडबैक लिया गया। साथ ही थाना प्रभारी एवं मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी ने संबंधित लोगों को सम्मानित कर उन्हें महिला सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न हेल्पलाइन और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। समझौते के बाद परिवारों से लिया फीडबैक थाना खालापार स्थित मिशन शक्ति केंद्र के माध्यम से जिन मामलों में आपसी बातचीत और काउंसलिंग के जरिए समझौता कराया गया था, उन मामलों से जुड़े पक्षों को शुक्रवार को थाने पर आमंत्रित किया गया। यहां उनकी काउंसलिंग कर यह जानने का प्रयास किया गया कि समझौते के बाद परिस्थितियां कैसी हैं और आपसी सहमति के आधार पर विवाद का समाधान किस प्रकार आगे बढ़ रहा है। इस पहल का उद्देश्य केवल विवादों में समझौता कराना ही नहीं, बल्कि समझौते के बाद भी संबंधित पक्षों के बीच बेहतर संवाद और सौहार्द बनाए रखने के प्रयासों को प्रोत्साहित करना रहा। काउंसलिंग के दौरान संबंधित लोगों को आपसी समझ, संवाद और विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने



के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी विजय कुमार एवं मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी ने समझौते के माध्यम से विवाद का समाधान करने वाले संबंधित पक्षों को सम्मानित किया। उन्हें महिला सुरक्षा, महिलाओं के अधिकारों और सरकार की ओर से संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को जरूरत पड़ने पर पुलिस की सहायता लेने और उपलब्ध हेल्पलाइन सेवाओं का इस्तेमाल करने के प्रति भी जागरूक किया गया। इसके साथ ही प्रचार-प्रसार सामग्री वितरित कर महिला सुरक्षा से संबंधित जानकारियों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने, उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने और पारिवारिक विवादों का समाधान संवाद के माध्यम से कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। खालापार थाने में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया गया कि विवादों के समाधान के बाद भी संबंधित पक्षों से संपर्क बनाए रखना और उनकी स्थिति की जानकारी लेना महत्वपूर्ण है।

खालापार कोतवाली प्रभारी विजय कुमार ने बताया कि मिशन शक्ति केंद्र के माध्यम से जिन मामलों में सफलतापूर्वक समझौता कराया गया है, उनसे जुड़े लोगों को थाने पर बुलाकर काउंसलिंग की गई और फीडबैक लिया गया।

नई वोट बनवाने के लिए आज विशेष अभियान, सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने कार्यकर्ताओं से की सक्रिय रहने की अपील

सभी सरकारी मतदान स्थलों पर नए मतदाता बनाने का चलेगा अभियान, वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और बूथ लेवल एजेंटों को सौंपी जिम्मेदारी

मुजफ्फरनगर। नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने के लिए शनिवार यानी आज, 17 अक्टूबर को विशेष अभियान चलाया जाएगा। समाजवादी पार्टी की जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और बूथ लेवल एजेंटों से अभियान में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपने-अपने मतदान स्थलों पर पहुंचकर पात्र लोगों के नए वोट बनवाने में सहयोग करने का आह्वान किया। जिया चौधरी ने बताया कि चुनाव आयोग की ओर से 17 अक्टूबर को नए मतदाता बनाने के लिए विशेष अभियान निर्धारित किया गया है। इसके तहत सभी सरकारी मतदान स्थलों पर संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहकर नए मतदाता बनाने का कार्य करेंगे। उन्होंने समाजवादी पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और बूथ लेवल एजेंटों से इस अभियान को गंभीरता से लेने तथा



अपने-अपने क्षेत्रों में पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए प्रेरित करने की अपील की। सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में नाम दर्ज होना महत्वपूर्ण है। इसलिए पार्टी के सभी कार्यकर्ता अपने-अपने मतदान स्थलों पर सक्रिय रहें और नए वोट बनवाने के इच्छुक पात्र लोगों को आवश्यक प्रक्रिया की जानकारी दें। उन्होंने बूथ स्तर पर जिम्मेदारी निभाने वाले कार्यकर्ताओं से अभियान के दौरान लोगों की मदद करने का आह्वान किया। उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों से भी कहा कि वे अपने क्षेत्रों में अभियान की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। जिया चौधरी ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अपने-अपने मतदान क्षेत्रों में लोगों से संपर्क कर नए मतदाता पंजीकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाएं। विशेष अभियान के दौरान मतदान स्थलों पर मौजूद रहकर पात्र नागरिकों को आवेदन प्रक्रिया में सहयोग दें और यह सुनिश्चित करने का प्रयास करें कि अधिक से अधिक पात्र लोगों के नाम मतदाता सूची में शामिल हो सकें। उन्होंने समाजवादी पार्टी के सभी नेताओं, पदाधिकारियों और बूथ लेवल एजेंटों से 17 अक्टूबर के विशेष अभियान में पूरी सक्रियता के साथ भाग लेने की अपील की।

बाल सुरक्षा और मानव तस्करी पर सख्त रुख, एसपी क्राइम इन्दु सिद्धार्थ ने दिए कार्रवाई के निर्देश

पोक्सो, बाल श्रम, बाल विवाह और भिक्षावृत्ति के मामलों की समीक्षा, बाल कल्याण अधिकारियों व संबंधित विभागों के साथ हुई मासिक गोष्ठी

मुजफ्फरनगर। जनपद में महिला एवं बाल सुरक्षा को मजबूत बनाने, बच्चों के शोषण पर अंकुश लगाने और मानव तस्करी जैसी गंभीर गतिविधियों की रोकथाम के लिए पुलिस ने संबंधित विभागों के साथ समन्वय बढ़ाने की पहल की है। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक अपराध इन्दु सिद्धार्थ ने एएचटीयू टीम, जनपद के समस्त थानों में तैनात बाल कल्याण अधिकारियों और विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ मासिक गोष्ठी आयोजित की। बैठक में बाल सुरक्षा से जुड़े कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, बाल अपराधों की रोकथाम, मानव तस्करी पर अंकुश लगाने और मिशन शक्ति अभियान के तहत की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की गई। एसपी क्राइम ने संबंधित अधिकारियों को मामलों में गंभीरता से कार्रवाई करने और विभागों के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने के निर्देश दिए।

बच्चों के शोषण और अपराधों पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश

गोष्ठी में बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों और उनके अधिकारों की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। पॉक्सो अधिनियम और किशोर न्याय अधिनियम के तहत आने वाले मामलों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कानूनी प्रावधानों के अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बाल अपचारियों से संबंधित मामलों में निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन करने और बच्चों के संरक्षण से जुड़े मामलों को संवेदनशीलता के साथ निपटाने पर जोर दिया गया। बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि बच्चों के शोषण, उत्पीड़न अथवा असुरक्षित परिस्थितियों में पाए जाने से जुड़े मामलों को गंभीरता से लिया जाए। ऐसे मामलों में पुलिस, बाल कल्याण अधिकारियों और संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर



आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि प्रभावित बच्चों को समय पर संरक्षण मिल सके। मासिक गोष्ठी में बाल श्रम और भिक्षावृत्ति की रोकथाम को लेकर भी चर्चा की गई। संबंधित विभागों को अपने-अपने स्तर पर प्रभावी कार्रवाई करने और ऐसे मामलों में आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए गए। बच्चों को श्रम में लगाने, उनसे भीख मंगवाने अथवा उनके अधिकारों का उल्लंघन करने जैसी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए कानून के अनुसार कार्रवाई करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि बाल संरक्षण से जुड़े मामलों में केवल औपचारिक कार्रवाई तक सीमित न रहें, बल्कि संबंधित विभागों के सहयोग से प्रभावी कदम उठाएं। बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें शोषण से बचाने के लिए विभागीय जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करने पर भी जोर दिया गया। बैठक का एक प्रमुख मुद्दा मानव तस्करी की रोकथाम रहा। इस विषय पर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) की भूमिका और संबंधित विभागों के बीच समन्वय के महत्व पर चर्चा की गई। मानव तस्करी से जुड़े मामलों में समय पर कार्रवाई, पीड़ितों की सुरक्षा और कानूनी प्रक्रिया का पालन सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। एसपी क्राइम इन्दु सिद्धार्थ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिला एवं बाल सुरक्षा से जुड़े मामलों में आपसी तालमेल के साथ कार्य किया जाए। किसी भी प्रकरण में संबंधित विभागों की भूमिका महत्वपूर्ण होने पर उनके साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई की जाए, जिससे पीड़ितों को सहायता और संरक्षण उपलब्ध कराया जा सके। गोष्ठी में बाल विवाह की रोकथाम और कोटपा अधिनियम के तहत की जाने वाली कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को इन विषयों से संबंधित कानूनी प्रावधानों के अनुरूप कार्रवाई करने तथा संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए। बैठक में महिला एवं बाल सुरक्षा के लिए संचालित मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत किए जा रहे

कार की मांग पूरी नहीं हुई तो विवाहिता को प्रताड़ित करने का आरोप, दो मासूम बच्चों को भी मां से अलग किया

पांच साल पहले हुई थी शादी, पति समेत ससुराल पक्ष के तीन लोगों पर दहेज उत्पीड़न और मारपीट के आरोप; बच्चों को वापस दिलाने की गुहार पर दर्ज हुआ मुकदमा

मुजफ्फरनगर। छपार थाना क्षेत्र के गांव भैंसरहेड़ी में दहेज में कार की मांग को लेकर विवाहिता को प्रताड़ित करने, उसके साथ मारपीट करने और दो छोटे बच्चों को मां से अलग रखने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने अपने पति, ससुर और सास पर गंभीर आरोप लगाते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत की थी। मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पीड़िता ने अपने करीब चार वर्षीय बेटे और दो वर्षीय बेटी को वापस दिलाने की भी गुहार लगाई है।

शादी में चार लाख रुपये और घरेलू सामान देने का दावा

भोपा थाना क्षेत्र के गांव सीकरी निवासी विवाहिता की शादी 24 मार्च 2020 को मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार छपार थाना क्षेत्र के गांव भैंसरहेड़ी निवासी खुर्शीद आलम उर्फ गुड्डू के साथ हुई थी। पीड़िता का आरोप है कि शादी के समय उसके मायके वालों ने अपनी हैसियत के अनुसार जरूरी घरेलू सामान और चार लाख रुपये नकद दिए थे। इसके बावजूद उसका पति खुर्शीद आलम उर्फ गुड्डू, ससुर इश्तियाक और सास फजरूनिशा संतुष्ट नहीं थे। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग अतिरिक्त दहेज में कार की मांग करने लगे।

पीड़िता के अनुसार, उसने ससुराल वालों को अपनी पारिवारिक परिस्थितियों के बारे में बताते हुए कहा था कि उसके पिता की मृत्यु हो चुकी है और परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं है कि वह कार दे सके। आरोप है कि इसके बावजूद ससुराल पक्ष का रवैया नहीं बदला और उसे लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा। पीड़िता ने अपनी शिकायत में पति के मामा की बेटी यशमी पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उसका कहना है कि यशमी पहले से ही उसकी ससुराल में रहती थी और उसके पति के साथ कथित रूप से अवैध संबंध थे। पीड़िता ने आरोप लगाया कि इसी वजह से शादी के बाद से ही उसे पति और ससुराल के अन्य लोगों की ओर से परेशान किया जाने लगा। शिकायत के अनुसार, उसे लगातार मारपीट का सामना करना पड़ा और कथित तौर पर भूखा-प्यासा भी रखा जाता था। पीड़िता का आरोप है कि उसे इस कदर प्रताड़ित किया गया कि वह परेशान होकर मायके चली गई। उसने अपनी शिकायत में मारपीट के कारण दोनों कानों के पर्दे खराब होने का भी दावा किया है।

एसएसपी से शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं होने का आरोप

पीड़िता के मुताबिक, उसने 8 अक्टूबर 2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई थी। शिकायत को महिला थाना प्रभारी मुजफ्फरनगर के पास भेजा गया था। पीड़िता का आरोप है कि महिला थाने की ओर से उसकी शिकायत पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई और प्रार्थना पत्र को कचहरी स्थित मध्यस्थता केंद्र भेज दिया गया। इसके बाद पीड़िता ने 14 अक्टूबर 2026 को दोबारा अपनी शिकायत में ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की।

खतौली में श्री सिद्धपीठ दुर्गा मंदिर में माता की चौकी का आयोजनः भजनों पर भक्ति में लीन हुए श्रद्धालु

भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी को चुनरी ओढ़ाकर किया गया सम्मानित, माता रानी के जयकारों से गूंज उठा मंदिर परिसर

खतौली (मुजफ्फरनगर)। नगर की दुगार्पुरी कॉलोनी स्थित प्रसिद्ध श्री सिद्धपीठ दुर्गा मंदिर में शारदीय नवरात्र महोत्सव के उपलक्ष्य में धार्मिक कार्यक्रमों की धूम मची हुई है। महोत्सव के अंतर्गत मंदिर प्रांगण में 'माता की चौकी' का भव्य एवं भक्तिमय आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने शामिल होकर धर्म लाभ उठाया और माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। विद्वान आचार्यों ने संपन्न कराया पूजन

माता की चौकी में मुख्य यजमान राजीव ग्रोवर, संजय ग्रोवर, विभु शर्मा (एडवोकेट) तथा सुनील शर्मा ने अपने परिवारों सहित मुख्य वेदी पर बैठकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न कराई। संपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान विद्वान पंडित सूर्य प्रकाश द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूर्ण कराया गया।

भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी का हुआ सम्मान

कार्यक्रम के दौरान मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी का स्वागत किया गया। मंदिर प्रबंधन ने उन्हें



माता रानी की पवित्र चुनरी ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया।

भक्तिमय भजनों पर थिरके श्रद्धालु

चौकी के दौरान आमंत्रित भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक मधुर और भक्तिमय भजनों की प्रस्तुतियां दीं। "चलो बुलावा आया है", "मैया पाँव पैंजणिया" जैसे भजनों पर श्रद्धालु झूमने को मजबूर हो गए। पूरे कार्यक्रम के दौरान 'जय माता दी' और 'सांचे दरबार की जय' के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान रहा। देर रात महाआरती के उपरांत श्रद्धालुओं में प्रसादम वितरित किया गया।

ये गणमान्य लोग रहे मौजूद

कार्यक्रम के सफल आयोजन में मंदिर कमेटी प्रधान तेजेंद्र मोहन भाटिया, राजेंद्र तनेजा, राजीव ग्रोवर (भोला), भाजपा नगर अध्यक्ष प्रवीण ठकराल, गौरी शंकर (गौरी), धीरज सूरी, मुकेश टोनी, दिनेश सूरी, अमरनाथ फुटेला, राजकुमार मंगवानी, अमित ठाकुर, राजकुमार तनेजा, विपिन कोहली, संजय लोहिया, प्रवीण कोहली, मनीष सहगल, हनी ग्रोवर, जुगल किशोर गोगिया, नरेश गुंबर, संजीव मेहता, सौरभ सेठी, अमित मंगवानी, कुशांक ग्रोवर, रामजी गगनेजा, हरबंस लाल सलूजा, जगमोहन तनेजा, विनीत नारंग, अनुज मिनोचा, सरदार गुरचरण सिंह और किशोर गोयल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खतौली में छात्राओं को साइबर अपराध से बचाव और आत्मसुरक्षा के प्रति किया जागरूक

मिशन शक्ति फेज-6ः चौधरी हरबंस सिंह कन्या डिग्री कॉलेज में आयोजित हुआ विशेष जागरूकता कार्यक्रम

खतौली (मुजफ्फरनगर)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निदेर्शानुसार शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर प्रदेश भर में संचालित 'मिशन शक्ति फेज-6' के अंतर्गत खतौली के चौधरी हरबंस सिंह कन्या डिग्री कॉलेज में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव, डिजिटल सुरक्षा, महिला सुरक्षा तथा आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करना रहा। साइबर सुरक्षा और हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों और प्रवक्ताओं ने छात्राओं को वर्तमान समय में तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों, जैसे- ऑनलाइन धोखाधड़ी (ऑनलाइन फ्रॉड), सोशल मीडिया पर होने वाले उत्पीड़न, फेक अकाउंट्स और फिशिंग लिंक्स के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी। छात्राओं को सोशल



मीडिया प्लेटफॉर्म्स के सुरक्षित और जिम्मेदारी पूर्ण उपयोग के तरीके समझाए गए। वहीं, आपातकालीन परिस्थितियों में तुरंत पुलिस मदद प्राप्त करने के लिए शासन द्वारा जारी महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों (जैसे 1090 वूमेन पावर लाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा) के उपयोग की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। डिजिटल युग में सतर्कता ही सबसे बड़ा बचावः डॉ. सारिका शर्मा महाविद्यालय की प्राचार्या एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सारिका शर्मा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के आधुनिक और डिजिटल युग में शिक्षा के साथ-साथ साइबर सुरक्षा और व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूक होना बेहद जरूरी है। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध घटना या ऑनलाइन परेशानी होने पर डरे नहीं, बल्कि तुरंत हेल्पलाइन नंबरों और परिजनों या शिक्षकों को इसकी सूचना दें।

मुजफ्फरनगर के कामरान को अखिलेश यादव ने लखनऊ में लैपटॉप देकर किया सम्मानित

सूजडू की खालसा पट्टी के होनहार छात्र ने सीबीएसई की द्वितीय चरण की परीक्षा में रचा सफलता का इतिहास, जिला स्तर पर भी रहे प्रथम

मुजफ्फरनगर। प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं होती। यदि लक्ष्य स्पष्ट हो, मेहनत निरंतर जारी रहे और मन में कुछ कर गुजरने का संकल्प हो तो सफलता की राह अपने आप बनती चली जाती है। इस बात को मुजफ्फरनगर के सूजडू गांव की खालसा पट्टी निवासी होनहार छात्र कामरान अहमद ने अपनी शैक्षणिक उपलब्धि से साबित कर दिखाया है। सीबीएसई की वर्ष 2026 की द्वितीय चरण की परीक्षा में अखिल भारतीय स्तर पर तीसरी रैंक हासिल करने और जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कामरान अहमद को 15 अक्टूबर 2026 को लखनऊ में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लैपटॉप भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने मेधावी छात्र का उत्साहवर्धन करते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। राष्ट्रीय स्तर पर इतनी शानदार उपलब्धि हासिल करने वाले कामरान की सफलता से उनके परिवार, विद्यालय, गांव और पूरे मुजफ्फरनगर जनपद का मान बढ़ा है। देशभर में तीसरी रैंक हासिल कर मुजफ्फरनगर को दिलाई पहचान कामरान अहमद की यह उपलब्धि इसलिए भी खास है, क्योंकि उन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर देशभर के विद्यार्थियों के बीच तीसरा स्थान प्राप्त किया है। जी माउंट लिट्रा पब्लिक स्कूल, मुजफ्फरनगर के मेधावी छात्र कामरान ने सीबीएसई की द्वितीय चरण की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अखिल भारतीय स्तर पर तीसरी रैंक हासिल की। इसके साथ ही जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर उन्होंने अपनी शैक्षणिक क्षमता का परिचय दिया। आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में विद्यार्थियों के सामने पढ़ाई के साथ-साथ बेहतर प्रदर्शन करने की बड़ी चुनौती रहती है। ऐसे में राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त करना कामरान की मेहनत, एकाग्रता और पढ़ाई के प्रति उनके समर्पण को दशार्ता है। उनकी सफलता ने यह भी दिखाया



है कि मुजफ्फरनगर जैसे जनपदों में भी ऐसी प्रतिभाएं मौजूद हैं, जो अपनी योग्यता के बल पर देशभर में अपनी अलग पहचान बना सकती हैं। अखिलेश यादव ने लैपटॉप देकर बढ़ाया मेधावी छात्र का उत्साह

कामरान अहमद की उल्लेखनीय शैक्षणिक उपलब्धि के लिए लखनऊ में आयोजित सम्मान के अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उन्हें लैपटॉप भेंट किया। उन्होंने कामरान का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। किसी मेधावी विद्यार्थी को उसकी मेहनत और उपलब्धि के लिए सम्मान मिलना उसके आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ ही आगे और बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा भी देता है लैपटॉप भेंट किए जाने से कामरान को आगे की पढ़ाई, अध्ययन सामग्री जुटाने और तकनीक के माध्यम से ज्ञान बढ़ाने में भी सहायता मिल सकती है। वर्तमान समय में शिक्षा के क्षेत्र में तकनीक की भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे में विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए आवश्यक साधन उपलब्ध कराना उनके शैक्षणिक विकास में उपयोगी साबित हो सकता है। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के मुजफ्फरनगर जिलाध्यक्ष जिया चौधरी भी मौजूद रहे। कामरान को सम्मानित किए जाने का यह अवसर जनपद की शैक्षणिक प्रतिभा के लिए महत्वपूर्ण रहा।

खालसा पट्टी से लखनऊ तक कामरान की सफलता की चर्चा

सूजडू गांव की खालसा पट्टी निवासी कामरान अहमद ने अपनी उपलब्धि से अपने क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। एक ओर जहां उनकी सफलता से परिवार का सिर गर्व से ऊंचा हुआ है, वहीं दूसरी ओर क्षेत्र के लोगों के लिए भी यह खुशी और प्रेरणा का विषय है। राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा में तीसरी रैंक प्राप्त करना केवल एक विद्यार्थी की व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि उसके विद्यालय और उस क्षेत्र के लिए भी गर्व का अवसर होता है, जहां से वह अपनी शिक्षा और जीवन की यात्रा आगे बढ़ाता है। कामरान अहमद पुत्र आफताब राणा एडवोकेट हैं और स्वर्गीय जमील अहमद प्रधान के पौत्र हैं। परिवार में शिक्षा और उपलब्धि से जुड़ा यह गौरवपूर्ण अवसर उनके लिए विशेष महत्व रखता है। कामरान की सफलता ने यह संदेश दिया है कि बड़े लक्ष्य हासिल करने के लिए नियमित अध्ययन, अनुशासन और निरंतर प्रयास की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कामरान अहमद की सफलता उन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है

बारात में स्कॉर्पियो से जमकर स्टंटबाजी, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही पुलिस ने गाड़ी सीज की

जसोई गांव में बारात में शामिल होने आए युवकों ने सड़क पर मचाया हुड़दंग, स्कॉर्पियो को कराया डांस; वीडियो सामने आने पर पुलिस ने लिया संज्ञान

मुजफ्फरनगर। जिले में शादी समारोहों के दौरान वाहनों से स्टंटबाजी करने के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला तितावी थाना क्षेत्र के गांव जसोई का है, जहां एक बारात में शामिल होने आए युवकों ने स्कॉर्पियो से जमकर स्टंटबाजी की। युवकों ने सड़क पर स्कॉर्पियो को इस तरह घुमाया कि गाड़ी को डांस कराते नजर आए। इस दौरान युवकों ने गाड़ी से बाहर निकलकर हुड़दंग भी मचाया। किसी व्यक्ति ने स्टंटबाजी का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और स्कॉर्पियो को थाने लाकर सीज कर दिया।

बारात में पहुंचे युवकों ने स्कॉर्पियो से की स्टंटबाजी

मामला तितावी थाना क्षेत्र की जसोई पुलिस चौकी के अंतर्गत गांव जसोई का है। जानकारी के अनुसार, गुरुवार दोपहर कुछ युवक गांव में आयोजित एक बारात में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। इसी दौरान युवकों ने स्कॉर्पियो से स्टंटबाजी शुरू कर दी। आरोप है कि उन्होंने गाड़ी को सड़क पर तेजी से घुमाते हुए इस तरह चलाया कि वह डांस करती हुई नजर आने लगी। बारात में आए युवकों की इस हरकत के दौरान मौके पर काफी हलचल रही। स्टंटबाजी के दौरान युवक केवल स्कॉर्पियो तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि गाड़ी से बाहर निकलकर भी हुड़दंग करते नजर आए। शादी समारोह में शामिल होने आए युवकों की इस हरकत को किसी ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो गया। वीडियो में स्कॉर्पियो से स्टंटबाजी किए



जाने का मामला सामने आने के बाद लोगों के बीच भी इसकी चर्चा शुरू हो गई। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद तितावी पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया। पुलिस ने स्टंटबाजी में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो को थाने लाकर सीज कर दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि शादी समारोह या किसी अन्य आयोजन की आड़ में सड़क पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। तितावी थाना प्रभारी जयवीर सिंह ने बताया कि स्टंटबाजी करने वाले युवक गांव जसोई में एक बारात में शामिल होने आए थे। गुरुवार दोपहर की इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। थाना प्रभारी के अनुसार, गुरुवार देर रात ही स्कॉर्पियो को थाने लाकर सीज कर दिया गया। सड़क पर वाहनों से स्टंट करना न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन है, बल्कि इससे वाहन चालक के साथ-साथ सड़क पर चल रहे अन्य लोगों की जान भी खतरे में पड़ सकती है। शादी समारोहों में उत्साह और दिखावे के नाम पर वाहनों को तेजी से घुमाना, अचानक मोड़ना या असंतुलित तरीके से चलाना गंभीर हादसे का कारण बन सकता है। ऐसे मामलों में किसी राहगीर, बारात में शामिल व्यक्ति या अन्य वाहन चालक को चोट लगने का खतरा बना रहता है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और उत्साह के नाम पर अपनी तथा दूसरों की जान जोखिम में न डालें।

आईजीआरएस की समीक्षा में सख्त निर्देश: जनशिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, आवेदकों से संपर्क कर मौके पर करें समाधान

अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की समीक्षा, डीएम उमेश मिश्रा और एसएसपी सूरज राय रहे मौजूद; गड्ढामुक्त सड़कें, स्वास्थ्य सेवाएं, जल जीवन मिशन और लंबित विरासत मामलों पर भी दिया जोर

मुजफ्फरनगर। जनसमस्याओं के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर शासन ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शिकायतों के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) की समीक्षा बैठक में अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय, उत्तर प्रदेश शासन संजय प्रसाद ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतकर्ता से संपर्क कर उसकी समस्या को समझें और जहां संभव हो, मौके पर पहुंचकर समाधान सुनिश्चित करें। शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत मिलनी चाहिए। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज राय मौजूद रहे। बैठक में जनपद से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की गई। अधिकारियों को जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समयसीमा में पूरा करने और शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद ने आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त होने वाली जनशिकायतों की समीक्षा करते हुए उनके गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण पर विशेष जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए



और प्रत्येक प्रकरण में नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जनसामान्य की समस्याओं का शीघ्र समाधान शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए अधिकारियों को शिकायतकर्ताओं से सीधे संपर्क करना चाहिए और समस्या की वास्तविक स्थिति का पता लगाकर समाधान कराना चाहिए। शिकायत के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि जनशिकायतों के समाधान में संवेदनशीलता और जवाबदेही जरूरी है। संबंधित विभागों को शिकायतों की नियमित निगरानी करते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। समीक्षा बैठक में जिले की सड़कों की स्थिति सुधारने और गड्ढामुक्ति अभियान के अंतर्गत चल रहे कार्यों पर भी चर्चा की गई।

संबंधित अधिकारियों को सड़कों की मरम्मत और सुधार कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए, ताकि आमजन को आवागमन में परेशानी का सामना न करना पड़े।

सड़कों की स्थिति में सुधार को जनहित से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य बताते हुए अभियान की प्रगति पर नजर रखने और संबंधित कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा कराने पर जोर दिया गया।

खतौली में मेरठ-सहारनपुर नई रेलगाड़ी के समय में बदलाव की मांग: व्यापारियों ने स्टेशन अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

स्टेशन अधीक्षक सुश्री मेघा रानी से की मुलाकात की, दैनिक यात्रियों व व्यापारियों को मिलेगी बड़ी राहत

खतौली (मुजफ्फरनगर)। मेरठ से सहारनपुर के बीच हाल ही में शुरू की जा रही नई रेलगाड़ी की प्रस्तावित समय-सारिणी को लेकर स्थानीय व्यापारियों और दैनिक यात्रियों ने आपत्ति जताई है। भारतीय व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष नीरज शर्मा के नेतृत्व में व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने खतौली रेलवे स्टेशन पहुँचकर स्टेशन अधीक्षक सुश्री मेघा रानी को रेल मंत्री एवं रेलवे प्रशासन के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से नई ट्रेन के समय में जनहित को ध्यान में रखते हुए संशोधन करने की मांग की गई है। समय-सारिणी में यह बदलाव करने की उठाई मांग

सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि सहारनपुर से मेरठ के लिए सुबह 5:50 बजे निर्धारित रेलगाड़ी संख्या 64580 को सुबह के स्थान पर शाम के समय संचालित किया जाए। मेरठ से सहारनपुर के लिए शाम 5:45 बजे निर्धारित रेलगाड़ी संख्या 64579 को शाम के स्थान



पर सुबह के समय चलाया जाए।

व्यापारियों और नौकरीपेशा लोगों को मिलेगी सीधी सुविधा

ज्ञापन सौंपने के बाद नगर अध्यक्ष नीरज शर्मा ने कहा कि वर्तमान प्रस्तावित समय-सारिणी से आम जनता और दैनिक यात्रियों को अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाएगा। यदि रेलवे प्रशासन समय में यह बदलाव करता है, तो खतौली और आसपास के क्षेत्रों से रोजाना मेरठ व सहारनपुर आवागमन करने वाले व्यापारियों, नौकरीपेशा कर्मचारियों, विद्यार्थियों और मरीजों को काफी सहूलियत होगी। व्यापारियों ने मांग की है कि रेलवे प्रशासन यात्रियों की व्यावहारिक आवश्यकताओं को प्राथमिकता देते हुए जल्द से जल्द समय-सारिणी में आवश्यक परिवर्तन लागू करे। ज्ञापन देने वालों में ये प्रमुख लोग रहे मौजूद

ज्ञापन सौंपने के दौरान नगर अध्यक्ष नीरज शर्मा के साथ सतीश उपाध्याय, वीरेंद्र शर्मा, विपिन बागड़ी, सत्येंद्र भाटिया (लीलू), राजेश, अभिषेक दीक्षित, दिलशाद मलिक, प्रभव कौशिक, अभिमन्यु कौशिक, अरविन्द शर्मा, आनंद प्रकाश त्यागी, सुरेश कुमार और अचल गर्ग (बबलू) सहित बड़ी संख्या में व्यापारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गन्ने का भाव 500 रुपये कुंतल करने की मांग, भाकियू अराजनैतिक का कलक्ट्रेट पर प्रदर्शन

धर्मेंद्र मलिक बोले—किसानों के मुद्दों से भटक रहे किसान संगठन, अवैध खनन और डग्गामारी में व्यस्त हैं कुछ लोग; चकबंदी और तहसीलों में भ्रष्टाचार का मुद्दा भी उठाया

मुजफ्फरनगर। गन्ने का राज्य परामर्शी मूल्य बढ़ाकर 500 रुपये प्रति कुंतल करने समेत किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने शुक्रवार को कलक्ट्रेट में धरना-प्रदर्शन किया। संगठन के प्रदेशव्यापी आह्वान पर आयोजित प्रदर्शन में बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए। किसानों ने गन्ना मूल्य वृद्धि, बेमौसम बारिश से फसलों को हुए नुकसान का मुआवजा, आलू के बीज की कीमत कम करने, खाद की उपलब्धता और चकबंदी में कथित अनियमितताओं सहित कई मुद्दे उठाए। प्रदर्शन के बाद अपर जिलाधिकारी प्रशासन और पुलिस क्षेत्राधिकारी सिद्धार्थ मिश्रा ने किसानों से ज्ञापन लेकर समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन दिया। धरने की अध्यक्षता चंद्रवीर सहरावत भोकरहेड़ी ने की, जबकि संचालन मोहित मलिक और अंकित जावला ने संयुक्त रूप से किया। धरने को संबोधित करते हुए संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक ने कहा कि किसानों को उनकी मेहनत और उत्पादन लागत के अनुरूप फसलों का मूल्य नहीं मिल रहा है। यही कारण है कि खेती की लागत लगातार बढ़ने के बावजूद किसान कर्ज के बोझ से दबता जा रहा है। उन्होंने कहा कि डीजल, खाद, कीटनाशक, सिंचाई और कृषि मजदूरी की लागत में लगातार वृद्धि हुई है। दूसरी ओर, किसानों को गन्ने का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में आगामी पेराई सत्र के लिए गन्ने का राज्य परामर्शी मूल्य कम से कम 500 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया जाना चाहिए। उन्होंने चीनी के बाजार मूल्य में वृद्धि का हवाला देते हुए कहा कि चीनी, एथेनॉल, शीरा और अन्य उप-उत्पादों से होने वाली आय को ध्यान में रखकर गन्ने के मूल्य का निष्पक्ष निर्धारण किया जाना चाहिए। धर्मेंद्र मलिक ने कुछ किसान संगठनों की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि किसानों के वास्तविक मुद्दों के बजाय दूसरे राजनीतिक विषयों को अधिक



महत्व दिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान संगठनों को किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करना चाहिए, लेकिन कुछ नेता ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और राहुल गांधी की सरकार बनाने जैसे मुद्दों को लेकर अधिक चिंतित हैं। उन्होंने किसानों से ऐसे नेताओं के प्रति सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग किसान संगठनों का इस्तेमाल निजी हित साधने के लिए कर रहे हैं। उनके अनुसार, किसान संगठनों से जुड़े कुछ कार्यकर्ता अवैध खनन और डग्गामारी वाले वाहनों के संचालन में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि किसानों के नाम पर निजी हित साधने वालों से किसानों का भला नहीं हो सकता। धर्मेंद्र मलिक ने जिला प्रशासन पर भी भ्रष्टाचार के मामलों में प्रभावी कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया और चकबंदी अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। बारिश से फसल नुकसान का मुआवजा और आलू के बीज की कीमत घटाने की मांग मुख्यमंत्री को जिलाधिकारी के माध्यम से भेजे गए ज्ञापन में संगठन ने गन्ने का मूल्य 500 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित करने के साथ बेमौसम बारिश और तेज हवाओं से प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की मांग की। संगठन ने धान, उड़द, मूंग और अन्य फसलों के नुकसान का गांववार सर्वे कराकर प्रभावित किसानों को फसल क्षति के आकलन के आधार पर राहत और पात्र किसानों को बीमा भुगतान दिलाने की मांग उठाई। ज्ञापन में आलू किसानों की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया गया। संगठन का कहना है कि बाजार में आलू का भाव लगभग 700 रुपये प्रति कुंतल होने के बावजूद उद्यान विभाग की ओर से आलू का बीज 3,600 रुपये प्रति कुंतल की दर से उपलब्ध कराया जा रहा है। संगठन ने बीज की कीमत अधिकतम 1,500 रुपये प्रति कुंतल तय करने की मांग की। साथ ही, कोल्ड स्टोर के किराये में सहायता के लिए जारी व्यवस्था का लाभ उन किसानों को भी देने की मांग की गई, जिन्होंने शासनादेश जारी होने से पहले ही आलू की निकासी कर ली थी।

मुजफ्फरनगर के मुबारिकपुर में हलवाई और उसके बेटे पर लाठी-डंडों से हमला: बकाया पैसे मांगने पर हुआ विवाद, गंभीर रूप से घायल पिता-पुत्र मेडिकल में भर्ती

पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने शुरू की मामले की जांच, आरोपियों की तलाश में जुटी टीम

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र के गांव मुबारिकपुर में बकाए रुपयों का तकादा करना एक हलवाई और उसके बेटे को भारी पड़ गया। पैसे मांगने से नाराज दबंगों ने पिता-पुत्र पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। इस हिंसक झड़प में हलवाई का हाथ टूट गया और दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत पास के मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उनका इलाज जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित हलवाई का आरोपी पक्ष के साथ रुपयों के लेनदेन को लेकर पुराना बकाया चल रहा था। जब हलवाई और उसका बेटा अपने बकाए पैसे मांगने पहुँचे, तो इसी



बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने लाठी-डंडे निकालकर पिता-पुत्र पर हमला बोल दिया। हमले के दौरान हलवाई को गंभीर चोटें आईं और उनका एक हाथ टूट गया। बीच-बचाव करने आए उनके बेटे को भी लाठी-डंडों से पीटकर घायल कर दिया गया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्रित होने लगे, जिन्हें आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने दर्ज की शिकायत, जांच शुरू

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुँची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने घायलों का मेडिकल परीक्षण करवाकर मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया जा रहा है और फरार आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रामपुरी रामलीला में श्रीराम के वनवास का भावुक मंचन, दर्शकों की आंखें हुईं नम

किसान चिंतक एवं समाजसेवी सरदार सतनाम सिंह हंसपाल ने फीता काटकर किया रामलीला मंचन का शुभारंभ, बोले—मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन से मिलती है माता-पिता की आज्ञा मानने की प्रेरणा

मुजफ्फरनगर। रामपुरी स्थित श्री रामलीला कमेटी के तत्वावधान में आयोजित श्री रामलीला मंचन के सातवें दिवस की रात्रि प्रभु श्रीराम के वनवास की लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने सशक्त अभिनय से ऐसा जीवंत दृश्य प्रस्तुत किया कि उपस्थित दर्शक भावविभोर हो गए और अनेक दर्शकों की आंखें नम हो गईं। रामलीला मंचन का शुभारंभ किसान चिंतक एवं समाजसेवी सरदार सतनाम सिंह हंसपाल सहित अन्य अतिथियों ने सामूहिक रूप से फीता काटकर किया। इसके बाद गणेश वंदना, श्री रामायण जी की पूजा-अर्चना तथा प्रभु श्रीराम की आरती के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ। प्रभु श्रीराम के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

इस अवसर पर श्री रामलीला कमेटी की ओर से मुख्य अतिथि सरदार सतनाम सिंह हंसपाल, वार्ड 21 के सभासद रजत धीमान, समाजसेवी मनोज गुप्ता, समाजसेवी शानू मलिक, समुद्र म्यूजिकल ग्रुप के संचालक एवं कथावाचक धर्मवीर सिंह समुद्र तथा अन्य अतिथियों को पटका पहनाकर



और प्रभु श्रीराम का चित्र भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि सरदार सतनाम सिंह हंसपाल ने अपने संबोधन में कहा कि प्रभु श्रीराम का जीवन हम सभी के लिए आदर्श और प्रेरणास्रोत है। उनके जीवन से हमें माता-पिता की आज्ञा का पालन करने, मर्यादा में रहने, त्याग करने तथा अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की शिक्षा मिलती है। उन्होंने कहा कि जिस प्रभु श्रीराम का अगले दिन राजतिलक होना था, उन्होंने पिता के वचन की मर्यादा रखने के लिए 14 वर्ष का वनवास सहर्ष स्वीकार कर लिया। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि परिवार, संस्कार और वचन की मर्यादा जीवन में सर्वोपरि हैं। उन्होंने रामलीला के आयोजन को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और नैतिक मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। सातवें दिवस की लीला में दिखाया गया कि राजा दशरथ ने प्रभु श्रीराम के राजतिलक की घोषणा की, जिससे पूरी अयोध्या नगरी में हर्षोल्लास का माहौल छा गया। नगरवासी अपने प्रिय राजकुमार श्रीराम के राजतिलक की तैयारियों में जुट गए। इसी बीच मंथरा ने रानी कैकई को भड़काकर उनके मन में श्रीराम के प्रति दुर्भावना पैदा कर दी। मंथरा की बातों में आकर रानी कैकई कोप भवन में चली गईं और विलाप करने लगीं। राजा दशरथ जब रानी कैकई को मनाने पहुंचे तो उन्होंने पूर्व में दिए गए दो वरदानों की याद दिलाई। कैकई ने पहले वरदान में भरत के राजतिलक और दूसरे वरदान में प्रभु श्रीराम के लिए 14 वर्ष का वनवास मांगा। अपने वचन से बंधे राजा दशरथ यह मांग सुनकर व्याकुल हो उठे, लेकिन मर्यादा के कारण वे असहाय नजर आए। इसके बाद प्रभु श्रीराम ने पिता के वचन की रक्षा के लिए वनवास स्वीकार कर लिया।

वनवास के इस मार्मिक प्रसंग का कलाकारों ने शानदार अभिनय किया। राजा दशरथ की व्यथा और पुत्र वियोग की पीड़ा को देखकर दर्शक भावुक हो गए। वहीं मंथरा और कैकई के संवादों पर दर्शकों ने अपनी प्रतिक्रियाएं व्यक्त कीं। पूरे मंचन के दौरान कलाकारों ने संवाद, भाव-भंगिमाओं और अभिनय के माध्यम से रामायण के इस महत्वपूर्ण प्रसंग को जीवंत कर दिया। रामलीला में प्रभु श्रीराम का अभिनय शिवम त्यागी, लक्ष्मण का अभिनय हर्षित चौरसिया, माता जानकी का अभिनय उदय ठाकुर, राजा दशरथ का अभिनय निर्देशक मनीष पाल, मंथरा का अभिनय विपिन धीमान शृंगारी तथा कैकई का अभिनय कार्तिक ने किया। सभी कलाकारों ने अपने अभिनय से दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की। कार्यक्रम में श्री रामलीला कमेटी के अध्यक्ष चौधरी शक्ति सिंह तोमर, कोषाध्यक्ष एवं महामंत्री दिवाकर त्यागी, डॉ. एसके गौतम, संयोजक प्रमोद पाल, निर्देशक सतेंद्र त्यागी, रवि धीमान, अभिषेक शर्मा, हिमांशु गोस्वामी, बिट्टू काला, रविन्द्र सेन, अक्षित वर्मा,

मीरापुर के मुझेडा सादात में 1000 फलदार पौधों का रोपण: 45 बीघा जमीन पर रोपे गए मुजफ्फरपुर की प्रसिद्ध 'शाही लीची', अमरूद और आम के पौधे

जिला अधिकारियों ने किया निरीक्षण, उद्यान विभाग ने दी 50 प्रतिशत तक सब्सिडी की जानकारी

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। मीरापुर क्षेत्र के ग्राम मुझेडा सादात में टोल प्लाजा के समीप स्थित बाग में कृषि और उद्यान विभाग की ओर से विशेष जागरूकता व पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय अधिकारियों की मौजूदगी में सरकारी अनुदान योजना के तहत 45 बीघा भूमि में लगभग 1000 उन्नत किस्म के फलदार पौधों का रोपण कराया गया। इस दौरान अधिकारियों ने बागवानी और खेती को आधुनिक व मुनाफा देने वाला व्यवसाय बनाने के लिए किसानों को सरकारी योजनाओं एवं सब्सिडी की विस्तृत जानकारी दी।

बीमारी से कट गया था पुराना बाग, अब लहलहाएंगे 1000 नए पौधे

प्रभारी जिला उद्यान अधिकारी मुजफ्फरनगर अवनीश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि मुझेडा सादात में पूर्व में जिले सिंह सैनी का लगभग 45 बीघा में फैला आम का बाग था, जो बीमारी के कारण नष्ट हो गया था और उसे कटवाना पड़ा था। इसके बाद विभाग द्वारा इसी भूमि पर नए सिरे से फलदार पौधे लगाने की योजना तैयार की गई।



वर्तमान में इस भूमि पर मुजफ्फरपुर (बिहार) से मंगाए गए 400 शाही लीची के पौधे, 600 अमरूद और 40 नई उन्नत किस्म के आम के पौधे रोपे जा रहे हैं। विभिन्न कृषि गतिविधियों पर 40 से 50 प्रतिशत तक का अनुदान

कार्यक्रम के दौरान किसानों को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने बताया कि राज्य सरकार बागवानी, फूलों व सब्जियों की खेती और मधुमक्खी पालन जैसी कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 40 से 50 प्रतिशत तक की सब्सिडी दे रही है। इसके साथ ही आलू उत्पादक किसानों के लिए संचालित 'भामाशाह भाव स्थिरीकरण कोष योजना' की जानकारी दी गई। इस योजना के तहत दो हेक्टेयर तक आलू की खेती करने वाले पात्र किसानों को ₹35,000 तक का लाभ दिया जाता है। इसके अतिरिक्त यदि कोल्ड स्टोरेज में भंडारण के दौरान आलू का नुकसान होता है, तो किसानों को ₹100 प्रति क्विंटल की दर से क्षतिपूर्ति सहायता राशि देने का प्रावधान है। किसानों को आलू की नई उन्नत किस्म '4401' के बीज पर मिलने वाले अनुदान के बारे में भी जागरूक किया गया।

योजनाओं के लाभ के लिए सीधे संपर्क की अपील

अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की कि वे किसी भी बिचौलिए के झांसे में न आएं और योजनाओं का लाभ लेने के लिए सीधे विभागीय अधिकारियों से संपर्क कर निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन करें। किसी भी प्रकार की जानकारी या मार्गदर्शन के लिए किसान उद्यान निरीक्षक के मोबाइल नंबर 9005032999 पर संपर्क कर सकते हैं। उद्यान विभाग के अधिकारी रहे मौजूद इस अवसर पर प्रभारी जिला उद्यान अधिकारी अवनीश कुमार श्रीवास्तव, उद्यान निरीक्षक गौरव शर्मा, वन क्षेत्राधिकारी जानसठ रेंज (मीरापुर) अशोक शर्मा, वन दरोगा विवेक मलिक सहित विभागीय टीम मौजूद रही। कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों एवं गणमान्य व्यक्तियों में कांग्रेस के पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष नावेद खान, पूर्व अध्यक्ष नवीन सैनी, काशिफ रिजवी, अली जाफर जैदी, शहजाद, इमरान, फूल मियां सहित सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

खतौली के ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग का एक्शन: बिना पंजीकरण चल रहे 4 अवैध क्लिनिक सील, संचालकों में मचा हडकंप

लाडपुर और मीरापुर रोड पर हुई छापेमारी में वैध दस्तावेज और डिग्री न दिखाने पर हुई कड़ी कार्रवाई, संचालकों को थमाया नोटिस

खतौली (मुजफ्फरनगर)। जनपद में बिना वैध पंजीकरण और निर्धारित योग्यता के चल रहे फर्जी क्लिनिकों, अस्पतालों, पैथोलॉजी लैब और डेंटल सेंटरों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने सख्त रुख अपना लिया है। शुक्रवार को खतौली के ग्रामीण अंचलों में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अचानक छापेमारी करते हुए चार अवैध क्लिनिकों को सील कर दिया। इस बड़ी कार्रवाई से क्षेत्र के झोलाछाप और अपंजीकृत क्लिनिक संचालकों में हड़कंप मच गया है।

डीएम व सीएमओ के निर्देश पर हुई कार्रवाई

जिलाधिकारी उमेश मिश्रा एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया के निर्देशों के अनुपालन तथा स्थानीय ग्रामीणों से मिली शिकायतों के आधार पर यह अभियान चलाया गया। ब्लॉक प्रभारी चिकित्सा अधिकारी एवं उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अवनीश कुमार सिंह के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीम ने ग्राम लाडपुर और खतौली ग्रामीण क्षेत्र (भूड़) स्थित मीरापुर रोड पर



संचालित क्लिनिकों पर दबिश दी।

जांच में नहीं मिले वैध डिग्री व पंजीकरण के कागज

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने क्लिनिक संचालकों से उत्तर प्रदेश मेडिकल काउंसिल/उद्यान/आयुष में वैध पंजीकरण तथा उनकी चिकित्सीय शैक्षणिक योग्यता से संबंधित अभिलेख (डिग्रियां) मांगे। मौके पर कोई भी संचालक वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। संतोषजनक जवाब न मिलने पर टीम ने नियमों के तहत संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए क्लिनिकों को तुरंत सील कर दिया।

सील किये गये क्लिनिकों में आस्था क्लिनिक (लाडपुर/मीरापुर रोड), वेल हेल्थ केयर एंड यूनानी सेंटर, सागर डेंटल क्लिनिक और प्रवेश डेंटल क्लिनिक शामिल हैं।

अवैध चिकित्सा सेवा देने वालों पर जारी रहेगा अभियान

उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वाले किसी भी अपंजीकृत चिकित्सा संस्थान या कथित डॉक्टर को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरे ब्लॉक और ग्रामीण क्षेत्रों में यह सघन जांच अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

खालापार पुलिस की कार्रवाई: अवैध चाकू के साथ शातिर गिरफ्तार, चोरी के पुराने मुकदमे में वांछित वारंटी भी पकड़ा

सुजडू निवासी सलमान शामली बाईपास पर वहलना पुल के नीचे से गिरफ्तार, आरोपी पर पहले से दर्ज हैं कई मुकदमे, खादरवाला से शकील भी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। जनपद में अपराधियों की धरपकड़ और अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खालापार पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाइयों में एक युवक को अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार किया, जबकि चोरी के पुराने मुकदमे में वांछित एक वारंटी को भी पकड़ लिया। अवैध चाकू के साथ पकड़े गए युवक की पहचान सुजडू निवासी सलमान के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सलमान के खिलाफ पहले भी एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट और हत्या के प्रयास समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, दूसरी कार्रवाई में खादरवाला निवासी शकील को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ वर्ष 2007 के चोरी के मामले में वारंट जारी था। पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन, एसपी सिटी के पर्यवेक्षण और सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत खालापार पुलिस ने



15 अक्टूबर 2026 की रात करीब 10:45 बजे शामली बाईपास रोड पर वहलना पुल के नीचे, चौकी क्षेत्र वहलना से सलमान को गिरफ्तार किया। पकड़ा गया आरोपी सलमान पुत्र रहीश, निवासी खालसा पट्टी, ग्राम सुजडू, थाना खालापार है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद करने का दावा किया है। इस संबंध में थाना खालापार पर मुकदमा अपराध संख्या 183/2026, धारा 4/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार, सलमान के आपराधिक इतिहास में वर्तमान मामले सहित छह मुकदमों का उल्लेख है। इनमें एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट और भारतीय दंड विधान की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज मामले शामिल हैं। आपराधिक इतिहास में वर्ष 2021 में थाना कोतवाली नगर में एनडीपीएस एक्ट की धारा 18/22 के तहत मुकदमा दर्ज होने का उल्लेख है। इसके अलावा वर्ष 2022 में थाना शाहपुर में आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 तथा थाना कोतवाली नगर में वर्ष 2021 के दौरान हत्या के प्रयास समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज होने की जानकारी दी गई है। पुलिस रिकॉर्ड में वर्ष 2021 और 2022 के आर्म्स एक्ट से जुड़े अन्य मामले भी शामिल हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ दर्ज पुराने मामलों में अंतिम न्यायिक स्थिति की जानकारी पुलिस के प्रेस नोट में नहीं दी गई है। दूसरी कार्रवाई में खालापार पुलिस ने खादरवाला निवासी शकील पुत्र खलील को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, शकील निवासी मकान नंबर 248, खादरवाला, थाना खालापार, जनपद मुजफ्फरनगर है। उसे उसके निवास स्थान से 16 अक्टूबर की सुबह गिरफ्तार किए जाने का उल्लेख पुलिस विवरण में किया गया है। शकील के खिलाफ वाद संख्या 3248/9/16 तथा मुकदमा अपराध संख्या 1267/07, धारा 379/411 आईपीसी के तहत मामला दर्ज था। यह मुकदमा थाना नई मंडी से संबंधित है। इसी मामले में जारी वारंट के आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई पुराने मामलों में वांछित और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। आरोपी को पकड़ने वाली टीम में उपनिरीक्षक असगर अली, कांस्टेबल अंकित कुमार और कांस्टेबल मोनपाल शामिल रहे। दो अलग-अलग टीमों ने की कार्रवाई अवैध चाकू के साथ सलमान की गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक मयंक प्रताप सिंह, हेड कांस्टेबल राहुल कुमार, कांस्टेबल सौरभ कुमार, कांस्टेबल प्रदीप कुमार और कांस्टेबल गोविंद कुमार शामिल रहे। वहीं, वारंटी शकील की गिरफ्तारी में उपनिरीक्षक असगर अली, कांस्टेबल अंकित कुमार और कांस्टेबल मोनपाल की भूमिका रही। दोनों कार्रवाइयां थाना खालापार पुलिस की ओर से की गईं। थाना प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार के अनुसार, अपराधियों की गिरफ्तारी और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अभियान के तहत कार्रवाई कर रही है।



नवरात्रि में करें लौंग के ये टोटके, हर बुरी नजर होगी दूर

नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की पूजा के समय जिस एक सामाग्री का इस्तेमाल सबसे ज्यादा किया जाता है, वह है लौंग। नवरात्रि पूजन में लौंग जलाने या लौंग के दीपक से माता की आरती करना शुभ माना जाता है।

नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की पूजा का विधान है। ऐसी मान्यता है कि नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा करने से जीवन के सभी दुख दूर हो जाते हैं और सुख-समृद्धि का घर में आगमन होता है। वहीं, नवरात्रि के दौरान मां दुर्गा की पूजा के समय जिस एक सामाग्री का इस्तेमाल सबसे ज्यादा किया जाता है, वह है लौंग। नवरात्रि पूजन में लौंग जलाने या लौंग के दीपक से माता की आरती करना शुभ माना जाता है। इसके अलावा, ज्योतिषाचार्य ने बताया कि नवरात्र के दौरान लौंग के कुछ उपाय करना भी लाभकारी सिद्ध हो सकता है। आइये जानते हैं उन उपायों के बारे में।

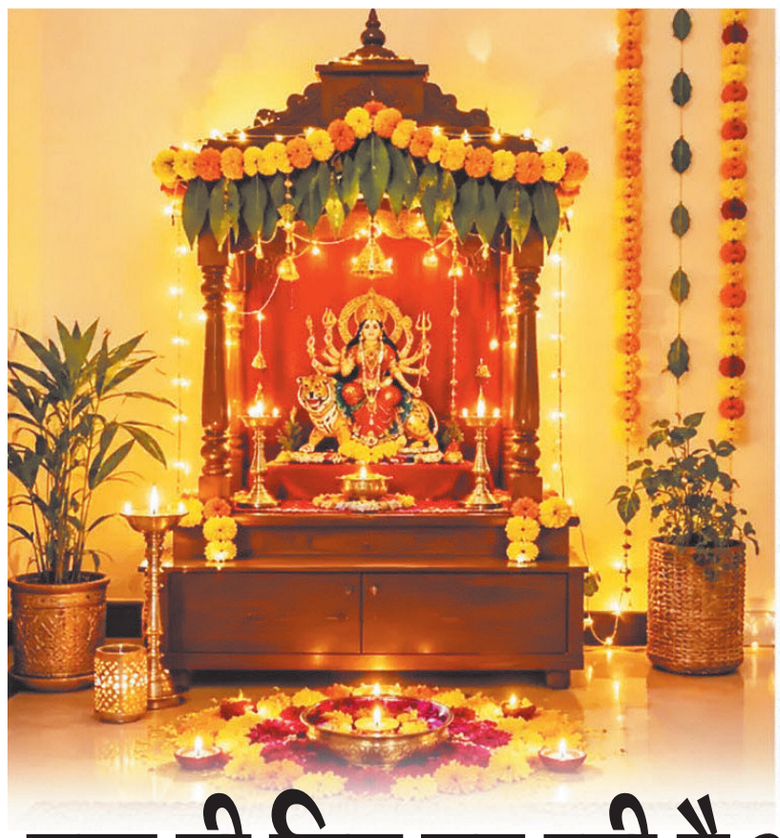
नवरात्रि पर करें लौंग के ये उपाय

नवरात्रि के नौ दिनों तक रोजाना शाम के समय घर के मुख्य द्वार पर लौंग के तेल का दीपक जलाएं या फिर दीये में लौंग डालकर प्रज्वलित करें। इससे घर का दोष दूर होता है और घर पर आने वाला संकट नष्ट हो जाता है।

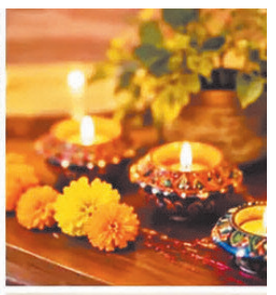
नवरात्रि के दौरान घर के टॉयलेट और बाथरूम में 5 लौंग जलाने से घर में मौजूद नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है और सकारात्मकता का संचार होता है। इसके अलावा, बुरी नजर अगर लगी है तो उससे भी छुटकारा मिलता है।

नवरात्रि के दौरान अष्टमी या नवमी तिथि पर हवन के समय लौंग को आहुति के रूप में चढ़ाने से घर की बरकत के रास्ते खुलते हैं। पारिवारिक कलश दूर होता है और सदस्यों के बीच आपसी रिश्तों में मिठास बनने लग जाती है।

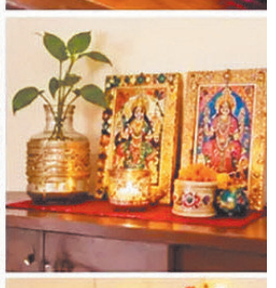
नवरात्रि के दौरान 7 लौंग लाल कपड़े में लपेटकर घर की पूर्व दिशा में टांग दें और दशमी तिथि पर उस लौंग की पोटली को पवित्र जल में प्रवाहित कर दें। इससे सोया हुआ भाग्य जाग उठेगा। उज्जवल भविष्य का मार्ग खुल जाएगा।















एक ही दिन पड़ रही है अष्टमी और नवमी

भारतीय पंचांग और तिथि गणना के अनुसार, 2026 में शारदीय नवरात्रि के दौरान 19 अक्टूबर को अष्टमी और नवमी की तिथि एक ही दिन पड़ रही है। ज्योतिषीय और पंचांगीय गणना के अनुसार, नवरात्रि में ऐसा दुर्लभ योग लगभग 12 से 15 वर्षों में एक बार बनता है। 19 अक्टूबर 2026 को अष्टमी तिथि का मान बहुत कम अवधि का है। प्रात: काल में अष्टमी तिथि समाप्त हो जाएगी और उसी दिन नवमी तिथि का प्रारंभ हो जाएगा। इसलिए शास्त्रों और पंचांग नियम के अनुसार, दोनों तिथियों का पूजन और व्रत एक ही दिन संपन्न किया जाएगा।

शारदीय नवरात्रि व्रत व पारण

जो साधक अष्टमी या नवमी का अलग-अलग व्रत रखते हैं, ऐसे में दोनों ही इस दिन व्रत का पारण कर सकते हैं। हालांकि नवमी का व्रत रखने वाले चाहे तो 20 अक्टूबर को पारण करके पूजा-अनुष्ठान, कन्या पूजन और हवन कर सकते हैं। अगला दिन यानी 20 अक्टूबर को विजयदशमी (दशहरा) का पर्व मनाया जाएगा। हालांकि शास्त्रमत अनुसार अष्टमी और नवमी का व्रत रखने वाले दोनों श्रद्धालुओं को 19 अक्टूबर को ही सभी अनुष्ठान पूर्ण करना चाहिए।



अष्टमी और नवमी तिथि

अष्टमी का प्रारंभ: 18 अक्टूबर 2026 को रात 08:27 बजे
अष्टमी का समापन: 19 अक्टूबर 2026 को सुबह 10:51 बजे
नवमी तिथि प्रारंभ: 19 अक्टूबर 2026 को प्रात: 10:51 बजे।
नवमी तिथि समाप्त: 20 अक्टूबर 2026 को दोपहर 12:50 बजे।

अष्टमी की पूजा और पारण

18 अक्टूबर: जो लोग रात्रिकाल की पूजा करते हैं वे 18 अक्टूबर को निशा पूजा कर सकते हैं। निशा पूजा मुख्य रूप से मध्यरात्रि (निशीथ काल) में की जाती है। ऐसे श्रद्धालु 18 अक्टूबर को व्रत रखकर 19 अक्टूबर को व्रत का पारण सुबह 07:55 के बाद और 10:51 के पहले कर सकते हैं।

19 अक्टूबर: जो लोग उदयातिथि को मानते हैं वे 19 अक्टूबर को संधिकाल में पूजा और हवन करने के बाद कन्या भोज का करा सकते हैं। इसी दिन वे पारण भी कर सकते हैं। चाहे तो सभी कार्य अभिजीत मुहूर्त में संपन्न कर सकते हैं। यह मुहूर्त दिन में 11:43 से 12:29 तक रहेगा। स्थानीय समय अनुसार सभी मुहूर्त में 2 से 5 मिनट की घट-बढ़ रहती है।

नवमी पूजा और पारण

19 अक्टूबर का पूजन: 19 अक्टूबर की सुबह 10:51 बजे नवमी तिथि लगते ही दोपहर का नवमी पूजन, हवन और रात्रि कालीन साधना इसी दिन संपन्न की जाएगी।

20 अक्टूबर का उदयातिथि पूजन: जो श्रद्धालु उदयातिथि को प्रमुख मानते हैं, वे 20 अक्टूबर की सुबह नवमी पूजन, कन्या भोज और हवन का अनुष्ठान कर सकते हैं, क्योंकि दोपहर 12:50 बजे तक नवमी तिथि विद्यमान रहेगी।

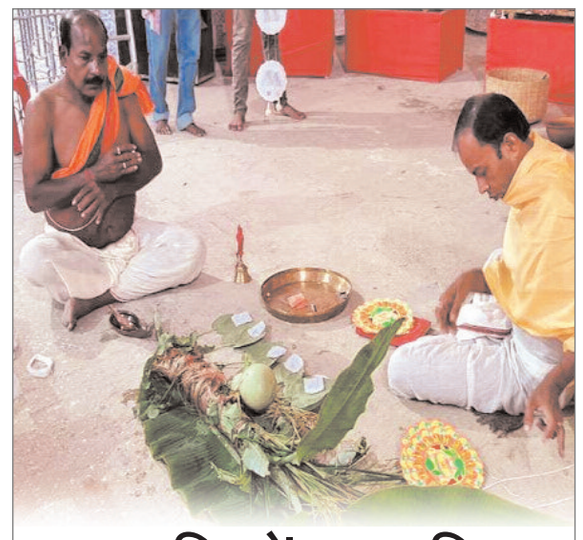
व्रत पारण का समय: नवरात्रि व्रत का पारण 20 अक्टूबर 2026 को नवमी पूजन और कन्या भोज संपन्न करने के पश्चात् दोपहर 12:50 बजे से पूर्व कर लेना शास्त्रसम्मत रहेगा।



देवी दुर्गा का वाहन शेर ही क्यों है

नवरात्रि पर माता दुर्गा की उपासना की जाती है। पुराणों में नवरात्रि की माता नौ दुर्गा के अलग अलग वाहनों का वर्णन मिलता है। जैसे शैलपुत्री माता वृषभ पर सवार है तो कालरात्रि माता गधे पर। इसी तरह प्रत्येक देवी का वाहन अलग अलग है, परंतु माता का मुख्य वाहन शेर और सिंह ही है। आओ जानते हैं इस संबंध में खास बातें।

- देवी दुर्गा सिंह पर सवार हैं तो माता पार्वती शेर (बाघ) पर। पार्वती के पुत्र कार्तिकेय का नाम स्कंद भी है इसीलिए वे स्कंद की माता कहलाती हैं उन्हें सिंह पर सवार दिखाया गया है। कात्यायनी देवी को भी सिंह पर सवार दिखाया गया है। देवी कुष्मांडा शेर (बाघ) पर सवार है। माता चंद्रघंटा भी शेर (बाघ) पर सवार है। जिनकी प्रतिपद और जिनकी अष्टमी को पूजा होती है वे शैलपुत्री और महागौरी वृषभ पर सवारी करती है। माता कालरात्रि की सवारी गधा है तो सिद्धिदात्री कमल पर विराजमान है।
- एक कथा अनुसार शिव को पति रूप में पाने के लिए देवी पार्वती ने हजारों वर्ष तक तपस्या की। तपस्या से देवी सांवली हो गई। भगवान शिव से विवाह के बाद एक दिन जब शिव पार्वती साथ बैठे थे तब भगवान शिव ने पार्वती से मजाक करते हुए काली कह दिया। देवी पार्वती को शिव की यह बात चुभ गई और कैलाश छोड़कर वापस तपस्या करने में लीन हो गई। इस बीच एक भूखा शेर देवी को खाने की इच्छा से वहां पहुंचा। लेकिन तपस्या में लीन देवी को देखकर वह चुपचाप बैठ गया। शेर सोचने लगा कि देवी कब तपस्या से उठे और वह उन्हें अपना आहार बना ले। इस बीच कई साल बीत गए लेकिन शेर अपनी जगह डटा रहा। इस बीच देवी पार्वती की तपस्या पूरी होने पर भगवान शिव प्रकट हुए और पार्वती गौरवर्ण यानी गोरी होने का वरदान दिया। इसके बाद देवी पार्वती ने गंगा स्नान किया और उनके शरीर से एक सांवली देवी प्रकट हुई जो कौशकी कहलायी और गौरवर्ण हो जाने के कारण देवी पार्वती गौरी कहलाने लगी। देवी पार्वती ने उस शेर को अपना वाहन बना लिया जो उन्हें खाने के लिए बैठा था। इसका कारण यह था कि शेर ने देवी को खाने की प्रतीक्षा में उन पर नजर टिकाए रखकर वर्षों तक उनका ध्यान किया था। देवी ने इसे शेर की तपस्या मान लिया और अपनी सेवा में ले लिया। इसलिए देवी पार्वती के वाहन माने शेर/सिंह माने जाते हैं।



नवरात्रि में नवपत्रिका पूजा में 9 पत्तियों का क्या है महत्व?

नवपत्रिका पूजा हिंदू धर्म में एक विशेष पूजा है। यह खासकर नवरात्रि के दौरान की जाती है। इस पूजा में नौ अलग-अलग पेड़ों की पत्तियों का एक गुच्छा, जिसे नवपत्रिका कहा जाता है, माता दुर्गा को अर्पित किया जाता है। यह पूजा मुख्य रूप से बंगाल, असम और ओडिशा में प्रचलित है।

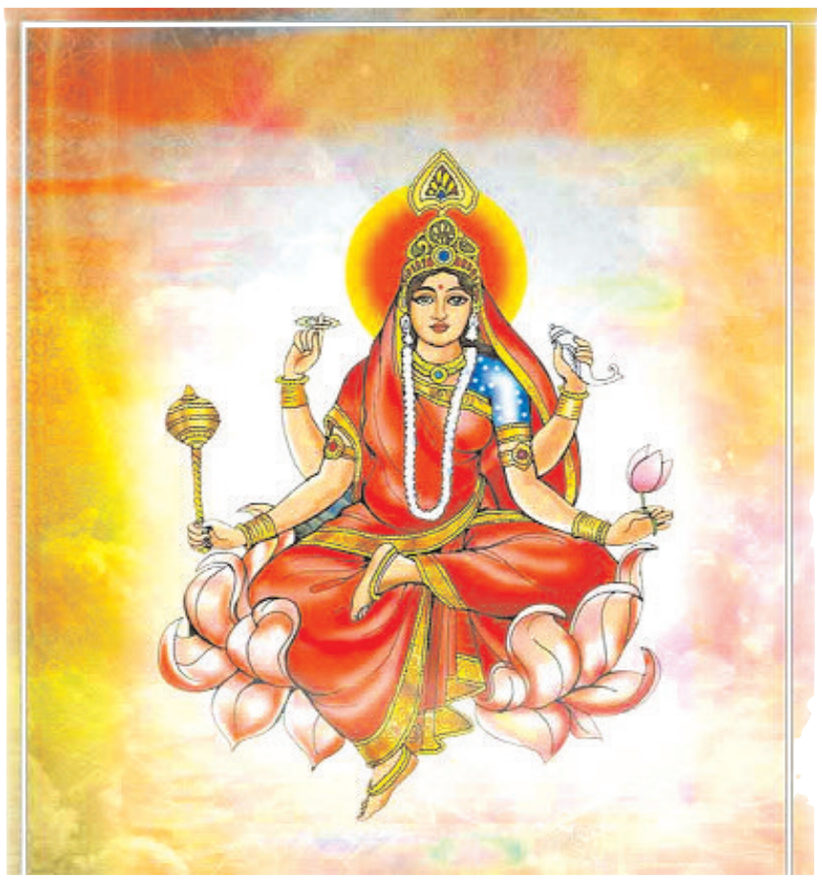
हिंदू धर्म में नवपत्रिका पूजा का विशेष महत्व है। यह पर्व विशेष रूप से बंगाल, असम और ओडिशा में प्रचलित है। यह पूजा खासकर नवरात्रि के दौरान की जाती है। जिसमें नौ अलग-अलग पेड़ों की पत्तियों को एक गुच्छा में बांधा जाता है। जिसे नवपत्रिका कहा जाता है। उसके बाद इसे मां दुर्गा को चढ़ाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि जो व्यक्ति पूरे नौ पत्तियों को पूरी श्रद्धा और शुद्धता के साथ बांधकर माता रानी को अर्पित करता है। उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। साथ ही नजरदोष से भी छुटकारा मिल जाता है। अब ऐसे में नवरात्रि के दौरान नवपत्रिका पूजा में कौन-कौन से नौ पत्तियों का गुच्छा बनाया जाता है। सभी पत्तों का महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य से विस्तार से जानते हैं।

नवपत्रिका पूजा में 9 पत्तियों का महत्व

नौ पत्ते मां दुर्गा के नौ अलग-अलग रूपों का प्रतिनिधित्व करते हैं। प्रत्येक पत्ता मां दुर्गा के एक विशिष्ट रूप की शक्ति और विशेषताओं को दर्शाता है। इन पत्तों को पवित्र माना जाता है और इन्हें मां दुर्गा को अर्पित किया जाता है। ये पवित्रता और शुद्धता का प्रतीक हैं। ये पत्ते शक्ति और उर्जा का भी प्रतीक हैं। माना जाता है कि इन पत्तों में मां दुर्गा की दिव्य शक्ति निहित होती है। नवपत्रिका पूजा करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और भक्तों पर अपनी कृपा बरसाती हैं। इस पूजा को करने से भक्तों को सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य प्राप्त होता है। यह पूजा बुरी शक्तियों से रक्षा करने में भी सहायक होती है।

केले का पत्र - केले के पत्ता शुद्धता और पवित्रता का प्रतिक है।
दारूहलदी पत्र - दारूहलदी पत्र शक्ति और उर्जा का प्रतीक है।
हल्दी पत्र - हल्दी पत्र शुभता, समृद्धि और स्वास्थ्य का प्रतीक है।
जयंती पत्र - जयंती पत्र शुभता और कामता का प्रतीक है।
बेल पत्र - बेलपत्र शांति और शक्ति का प्रतीक है।
अनार पत्र - अनार पत्र ज्ञान प्रेम और सौंदर्य का प्रतीक है।
अशोक पत्र - अशोक पत्र शुद्धता सत्य और जीत का प्रतीक है।
धान पत्र- धान पत्र समृद्धि का प्रतीक है।
अमलतास पत्र - अमलतास पत्र आशा, उल्लास, सौंदर्य, ऊर्जा आशा, उल्लास, सौंदर्य, ऊर्जा का प्रतीक है।





नवमी तिथि की ये बातें जानकर ही करें पूजा या नए कार्य

शारदीय नवरात्रि में नवमी तिथि का बहुत महत्व होता है। यह नवरात्रि की अंतिम तिथि होती है। चैत्र और शारदीय नवरात्रि में इस तिथि को माता सिद्धिदात्री देवी की पूजा होती है। आओ जानते हैं नवमी तिथि का महत्व।

- नवमी तिथि चन्द्र मास के दोनों पक्षों में आती है। इस तिथि की स्वामिनी देवी माता दुर्गा है।
- ज्योतिष के अनुसार यह तिथि रिक्ता तिथियों में से एक है। रिक्ता अर्थात खाली। इस तिथि में किए गए कार्यों की कार्यसिद्धि रिक्त होती है। यहीं कारण है कि इस तिथि में समस्त शुभ कार्य वर्जित माने गए हैं। मात्र माता की पूजा ही फलदायी होती है।
- यह तिथि चैत्रमाह में शून्य संज्ञक होती है और इसकी दिशा पूर्व है। यह उग्र अर्थात आक्रामकता देने वाली तिथि हैं।
- यह तिथि शनिवार को सिद्धदा और गुरुवार को मृत्युदा मानी गई है। अर्थात शनिवार को किए गए कार्य में सफलता मिलती है और गुरुवार को किए गए कार्य में सफलता की कोई गारंटी नहीं।
- इस तिथि में जगतजननी त्रिदेवजननी माता दुर्गा की पूजा करने से मनुष्य इच्छापूर्वक संसार-सागर को पार कर लेता है तथा हर क्षेत्र में सदा विजयी प्राप्त करता है।
- नवमी तिथि के शुक्ल पक्ष में दुर्गा की पूजा शुभ लेकिन शिव पूजन अशुभ है। हालांकि कृष्ण नवमी को शिव पूजन कर सकते हैं।
- जीवन में यदि कोई संकट है अथवा किसी प्रकार की अड़चनें आने से काम नहीं हो पा रहा है तो जातक दुर्गा नवमी के दिन दुर्गा सप्तशती का पाठ करके विधिवत समापन करें और कन्याओं को भोज कराएं।
- नवमी के दिन लौकी खाना निषेध है, क्योंकि इस दिन लौकी का सेवन गौ-मांस के समान माना गया है। इस दिन कड़ी, पूरणपौल, खीर, पूरी, साग, भजिये, हलवा, कद्दू या आलू की सब्जी बनाई जा सकती है।
- नवमी तिथि में जन्म लेने वाला जातक देवों का भक्त होता और पुत्रवान होता है। जातक अपने बाहुबल से विजय पाने की कोशिश करता है। हालांकि उसमें त्याग और समर्पण होता है। इस तिथि में जन्मा जातक धनार्जन में कुशल होता है।
- कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी अक्षय एवं आंवला नवमी के नाम से मनाई जाती है। इस दिन भगवान विष्णु का पूजन होता है और आंवले के वृक्ष की पूजा भी की जाती है। अश्विन माह की शारदीय नवरात्रि में दुर्गा की पूजा होती है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी को राम नवमी के रूप में उत्साह और हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्रीराम का पूजन और वंदन करने से सुख, समृद्धि और शांति बढ़ती है। साथ ही संतान सुख की प्राप्ति होती है।



कोई भी पात्र मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे: जिला निर्वाचन अधिकारी



गौतमबुद्धनगर। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में आज जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी गौतमबुद्धनगर की अध्यक्षता में एनआईसी सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों, निर्धारित समय-सारिणी तथा मतदाता पंजीकरण के लिए आयोजित किए जाने वाले विशेष अभियानों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदाता पंजीकरण से छूटे पात्र मतदाता तथा प्रथम बार मतदाता बनने वाले युवाओं के नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित कराने के उद्देश्य से 17 अक्टूबर 2026 (शनिवार) एवं 24 अक्टूबर 2026 (शनिवार) को विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे। इन विशेष अभियानों के दौरान जनपद के समस्त मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल अधिकारी प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक उपस्थित रहेंगे। प्रत्येक मतदान केंद्र पर हेल्प डेस्क स्थापित की जाएगी, जहां मतदाताओं को आवेदन भरने एवं पंजीकरण संबंधी प्रक्रिया में सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए फॉर्म-6 सहित आवश्यक प्रपत्र तथा निर्वाचक नामावली एवं उसकी पूरक सूचियां बूथ लेवल अधिकारियों के पास उपलब्ध रहेंगी।

बैठक में मा0 भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया गया कि मतदेय स्थलों के युक्तिकरण एवं पुनर्व्यवस्थापन की कार्यवाही 02 नवंबर 2026 तक पूरी की जानी है। एकीकृत प्रारूप निर्वाचक नामावलियों का प्रकाशन 12 नवंबर 2026 को किया जाएगा। दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक निर्धारित है। प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा तथा निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 04 जनवरी 2027 को होगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन कर 18 अक्टूबर 2026 तक प्रारूप सूची तैयार कर जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराई जाएगी। इसके उपरांत 19 अक्टूबर 2026 को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर प्रारूप सूची पर विचार-विमर्श किया जाएगा तथा उनके सुझाव एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का प्रमुख उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित होने से वंचित न रहे। उन्होंने संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदाता पंजीकरण अभियान का प्रभावी ढंग से संचालन करते हुए पात्र मतदाता, विशेषकर युवा एवं प्रथम बार मतदाता बनने वाले को जागरूक किया जाए। मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया के संबंध में आमजन को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई जाए, ताकि सभी पात्र नागरिक निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार अपना पंजीकरण करा सकें। उन्होंने निर्वाचन संबंधी कार्यों को पारदर्शी, सुव्यवस्थित एवं समयबद्ध ढंग से संपन्न कराने के निर्देश भी दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपेक्षा की। साथ ही सम्बंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, बीएलओ को जनपद की समस्त आरडब्ल्यूए एवं एओए सोसाइटियों के अध्यक्षों का सहयोग लेकर अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवासीय सोसाइटियों के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं तक मतदाता पंजीकरण संबंधी जानकारी पहुंचाई जाए तथा पात्र मतदाताओं को निर्वाचक नामावली में अपना नाम सम्मिलित कराने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, बी0एल0ओ0, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं सोसाइटी प्रबंधन आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए इस अभियान को जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप प्रदान करें।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सम्बंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश दिए कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम एवं विशेष अभियान की तिथियों का वृहद स्तर पर भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि जनपद का कोई भी पात्र मतदाता पंजीकरण के अवसर से वंचित न रहे। उन्होंने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा आरडब्ल्यूए एवं एओए सोसाइटियों से समन्वित प्रयासों के साथ इस महत्वपूर्ण कार्य में सहयोग करने की अपेक्षा की, जिससे मा0 भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा सके।

बैठक में डिप्टी कलेक्टर/प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी अरूण कुमार, उप जिलाधिकारी सदर आशुतोष गुप्ता, उप जिलाधिकारी जेवर दुर्गेश सिंह सहित भाजपा से जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी, जिला उपाध्यक्ष महेश अवाना, नोएडा उपाध्यक्ष युद्धवीर चौहान, सीपीआई (एम) से प्रतिनिधि सचिव रवि बरगोति, प्रतिनिधि सौम्या वत्स, बहुजन समाज पार्टी से जिला अध्यक्ष लखमी सिंह, कोषाध्यक्ष इन्साद अली, विधानसभा प्रभारी ओमप्रकाश सिंह, समाजवादी पार्टी से प्रदेश सचिव गजेन्द्र सिंह यादव, कांग्रेस से उपाध्यक्ष नीरज लोहिया एवं संबंधित मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पुलिस मुठभेड़ के बाद दो शातिर लुटेरे गिरफ्तार

नोएडा। थाना सेक्टर-39 पुलिस ने बृहस्पतिवार देर रात एक मुठभेड़ के बाद दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपियों के पैर में गोली लग गई, जिसके बाद उन्हें घायल अवस्था में पुलिस ने उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान दिल्ली के भजनपुरा निवासी सलमान (30) और तनवीर (37) के रूप में हुई है। इन दोनों बदमाशों का आपराधिक इतिहास बहुत लंबा रहा है और दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न थानों में इनके खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सलमान के खिलाफ लूट, चेन स्नैचिंग और चोरी समेत कुल 48 मुकदमे दर्ज हैं, जबकि उसके साथी तनवीर के खिलाफ इसी तरह के 44 मुकदमे दर्ज हैं।

एडीसीपी नोएडा अभय कुमार मिश्रा ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि सेक्टर-43 के पास दादरी रोड स्थित नर्सरी के नजदीक पुलिस की टीम संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सेक्टर-49 रेड लाइट की ओर से एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर दो व्यक्ति आते हुए दिखाई दिए। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने जब उन्हें रुकने का इशारा किया, तो वे रुकने के बजाय अपनी बाइक की रफ्तार तेजी से बढ़ाकर स्टेलर ग्रीन पार्क की ओर भागने लगे। पुलिस टीम ने तुरंत उनका पीछा किया और वायरलेस के जरिए अन्य पुलिसकर्मियों को इस घटना की सूचना दी। पुलिस के मुताबिक, खुद को चारों तरफ से घिरता देख आरोपियों ने सोमबाजार से स्टेलर ग्रीन पार्क के पास जंगल की ओर जाने वाले रास्ते पर भागने का प्रयास किया। उसी दौरान हुई बारिश के कारण उनकी मोटरसाइकिल अचानक फिसलकर जमीन पर गिर गई।

तमंचे और नकदी बरामद: बाइक गिरने के बाद भी आरोपियों ने कानून के शिकंजे से बचने के लिए पुलिस टीम पर सीधी फायरिंग कर दी। इसके जवाब में पुलिस ने भी आत्मरक्षार्थ गोली चलाई, जिसमें दोनों आरोपी घायल हो गए।पुलिस ने घटनास्थल से उनके कब्जे से .315 बोर के दो अवैध तमंचे, दो खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस और एक चोरी की रॉयल एनफील्ड हंटर-350 मोटरसाइकिल बरामद की है। इसके साथ ही उनके पास से 2.19 लाख रुपये नकद भी मिले हैं।

एक करोड़ से ज्यादा बड़े बकाएदारों से होगी वसूली

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने एक करोड़ रुपये से अधिक के बकायेदारों से एक नवंबर तक वसूली करने के निर्देश दिए हैं। जिन बकायेदारों का मामला किसी अदालत में लंबित नहीं है, उनसे निर्धारित समय में बकाया राशि वसूल की जाएगी। भुगतान नहीं करने पर संबंधित के खिलाफ कानूनी कार्रवाई, रिकवरी आदेश जारी कराने और मामले को आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

वहीं, प्राधिकरण क्षेत्र में अधिसूचित और अधिग्रहीत जमीन पर बने अवैध निर्माणों को सील करने को कहा गया है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्ण करुणेश ने प्राधिकरण के विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। बैठक में सफाई व्यवस्था, निर्माण कार्य, महत्वपूर्ण परियोजनाओं, सड़कों, शौचालयों, ईवी चार्जिंग स्टेशन और किसानों से जुड़े मामलों की समीक्षा की गई। प्राधिकरण ने सलारपुर, भंगेल, गेझा, शाहपुर गोवर्धनपुर और हाजीपुर में चिह्नित जमीन पर बने अवैध निर्माणों को सील करने के निर्देश दिए हैं। संबंधित खसरा नंबरों पर कानूनी कार्रवाई पूरी कर निर्माण सील किए जाएंगे। इसकी सूचना सब रजिस्ट्रार को भी भेजी जाएगी, ताकि इन संपत्तियों के संबंध में अवैध रूप से लीज डीड न हो सके।

सेक्टर-145 में दिवाली से मिलेंगे भूखंड: सेक्टर-145 में पांच प्रतिशत आबादी श्रेणी के आवंटित भूखंडों का कब्जा देने की प्रक्रिया दिवाली से शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, न्यू नोएडा में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज करने को कहा गया है। प्राधिकरण के मुताबिक, यहां भूमि अधिग्रहण के लिए दरें निर्धारित हो चुकी हैं और 281 किसानों ने आपसी सहमति से जमीन देने के लिए सहमति पत्र जमा कराए हैं।

त्योहारों पर सफाई और रोशनी पर जोर: आगामी त्योहारों को देखते हुए प्रमुख स्थलों और बाजारों में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। सड़कों की मरम्मत, लाइटिंग और मूर्ति विसर्जन के लिए कृत्रिम तालाब तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण मजबूत करने के लिए गांवों में अतिरिक्त वाहन लगाए जाएंगे। कूड़ा संग्रहण वाहनों को प्राथमिकता के आधार पर 70 प्रतिशत इलेक्ट्रिक और 30 प्रतिशत सीएनजी में बदलने की प्रक्रिया भी चल रही है।

क्रेताओं ने की मेले की अद्भुत विविधता और आपूर्तिकर्ताओं के साथ बने स्थायी संबंधों की सराहना

नोएडा। 13 से 17 अक्टूबर 2026 तक ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित हो रहे आईएचजीएफ दिल्ली मेला-ऑटम 2026 के 62वें संस्करण में लंबे समय से जुड़े स्थायी और परंपरागत प्रतिभागी के साथ ही पहली बार आने वाले व्यापारिक आगंतुकों की भारी संख्या देखी जा रही है। इस मेले में समृद्ध कारीगरी की परंपरा और प्रचुर कच्चे माल पर आधारित उत्पाद प्रस्तुत किए जा रहे हैं जो भारत की विविध भौगोलिक और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं। आयोजन हॉलों में 3,000 से अधिक प्रदर्शक, 900 स्थायी शोरूम, थीम-आधारित प्रस्तुतियाँ, लाइव प्रदर्शन तथा अनेक सहायक कार्यक्रम इसे एक व्यापक मेले का स्वरूप दे रहे हैं। मेले में प्रदर्शित उत्पादों के प्रति खरीदारों के रुझान देखते हुए, हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने कहा, 'व्यापारिक गतिविधियों के चार दिन बाद, मेला ऐसे समय पर पहुँचा है जहाँ



प्रदर्शकों और खरीदारों के बीच बहुत बड़ी संख्या में संवाद हुआ और मेले में प्रदर्शित अधिकांश श्रेणियों के प्रति खरीदारों की मजबूत रुचि देखी गई। होम, गिफ्टिंग, लाइफस्टाइल, फैशन, फर्निशिंग, फर्नीचर और इंटीरियर्स वर्ग में काफी रुचि देखी गयी। फर्नीचर सेक्टर में ऐसे उत्पादों पर ज़ोर दिया जा रहा है जो उपलब्ध स्पेस के हिसाब से हों और आराम, उपयोगिता और आधुनिक आकर्षण प्रदान करते हों।

इस सीज़न में डिज़ाइन रुझानों में ऐसे सौंदर्यबोध पर अधिक ध्यान दिया गया जो अर्थपूर्ण हो जिसमें सस्टेनेबिलिटी को कारीगरी के साथ, महसूस किए जा सकने वाली बनावट को प्रभावशाली प्रिंट्स के साथ, तथा पारंपरिक सामग्री की कहानियों को आधुनिक डिज़ाइन संवेदनशीलता के साथ जोड़ा गया। स्टेटमेंट पीस के तौर पर आधुनिक जीवनशैली के अनुरूप संग्रहों पर क्रेताओं का ज्यादा ध्यान देखा गया, जबकि विभिन्न श्रेणियों और कीमतों में गुणवत्तापूर्ण उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला ने अलग अलग तरह की सोर्सिंग जरूरतों और बजट वाले खरीदारों के लिए आईएचजीएफ दिल्ली मेले की अपील को रेखांकित किया। '

आज मेले में खरीदारों की भावना को समझाते हुए, ईपीसीएच के महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने कहा, 'उपभोक्ताओं की प्राथमिकताएँ अब ऐसे उत्पादों की ओर बढ़ रही हैं जो संतुलन, आराम और भावनात्मक स्वास्थ्य और सोच प्रदान करते हैं। प्राकृति आधारित सामग्री, महसूस की जा सकने वाली बनावट, असली कारीगरी और प्रकृति से प्रेरित डिज़ाइन–जिन क्षेत्रों में हमारे निर्माताओं ने अपनी विशेष पहचान बनाई है–अधिक महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं।

रामलीला बताती है कि सत्य के मार्ग पर चलकर बड़े से बड़े दुष्टों का संहार करना आसान हो जाता है: नवाब सिंह नागर

नोएडा। श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी द्वारा 10 वर्षों से शुरू की गई रामलीला के छठवें दिन यानी शुक्रवार को मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री राकेश यादव मौजूद रहे।

वही मुख्य अतिथि के रूप में इंदु प्रकाश सिंह ओएसडी नोएडा प्राधिकरण और विजय रावल महाप्रबंधक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने दीप प्रज्ज्वलन के बाद रामलीला का शुभारंभ कराया।

भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर ने कहा की मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने काफी कठिनाइयां झेलने के बाद सत्य का रास्ता नहीं छोड़ा और सत्य के रास्ते पर चलकर महान बलशाली रावण जैसे का संहार किया, प्रत्येक व्यक्ति को सत्य के रास्ते पर चलकर भगवान श्री राम की तरह कार्य करना चाहिए।

रामलीला हमें यही सीख देती है।



इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं सपा के वरिष्ठ नेता राकेश यादव ने कहा कि वे रामलीला कराने वाले आयोजकों को बधाई देते हैं कि इतनी सफल लीला वे कर रहे हैं।

राम लखन धार्मिक लीला कमेटी के सभी पदाधिकारी एवं उपस्थित श्रद्धालुओं का स्वागत करते हैं।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद नोएडा प्राधिकरण के ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह, विजय रावल महाप्रबंधक ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण,

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि प्रदीप अग्रवाल पूर्व अध्यक्ष अग्रवाल मित्र मंडल, अनुज गुप्ता पूर्व कोषाध्यक्ष, दीपक विग पूर्व महानगर अध्यक्ष सपा, राधा कृष्ण,सुभाष भाटी पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं वरिष्ठ नेता सपा, अनुज गुप्ता आरडब्ल्यूए अध्यक्ष सेक्टर 11, मनोज गोयल आदि मौजूद थे। इस अवसर पर छठवें दिन की रामलीला मंचन में श्री राम केवट मिलन, श्री राम सीता का चित्रकूट में प्रवेश तथा भरत शत्रुघ्न का अयोध्या में प्रवेश और भरत कैकई संवाद, भरत का अयोध्या की सेवा सहित चित्रकूट में श्री राम से मिलन और अयोध्या वापस चलने का अनुरोध तथा प्रभु राम जी का चित्रकूट छोड़कर दंडक वन जाना और हनुमान जी का आगमन तथा सूर्पनखा का दंडक वन में प्रवेश के अलावा नारद जी से सूर्पनखा का संवाद, नारद जी का सूर्पनखा को लक्ष्मण जी के पास भेजना और लक्ष्मण जी द्वारा सूर्पनखा की नाक ,कान ,काटने और खरदूषण का वध होने की लीला का बेहतर तरीके से मंचन किया गया। इस अवसर पर आयोजन समिति के चेयरमैन मनोज अग्रवाल, सीएम डी,प्रिया गोल्ड,वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन, पूनम सिंह, अध्यक्ष विपिन अग्रवाल, महासचिव गिर्राज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, पं कृष्णा स्वामी, संजय गोयल, आलोक गुप्ता, गौरव कुमार यादव, रामवीर यादव, अशोक गोयल, विकास बंसल ,संदीप अग्रवाल, सुशील कुमार सिंघल, पीयूष गोयल, कार्तिक मिश्रा, रामरतन शर्मा, डॉ योगेंद्र सिंह ,अरुण चौहान, सुमित अग्रवाल, डॉक्टर श्वेता गोयल, शुभम गर्ग, रमेश गोयल, शेषनाथ मिश्रा , गौरव यादव, रामवीर यादव, मुकेश शर्मा पीयूष गोयल कार्तिक मिश्राआदि मौजूद थे।

आपदा से बचाव एवं राहत कार्यों के लिए स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को किया जा रहा प्रशिक्षित

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, लखनऊ एवं जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर के निर्देशों के क्रम में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर द्वारा आपदा जोखिम न्यूनीकरण में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की भूमिका विषय पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस आज आपदा प्रशिक्षण हॉल, कलेक्ट्रेट गौतमबुद्धनगर में प्रशिक्षण गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी अंकित कुमार सिंह उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस लगभग 50 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आपदा प्रबंधन, जोखिम न्यूनीकरण, विभिन्न प्रकार की आपदाओं से बचाव तथा आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी कार्रवाई के लिए सक्षम बनाना है, ताकि वे अपने परिवार एवं समुदाय को जागरूक करने के साथ ही आपदा के समय राहत एवं बचाव कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा सकें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), अग्निशमन विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा संबंधित विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रतिभागियों को आपदा के दौरान बचाव एवं राहत कार्यों, अग्निकांड से सुरक्षा, प्राथमिक चिकित्सा तथा बुनियादी जीवन रक्षक कौशल के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही, आपदा प्रबंधन से संबंधित वीडियो एवं सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) सामग्री के माध्यम से भी महिलाओं को जागरूक किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को विभिन्न प्रकार की आपदाओं के समय बरती जाने वाली सावधानियों, आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया तथा सामुदायिक सहभागिता के महत्व से अवगत कराया गया। मास्टर ट्रेनरों के मार्गदर्शन में आयोजित प्रशिक्षण गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन के व्यावहारिक पहलुओं की जानकारी दी गई, जिससे वे आपदा की स्थिति में स्वयं सुरक्षित रहने के साथ ही अन्य लोगों की सहायता करने में भी सक्षम हो सकें।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की क्षमता वृद्धि, सामुदायिक स्तर पर आपदा से निपटने की तैयारियों को सुदृढ़ करने तथा आपदा जोखिम न्यूनीकरण में जनसहभागिता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आगामी दिवस में भी प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), अग्निशमन एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, मास्टर ट्रेनर अजय पंवार, विजयपाल सिंह एवं श्रीयांश चतुर्वेदी, लेखाकार अभिषेक चौहान सहित अन्य संबंधित कर्मचारी एवं प्रशिक्षक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन जिला आपदा विशेषज्ञ ओमकार चतुर्वेदी द्वारा किया जा रहा है।

त्योहारों से पहले नोएडा में सफाई और विकास कार्यों को लेकर प्राधिकरण सख्त, 31 अक्टूबर तक सड़कों की री-सर्फेसिंग के निर्देश

नोएडा। आगामी त्योहारों के मद्देनजर नोएडा में सफाई व्यवस्था, सड़कों की मरम्मत, प्रकाश व्यवस्था और सार्वजनिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्राधिकरण ने अपनी तैयारियां काफी तेज कर दी हैं। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्णा करुणेश ने विभिन्न विभागों के चल रहे कार्यों की उच्च स्तर पर समीक्षा की है। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कई बेहद महत्वपूर्ण और सख्त निर्देश जारी किए हैं। बैठक में वायु प्रदूषण की रोकथाम करने, अवैध अतिक्रमण को पूरी तरह हटाने, एलिवेटेड रोड से जुड़ी परियोजनाओं, ईवी चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने और लंबे समय से रुकी बकाया राशि की वसूली को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्णा करुणेश ने निर्देश दिए हैं कि त्योहारों का समय शुरू होने से पहले शहर के तमाम प्रमुख स्थलों, व्यस्त बाजारों और सभी सार्वजनिक स्थानों पर एक विशेष सफाई अभियान चलाया जाना चाहिए। इसके साथ ही सड़कों की मरम्मत का काम और उचित लाइटिंग की व्यवस्था भी पूरी तरह सुनिश्चित की जाए। लोगों की धार्मिक भावनाओं और सुविधाओं का ध्यान रखते हुए मूर्ति विसर्जन और अर्घ्य के लिए जितने भी स्थान चिह्नित किए गए हैं, वहां पर कृत्रिम तालाब तैयार किए जाएं ताकि शहरवासियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के लिए डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण प्रणाली को बहुत मजबूत करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं। गांवों के भीतर भी कूड़ा एकत्र करने के कार्य को सुचारू चलाने के लिए अतिरिक्त वाहन खरीदकर तैनात किए जाएंगे। प्राधिकरण कूड़ा संग्रहण करने वाले इन सभी वाहनों में 70 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहनों और 30 प्रतिशत सीएनजी वाहनों को शामिल करने की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। इसके लिए जो विशेष आकलन तैयार किया गया है, उसे परीक्षण के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के पास भेजा जा चुका है।

अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि वे नियमित रूप से अपने क्षेत्र की सफाई व्यवस्था का जमीनी निरीक्षण करें। इस नियम के तहत संबंधित अवर अभियंताओं को सुबह आठ बजे तक और प्रबंधकों को नौ बजे तक अपने निर्धारित क्षेत्र में अनिवार्य रूप से पहुंचकर निरीक्षण करना होगा। औचक निरीक्षण के समय संबंधित कर्मचारियों को अपनी लाइव लोकेशन भी साझा करनी होगी। इसके अलावा आने वाले त्योहारों के मद्देनजर प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष सफाई अभियान निरंतर चलाया जाएगा। वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए प्राधिकरण ने अभी से अपनी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं। ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) लागू होने से पहले यानी 31 अक्टूबर तक शहर की सभी सड़कों की री-सर्फेसिंग कराने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। भवनों के भीतर रूफटॉप स्प्रिंकलर लगाने के लिए एक विशेष एडवाइजरी भी जारी की जाएगी। शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) की सही निगरानी रखने के लिए बड़े पैमाने पर डिस्प्ले लगाने की व्यवस्था भी की जाएगी।

जनपद का खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग एक्शन में

गौतमबुद्धनगर। शारदीय नवरात्रि पर्व के दृष्टिगत जनपद वासियों को शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारीगण खाद्य प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु संग्रहित कर रहे हैं।

इसी श्रृंखला में सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने बताया कि खाद्य सुरक्षा विभाग की अलग अलग टीमों द्वारा जनपद में 15.10.26 को देर रात्रि तक तथा 16.10.26 को छापेमारी अभियान जारी रखा गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार, रितु सक्सेना टीम द्वारा सेक्टर 63, सेक्टर 67 एवं सेक्टर 68 स्थित मिठाई एवं नमकीन निर्माणशाला का निरीक्षण करके खोया का 01 एवं नमकीन में प्रयुक्त किए जाने वाले टकाटक मसाले का 01 नमूना लिया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी रविंद्र नाथ वर्मा की टीम द्वारा दादरी स्थित ऑनलाइन प्लेटफॉर्म प्रोजो से वैद्यनाथ शहद के अलग अलग बैच के कुल 02 नमूने लिए गए तथा लेबल पर यूज़ बाय डेट अथवा एक्सपायरी तिथि अंकित न



होने के व मिथ्याछाप होने कारण सीज किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ओ पी सिंह तथा अमर बहादुर सरोज की टीम द्वारा ईकोटेक 01 स्थित डोमिनोज पिज्जा की बेस किचिन से रिफाइंड सोयाबीन ऑयल खुला, रिफाइंड सोयाबीन ऑयल पैक, पनीर तथा वेज मोमोज़ का 01-01 नमूना लिया गया तथा सफाई एवं स्वच्छता संतोषजनक न पाए जाने पर सुधार नोटिस जारी किया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी विजय बहादुर पटेल एवं विशाल गुप्ता की टीम द्वारा सेक्टर 44 नोएडा स्थित स्विग्गी इंस्टमार्ट तथा सेक्टर 142 स्थित बिग बॉस्केट स्टोर का निरीक्षण किया गया और सफाई एवं स्वच्छता संतोषजनक न मिलने तथा आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत न किए जाने पर नोटिस जारी किया गया। मेरठ से आए खाद्य सुरक्षा अधिकारी सत्येंद्र तोमर की टीम द्वारा तुगलपुर ग्रेटर नोएडा स्थित जेप्टो स्टोर से भुना चना का 01 नमूना लेकर स्वच्छता एवं सफाई संतोषजनक न होने तथा आवश्यक अभिलेख मौके पर न दिखाए जाने पर नोटिस जारी किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार एवं विजय बहादुर पटेल की टीम द्वारा नॉलेज पार्क 3 स्थित फ्लिपकार्ट स्टोर का निरीक्षण किया गया तथा सरसों के तेल का 01 नमूना लेकर लगभग 40 किलोग्राम सरसों का तेल लेवल पर बैच नंबर, पैकिंग तिथि एवं एक्सपायरी तिथि अंकित न होने के कारण सीज कर दिया गया। इस प्रकार कुल 10 नमूनें लेकर जांच हेतु प्रयोगशाला प्रेषित किये जा रहे हैं। समस्त खाद्य सामिग्री विक्रेताओं को सख्त हिदायत दी गई किसी प्रकार की खाद्य सामिग्री खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत लाइसेंसी/पंजीकृत आपूर्तिकर्ता से खरीदें तथा खरीद बिल अवश्य लिए जाएं और निर्माण तिथि व बैच नंबर आदि देखकर ही खाद्य सामग्री प्राप्त करें व उपभोक्ताओं को बिक्री करें।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय ने बताया कि आगे भी इसी प्रकार से जिलाधिकारी के निर्देशन में जांच अभियान संचालित करते हुए नमूने संग्रहित करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि जनपद वासियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध हो सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

श्रीराम मित्र मण्डल ने किया कैकेयी का हठ, श्रीराम का त्याग व वनवास और केवट की श्रद्धा का मंचन

नोएडा। श्रीराम मित्र मण्डल नोएडा रामलीला समिति द्वारा सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में आयोजित श्रीरामलीला मंचन के छठे दिन मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री विमला बाथम,भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल,यूनाइटेड हिन्दू फ्रंट के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जयभगवान गोयल,रामरतन शर्मा,आदि द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर रामलीला का शुभारंभ किया गया।श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग,अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव डॉ?मुन्ना कुमार शर्मा द्वारा मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर और अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया गया।



रामलीला मंचन में उधर देवता सोचते हैं कि अगर राम को वनवास नहीं होता है तो निशाचरों का नाश कैसे होगा?इसके लिए उन्होंने सरस्वती जी से प्रार्थना की और सरस्वती कैकेयी की दासी मंथरा की बुद्धि फेर देती हैं।मंथरा कैकेयी को समझाती हैं कि इस राजतिलक में सिर्फ राम का भला है।भरत को कुछ नहीं मिलेगा।कैकेयी कोप भवन में चली जाती हैं और जब राजा दशरथ कैकेयी से कोप भवन में जाने का कारण पूछते हैं तो वह राजा को पहले दिये गये उनके वचन को याद दिलाती हैं कि समय आने पर दो वरदान मांग लेना,मैं पहला वरदान भरत को राज व दूसरा रामको 14 वर्ष का वनवास मांगती हूँ। राजा के समझाने के बावजूद कैकेयी नहीं मानती हैं तो यह सुनकर दशरथ हे राम! हे राम! कहते हुए मूर्छित होकर जमीन पर गिर पड़ते हैं। भगवान राम,मंत्री सुमंत,लक्ष्मण व सीता को रथ पर बिठाकर नगर के बाहर ले जाते हैं श्रृंगवेरपुर पहुंचने पर गंगा जी में स्नान करते हैं।श्रीराम आगमन सुनकर निषादराज गुहा भगवान राम की आव भगत करता है और इस के बाद सुमंतजी अयोध्या वापस लौट आते हैं।राजा दशरथ,राम के वियोग में अपने प्राण त्याग देते हैं।भगवान राम सीता लक्ष्मण के साथ गंगा तट पर पहुँचते हैं जहाँ पर भक्त केवट और भगवान का सुंदर संवाद होता है।भगवान राम गंगा तट पर पहुंचकर केवट से नाव मांगते हैं''मागी नावन केवटु आना।कहइ तुम्हार मरमु मैंजाना''। लेकिन केवट नाव नहीं लाता है और कहता है कि प्रभु में आपके मर्म को जानता हूँ।जिस तरह आपके चरण रज का स्पर्श पाते ही पत्थर की शिला सुन्दर नारी बन गई,अगर मेरी नाव भी स्त्री बन गई तो मेरी रोजी रोटी चली जायेगी।यदि आपको गंगा के पार उतरना है तो मुझे अपके पैर धोने दें प्रभु।भगवन मुझे गंगा पर उतरने की कोई कीमत नहीं चाहिए।प्रभु आप भी मल्लाह ही हैं आप भवसागर के पार उतारते हैं और मैं गंगा के पार।मैं आपको गंगा के पार उतार देता हूँ,प्रभु मुझे भवसागर के पार उतार देना।यह कहकर वह प्रभु के चरण धोने लगता है।चरण धोने के बाद अपने परिवार सहित चरणोदक को पीकर भगवान राम को सीता व लक्ष्मण सहित गंगा के पार उतार देता है।समिति के अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने बताया कि 17 अक्टूबर को भरत-कैकई संवाद,राम-भरत मिलाप,सुपर्णखा प्रसंग, खरदूषण वध,रावण सभा,मारीच वध,सीता हरण,जटायु वध,राम सुग्रीव मित्रता,बाली वध,आदि प्रसंगों का मंचन किया जायेगा।

इस अवसर पर समिति के कार्यकारी अध्यक्ष राजकुमार गर्ग, कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग, सह-कोषाध्यक्ष अनिल गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल, चौधरी रविंद्र सिंह,तरुणराज, पवन गोयल, बजरंग लाल गुप्ता, एस एम गुप्ता,गौरव मेहरोत्रा,अजीत चाहर,सलाहकार मनोज शर्मा, मुकेश गोयल,मुकेश अग्रवाल,मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता, गिरिराज बहेडिया,चक्रपाणि गोयल, नवीन पोरवाल, अनंत वर्मा,राजेश माथुर, भानुप्रताप सिंह, आर के उप्रेती, मनीष गोयल,दयाशंकर तिवारी,बाबूराम शर्मा, राजकुमार बंसल, तिलकराज मित्तल, रामकुमार शर्मा, बीके राय,मनीष चौहान, नरेंद्र आर्य, प्रवीण गोयल,सहित श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के सदस्यगण व शहर के गणमान्य व्यक्ति उपस्तिथ रहे।

भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाएं : हरीश वर्मा



नोएडा। 15 अक्टूबर 2026 को सेक्टर-62,नोएडा स्थित श्री राममित्र मंडल रामलीला महोत्सव के पंचम दिवस का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी से पूर्वांचल मोर्चा के नोएडा महानगर अध्यक्ष हरीश वर्मा ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन हमें सत्य,मर्यादा,त्याग,करुणा और कर्तव्यनिष्ठा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है,रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं,बल्कि हमारी समृद्ध भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और नैतिक मूल्यों का प्रतीक है। भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर हम एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं।उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी भाईचारे, सद्भाव, प्रेम और एकता को मजबूत करते हैं। रामलीला की परंपरा हमारी आने वाली पीढ़ियों को भारतीय संस्कृति और भगवान श्रीराम के आदर्शों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है।

समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग,अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव आचार्य डॉ. मुन्ना कुमार शर्मा ने अतिथियों को स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया।

नोएडा में अवैध निर्माण पर चलेगा बुलडोजर

नोएडा। नोएडा में अवैध निर्माण और प्राधिकरण की जमीन पर कब्जे के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। नोएडा प्राधिकरण सभी वर्क सर्किलों में सर्वे कराएगा। इसके लिए अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में अवैध निर्माण और अतिक्रमण चिह्नित कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। प्राधिकरण के सीईओ कृष्ण करुणेश ने समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए।

शहर में प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन पर अवैध कब्जे और अनधिकृत निर्माण की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। ऐसे में अब सभी वर्क सर्किलों से क्षेत्रवार जानकारी जुटाई जाएगी। इससे अवैध निर्माण और अतिक्रमण वाले स्थानों की पहचान कर कार्रवाई की जा सकेगी। प्राधिकरण ने जून 2026 में सलारपुर, भंगेल और हाजीपुर क्षेत्र में अधिसूचित जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर सार्वजनिक सूचना जारी की थी। इसमें अनधिकृत निर्माण और कब्जे के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी। प्राधिकरण ऐसे मामलों में ध्वस्तीकरण और सीलिंग की कार्रवाई भी करता रहा है। अब सभी वर्क सर्किलों में सर्वे के जरिए शहर के अन्य क्षेत्रों में भी अवैध निर्माण की स्थिति का पता लगाया जाएगा।

खाली प्लॉटों का भी जुटाया जाएगा ब्योरा: सीईओ ने अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में खाली पड़े प्लॉट और जमीनों की रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश भी दिए हैं। इससे प्राधिकरण की खाली जमीनों की स्थिति स्पष्ट होगी। जमीन की उपलब्धता और उसकी स्थिति के आधार पर आगे आवंटन की प्रक्रिया पर काम किया जा सकेगा। इससे प्राधिकरण को राजस्व प्राप्त करने में भी मदद मिलेगी।

1.84 लाख रुपये की जाली करेंसी के साथ चार गिरफ्तार

नोएडा। नालेज पार्क कोतवाली पुलिस ने जाली नोटों का कारोबार करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 200-200 रुपये के 920 जाली नोट बरामद किए हैं। इनकी कुल कीमत 1.84 लाख रुपये है। इसके अलावा अपराध से संबंधित 1000 रुपये का असली नोट और बिना नंबर प्लेट की स्विफ्ट डिजायर कार भी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार आरोपी लोगों को तीन गुना रुपये देने का झांसा देकर नकली नोटों के बदले असली रुपये हासिल करते थे।



डीसीपी ग्रेटर नोएडा श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि नालेज पार्क पुलिस ने चारों आरोपितों को ग्राम कोण्डली पुस्ता के पास गढ़ी समस्तीपुर जाने वाले पक्के रास्ते के मोड़ के पास से गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान अर्जुन सिंह (22) निवासी ग्राम ग्वाडिया, कोतवाली नगर सुल्तानपुर, शशांक गुप्ता (19) निवासी हैदरगंज कोतवाली अयोध्या, शान्तनु सिंह (19) निवासी हरिहरपुर कमलपुर सीतापुर और वैभव शुक्ला (19) निवासी टन्डौली महाराजगंज अयोध्या के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि गिरोह की साजिश की शुरुआत वर्ष 2024 में हुई थी। पुलिस के मुताबिक, अर्जुन सिंह उस दौरान अयोध्या जेल में कुबेर सिंह नामक व्यक्ति के साथ बंद था। जेल में दोनों की मुलाकात हुई। इसी दौरान जाली नोट तैयार कर उन्हें असली बताकर इस्तेमाल करने की योजना बनाई गई। इसके बाद अर्जुन ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर इस काम को आगे बढ़ाया।

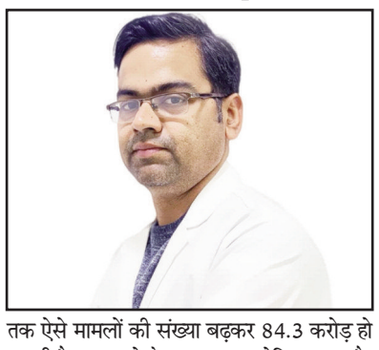
आम लोगों को देते थे तीन गुना रुपये देने का झांसा: पुलिस के अनुसार, कुबेर, अर्जुन, शशांक और शान्तनु मिलकर जाली नोट तैयार करते थे। इसके बाद अर्जुन अपने साथियों के साथ आम लोगों को तीन गुना रुपये देने का झांसा देता था। आरोपित नकली नोटों के बदले लोगों से असली रुपये लेते थे और इस तरह अवैध रूप से मुनाफा कमाते थे। बाद में मुनाफे की रकम में सभी आरोपित हिस्सेदारी करते थे।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपित इसी तरीके से लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए अलग-अलग स्थानों पर जाते थे। 16 अक्टूबर को भी चारों आरोपित इसी उद्देश्य से गौतमबुद्धनगर पहुंचे थे। पुलिस को गिरोह के बारे में जानकारी मिली तो टीम ने ग्राम कोण्डली पुस्ता के पास संदिग्धों की तलाश शुरू की। इसी दौरान बिना नंबर प्लेट की स्विफ्ट डिजायर कार से जाते चारों आरोपित पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

कब्जे से 200 रुपये के 920 जाली नोट बरामद: तलाशी के दौरान पुलिस ने कार और आरोपितों के कब्जे से 200 रुपये के 920 जाली नोट बरामद किए। इनकी कुल कीमत 1,84,000 रुपये बताई गई है। इसके साथ ही अपराध से संबंधित 1000 रुपये का असली नोट भी बरामद हुआ। पुलिस ने बिना नंबर प्लेट की स्विफ्ट डिजायर कार को भी कब्जे में ले लिया है। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और जाली नोट तैयार करने के ठिकानों के बारे में जानकारी जुटा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपित अब तक कितने लोगों को तीन गुना रकम का झांसा देकर ठगी का शिकार बना चुके हैं और जाली नोट कहां-कहां खपाए गए हैं। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

लंबे समय तक बैठने, गलत मुद्रा और शारीरिक गतिविधियों की कमी से बढ़ रहीं रीढ़ की समस्याएं

नोएडा। लंबे समय तक एक ही जगह बैठकर काम करना, गलत तरीके से उठना-बैठना, शारीरिक गतिविधियों की कमी और बढ़ता वजन रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्याओं का कारण बन सकते हैं। शुरुआत में कमर या गर्दन के दर्द को सामान्य थकान समझकर नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। दर्द के साथ हाथ-पैरों में झनझनाहट, सुन्नपन या कमजोरी होने पर डॉक्टर से परामर्श लेना जरूरी है। यह बातें फेलिक्स अस्पताल में सीनियर कंसल्टेंट न्यूरोसर्जरी के डॉ. सुमित शर्मा ने कही।



उन्होंने बताया कि रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट से स्थायी दिव्यांगता हो सकती है और कुछ मामलों में जान का खतरा भी रहता है। यही कारण है कि हर साल 16 अक्टूबर को विश्व स्पाइन दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य रीढ़ की हड्डी के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को सही मुद्रा, नियमित व्यायाम तथा सुरक्षित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इसकी शुरुआत वर्ष 2008 में हुई थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, वर्ष 2020 में दुनिया भर में लगभग 61.9 करोड़ लोग कमर के निचले हिस्से के दर्द से प्रभावित थे। यह दिव्यांगता के प्रमुख कारणों में शामिल है। अनुमान है कि वर्ष 2050 तक ऐसे मामलों की संख्या बढ़कर 84.3 करोड़ हो सकती है। उम्र बढ़ने के साथ इसका जोखिम बढ़ता है। महिलाओं में भी कमर दर्द की समस्या अपेक्षाकृत अधिक देखी जाती है। स्पाइन यानी रीढ़ की हड्डी शरीर को सहारा देती है, झुकने-मुड़ने में मदद करती है और स्पाइनल कॉर्ड (मेरुरज्जु) की सुरक्षा करती है। इसमें कशेरुकाएं, उनके बीच मौजूद डिस्क, जोड़, मांसपेशियां और स्नायुबंधन शामिल होते हैं। गलत मुद्रा में बैठना, लगातार मोबाइल या कंप्यूटर का इस्तेमाल, भारी सामान गलत तरीके से उठाना, मोटापा, व्यायाम की कमी और उम्र के साथ डिस्क में बदलाव इसके प्रमुख कारण हैं। दुर्घटनाओं, संक्रमण, ट्यूमर और हड्डियों की कमजोरी से भी रीढ़ प्रभावित हो सकती है। लंबे समय तक बैठकर काम करने वाले कर्मचारी, वाहन चालक, भारी सामान उठाने वाले श्रमिक, मोटापे से ग्रस्त व्यक्ति और बुजुर्ग अधिक प्रभावित हो सकते हैं। सड़क दुर्घटनाओं, ऊंचाई से गिरने और खेल के दौरान युवाओं को भी रीढ़ में गंभीर चोट लग सकती है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, दुनिया भर में हर साल लगभग 2.5 लाख से पांच लाख लोग स्पाइनल कॉर्ड की चोट से प्रभावित होते हैं। ऐसी चोटों से समय से पहले मृत्यु का जोखिम सामान्य आबादी की तुलना में दो से पांच गुना तक हो सकता है। हालांकि, सामान्य कमर दर्द और गंभीर स्पाइनल कॉर्ड की चोट अलग स्थितियां हैं। रीढ़ की समस्याओं से बचने के लिए नियमित शारीरिक गतिविधि करें, वजन नियंत्रित रखें और बैठते समय सही मुद्रा अपनाएं। कंप्यूटर स्क्रीन आंखों के स्तर पर रखें और लगातार बैठने के बजाय बीच-बीच में उठकर चलें। भारी सामान उठाते समय घुटनों को मोड़ें और सामान शरीर के पास रखें। नियमित टहलना, पर्याप्त नींद और धूम्रपान से दूरी भी फायदेमंद है। दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और कार में सीट बेल्ट का इस्तेमाल करें। दुर्घटना में रीढ़ की चोट की आशंका होने पर घायल व्यक्ति को अनावश्यक रूप से न हिलाएं और तुरंत चिकित्सा सहायता लें।

दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और जबरन गर्भपात के आरोपी की जमानत खारिज

नोएडा। सेक्टर-58 थाना क्षेत्र में दर्ज दुष्कर्म और एससी/एसटी एक्ट के मामले में अदालत ने आरोपी सुशील कुमार की जमानत अर्जी खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि अपराध गंभीर प्रकृति का है और जमानत का पर्याप्त आधार नहीं बनता।

अभियोजन के अनुसार पीड़िता ने रिपोर्ट में बताया कि आरोपी उसके कॉलेज में जूनियर था। दोनों में दोस्ती हो गई थी। 25 दिसंबर 2025 को उसने पीड़िता को होटल बुलाकर संबंध बनाए और वीडियो बना ली। इसी वीडियो के सहारे वह उसे ब्लैकमेल करने लगा। पीड़िता के गर्भवती होने की बात बताने पर आरोपी उसे दिल्ली के एक मंदिर ले गया, जहां मांग भरकर फोटो खिंचवाई और शादी का दावा किया।

आरोप है कि कुछ समय बाद उसने पीड़िता को होटल बुलाकर जूस में दवा मिलाकर पिला दी, जिससे गर्भपात हो गया। 28 जून 2026 को आरोपी पीड़िता का पीछा करता हुआ उसके घर में घुस गया और माता-पिता को धमकाया। उसी रात उसने वीडियो और चैट परिजनों व अन्य लोगों के वॉट्सऐप पर भेज दी और रिश्तेदारों को इंस्टाग्राम पर भी साझा कर दी।

वहीं बचाव पक्ष ने कहा कि दोनों साथ पढ़ते थे और दोस्ती प्रेम में बदल गई। दिल्ली के मंदिर में प्रेम विवाह किया था और पति-पत्नी की तरह रह रहे थे। शादी के बाद पीड़िता के परिवार वाले नाराज थे और दबाव में मुकदमा लिखाया गया। दोनों बालिग हैं और गाजियाबाद के आर्य समाज मंदिर में विवाह कर शादी रजिस्टर्ड भी करा ली। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद आरोपी को जमानत देने से मना कर दिया।

सोसाइटी की लिफ्ट में फंसी घरेलू सहायिका

नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित अजनारा होम्स सोसाइटी में लिफ्ट खराब होने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। शुक्रवार सुबह एक घरेलू सहायिका करीब 20 मिनट तक लिफ्ट में फंसी रही। काफी मशक्कत के बाद मेंटेनेंस प्रबंधन ने उसे सुरक्षित बाहर निकाला। सोसाइटी निवासी दिनकर पांडे ने बताया कि शुक्रवार सुबह एक घरेलू सहायिका लिफ्ट से कचरा लेकर नीचे जा रही थी। इसी दौरान लिफ्ट दूसरे फ्लोर पर जाकर अचानक अटक गई। महिला ने लिफ्ट में लगे सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल कर मदद मांगने की कोशिश की, लेकिन उसे तत्काल सहायता नहीं मिल सकी। काफी देर तक लिफ्ट का दरवाजा नहीं खुलने पर लोगों ने मेंटेनेंस प्रबंधन को इसकी सूचना दी।

इसके बाद पहुंचे कर्मचारियों ने महिला को बाहर निकाला। करीब 20 मिनट तक लिफ्ट में बंद रहने के कारण महिला घबरा गई। घुटन और डर के चलते उसकी हालत भी खराब हो गई। लोगों का आरोप है कि लिफ्टों के रखरखाव में लापरवाही बरती जा रही है।सोसाइटी निवासी सुल्तान सिंह का कहना है कि कुछ दिन पहले एक युवक लिफ्ट में फंस गया था। इससे पहले 14 लोग करीब 30 मिनट से अधिक समय तक लिफ्ट में फंसे रहे थे। इसके बावजूद लिफ्ट के रखरखाव में सुधार नहीं हो रहा। रखरखाव में लापरवाही से परेशान होकर कुछ लोगों ने ढाई महीने से अधिक समय से मेंटेनेंस शुल्क देना बंद कर रखा है। लोगों का आरोप है कि इसके बावजूद प्रबंधन समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें दूसरी तरह से परेशान कर रहा है। आरोप है कि कई घरों से कचरा उठाना बंद किया जा रहा है और डिलीवरीकर्मियों को उनके घरों तक जाने से रोका जा रहा है। इससे सोसाइटी के परिवारों को रोजमर्रा के कामों में परेशानी हो रही है।

10-15 वर्ष पुराने मकानों पर लेबर सेस के नोटिसों से राहत एवं वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान की रक्षा करें जिलाधिकारी : दिव्य कृष्णात्रेय

नोएडा। आरडब्ल्यूए सेक्टर-105, नोएडा ने जनपद की संवेदनशील एवं कुशल जिलाधिकारी महोदया को एक भावुक प्रार्थना पत्र प्रेषित कर 10-15 वर्ष पूर्व निर्मित मकानों पर उप श्रम आयुक्त कार्यालय द्वारा भेजे जा रहे 'लेबर सेस' (निर्माण उपकर) के नोटिसों से राहत दिलाने की विनम्र अपील की है।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने बताया कि सेक्टर में अधिकांश निवासी सेवानिवृत्त अधिकारी एवं वरिष्ठ नागरिक हैं। वर्ष 2017-18 के सैटेलाइट सर्वे के आधार पर बिना धरातलीय जांच के निर्माण लागत बढ़ाकर भारी ब्याज व दंड के साथ कालबाधित नोटिस भेजे जा रहे हैं, जिससे बुजुर्ग नागरिक गहरे मानसिक और आर्थिक तनाव में हैं।

विभागीय रिकॉर्ड अपडेट न होने के कारण उन नागरिकों को भी पुनः नोटिस मिल रहे हैं जो पूर्व में ही अपना भुगतान कर चुके हैं। उदाहरण स्वरूप, सेक्टर की 80 वर्षीया श्रीमती लीला राजन (मकान सं. क्र-15) द्वारा वर्ष 2019 में भुगतान और जून 2026 में सभी साक्ष्य जमा कराने के बावजूद उन्हें अगस्त 2026 में फिर से नोटिस भेज दिया गया। इसी प्रकार, नोएडा प्राधिकरण से वैध लीज डीड और कम्प्लीशन सर्टिफिकेट प्राप्त कर रीसेल में मकान खरीदने वाले नए परिवारों पर भी वर्षों पुरानी देनदारियां थोपी जा रही हैं।



आरडब्ल्यूए सेक्टर-105 जिला प्रशासन से नम्र निवेदन करता है कि 10-15 वर्ष पुराने व्यक्तिगत निर्माणों पर जारी अव्यवहारिक एवं कालबाधित नोटिसों को मानवीय आधार पर निरस्त किया जाए। जिन निवासियों ने सेस का भुगतान कर दिया है, उनके रिकॉर्ड को प्राथमिकता से अपडेट कर उन्हें 'देयता मुक्त प्रमाण पत्र' प्रदान किया जाए। साथ ही नोएडा प्राधिकरण से कम्प्लीशन सर्टिफिकेट प्राप्त व्यक्तिगत मकानों को इस प्रक्रिया से पूरी तरह मुक्त रखा जाए।

आरडब्ल्यूए ने स्पष्ट किया कि यह पत्र किसी आलोचना हेतु नहीं, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों की व्यथा को प्रशासन के समक्ष रखने की एक विनम्र पहल है। निवासियों को पूर्ण विश्वास है कि जिलाधिकारी महोदया का संवेदनशील नेतृत्व इस मानवीय वेदना को समझकर सेक्टर-105 के निवासियों को शीघ्र न्याय व राहत प्रदान करेगा।

संक्षिप्त समाचार

खुले सीवर और नालियों की समस्या से लोग परेशान

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के गांवों में सीवर और नालियों सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति अच्छी नहीं है। गलियों में गंदा पानी जमा होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए हल्दौना और तुगलपुर गांव के लोगों ने सीईओ को पत्र लिखा है। ग्रेटर नोएडा के अधिसूचित क्षेत्र के गांवों में पंचायत चुनाव की व्यवस्था समाप्त होने से गांवों में बिजली, पेयजल, सड़क, साफ-सफाई सहित संपूर्ण विकास की जिम्मेदारी प्राधिकरण के ऊपर आ गई है। ग्रामीण विकास के नाम पर हर साल करोड़ों रुपये खर्च किए जाते हैं, लेकिन ज्यादातर गांवों में स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं है। तुगलपुर- हल्दौना गांव के लोगों कहना है कि खुले सीवर और सड़कों पर जमा गंदा पानी परेशानी के साथ-साथ दुर्घटना का भी कारण बन सकता है। यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है। राजवीर सिंह का कहना है कि स्मार्ट सिटी का सपना तभी पूरा होगा, जब शहर के साथ-साथ गांवों में भी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। ग्रामीणों ने मांग की है कि अधिकारी मौके पर आकर निरीक्षण करें।इस मामले में प्राधिकरण के महाप्रबंधक परियोजना एके सिंह का कहना है कि गांवों में सभी जरूरी विकास कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराए जा रहे हैं। क्षेत्र के सभी गांवों में सड़क, नाली, बिजली के काम कराए जा रहे हैं।

किसानों ने 21 अक्टूबर की महापंचायत के लिए रणनीति बनाई

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के अच्छेजा बुजुर्ग गांव में शुक्रवार दोपहर 2 बजे किसान एकता संघ की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता क्यूम खां ने की और संचालन जिला अध्यक्ष पप्पे नागर ने किया।

बैठक में किसानों के 10 प्रतिशत प्लॉट, आबादी निस्तारण और बैकलीज जैसी समस्याओं पर बात हुई। किसानों ने 21 अक्टूबर को यमुना प्राधिकरण पर होने वाली महापंचायत को सफल बनाने की रणनीति भी तैयार की। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सोरन प्रधान ने कहा कि किसानों के हक की लड़ाई मजबूती से लड़ी जाएगी। उन्होंने बताया कि सालों से अटकी समस्याओं को सुलझाना उनकी प्राथमिकता है। महापंचायत को सफल बनाने के लिए गांव-गांव जाकर किसानों को जोड़ा जा रहा है।

ध्रुव राठी की गिरफ्तारी की खबर निकली फर्जी, नोएडा पुलिस ने किया खंडन

नोएडा। चर्चित यूट्यूबर ध्रुव राठी की गिरफ्तारी को लेकर शुक्रवार को सोशल मीडिया पर फैली खबर को नोएडा पुलिस ने भ्रामक करार दिया है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि ध्रुव राठी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। फर्जी दावे के साथ कई पोस्ट और वीडियो प्रसारित होने के बाद पुलिस को सफाई देनी पड़ी। अधिकारियों के मुताबिक, बिना पुष्टि के खबर साझा किए जाने से लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हुई।

सोशल मीडिया पर किए गए दावों में कहा गया था कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन में शामिल होने के लिए जर्मनी से भारत आए ध्रुव राठी को नोएडा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। देखते ही देखते यह दावा कई सोशल मीडिया हैंडल से प्रसारित होने लगा। इसके बाद पुलिस ने आधिकारिक बयान जारी कर गिरफ्तारी की खबर को निराधार बताया।

दरअसल, कॉकरोच जनता पार्टी ने शुक्रवार शाम नई दिल्ली के सेंट्रल पार्क में लहरा दो तिरंगा कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की थी। कार्यक्रम के लिए पुलिस की अनुमति नहीं मिली थी। इसी घटनाक्रम के बीच ध्रुव राठी की गिरफ्तारी का दावा वायरल होने लगा। गिरफ्तारी की फर्जी खबर फैलने से नोएडा पुलिस के अधिकारियों के मोबाइल फोन पर लगातार कॉल आने लगीं। लोग ध्रुव राठी की गिरफ्तारी के संबंध में जानकारी मांग रहे थे। एडीसीपी अभय कुमार मिश्र ने बताया कि भ्रामक और निराधार सूचनाएं फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

रोडरेज में छात्र पर चाकू से हमला, 4 पर केस दर्ज

नोएडा। गलगोटिया यूनिवर्सिटी के पास रोडरेज के विवाद में एक छात्र पर चाकू से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर शुक्रवार शाम चार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। दिल्ली के मयूर विहार निवासी चमन प्रकाश यादव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका बेटा स्वयं यादव गलगोटिया यूनिवर्सिटी में पढ़ता है। 13 अक्टूबर की रात यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वह कार से घर लौट रहा था। आरोप है कि यूनिवर्सिटी से कुछ दूरी पर दूसरी कार सवार ने उसकी कार में टक्कर मार दी। विरोध करने पर आरोपी ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर छात्र पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। हालत गंभीर होने पर ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस का कहना है कि मामले में चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

एनएचएम संविदा कर्मचारियों की हड़ताल जारी

नोएडा। जिले में समान कार्य-समान वेतन और नियमित करने समेत अन्य मांगों को लेकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) संविदा कर्मचारियों की हड़ताल शुक्रवार को भी जारी रही। हड़ताल में लगभग 450 कर्मचारी शामिल हैं। जिलाध्यक्ष डॉ. मतलूब अहमद ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम पूर्व में पत्र भी भेजा गया था। इसमें दस वर्ष से कार्यरत कर्मचारियों को नियमित करने, वेतन वृद्धि, समान कार्य के लिए समान वेतन, महंगाई भत्ता, कैशलेस चिकित्सा सुविधा में दस लाख रुपये के बीमा की व्यवस्था, ईपीएफ, एचआरए व ग्रेचुएटी का लाभ दिलाने की मांग की गई थी। सरकार की ओर से कोई भी सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने कहा कि जब तक मांगे नहीं मानी जाएंगी, हड़ताल जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

मौसम की जानकारी: कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बर्फबारी



नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते पहाड़ी क्षेत्रों में बदले मौसम का प्रभाव भी देखने को मिला। कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड के उच्च पर्वतीय इलाकों में ताजा बर्फबारी व निचले इलाकों में बारिश के बाद गुरुवार को मैदानों में भी ठंडक महसूस की गई। घाटी के ऊंचाई वाले पर्यटन स्थलों पर ताजा हिमपात होने का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग के अनुसार अगले चौबीस घंटों के दौरान घाटी में उच्च पर्वतीय इलाकों में हल्की बर्फबारी व बारिश हो सकती है। कश्मीर के पर्यटन स्थलों के गुलमर्ग के अफरवट, तुलैल, गुरेज, साधना टाप, राजदान टाप आदि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ताजा हिमपात हुआ है। जम्मू संभाग में बारिश ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान पहुंचा है और कटड़ा में हेलीकाप्टर सेवा प्रभावित रही। पुंछ जिले में बर्फबारी के बाद मुगल रोड को वाहनों की आवाजाही के लिए बंद कर दिया गया है। उत्तराखंड में पहाड़ से लेकर मैदान तक अधिकतर जिलों में दोपहर तक वर्षा हुई। हिमालय की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी हुई। चारधाम और आदि कैलास यात्रा सुचारू रही। शुक्रवार को देहरादून, उत्तरकाशी, टिहरी, पौड़ी व हरिद्वार में वर्षा व ओलावृष्टि हो सकती है। इसका आरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने यात्रियों से मौसम की जानकारी लेकर ही यात्रा करने की अपील की है। पीटीआई के अनुसार हिमाचल प्रदेश में भी लाहौल-स्पीति में शिंकुला, बारालाचाला, कुंजुमला, कोकसर और कांगड़ा जिले की धौलाधार पर्वत श्रृंखलाओं में बर्फबारी हुई। अधिकारियों ने बताया कि ताजा बर्फबारी के कारण अधिक ऊंचाई वाले दर्रों में सड़कें फिसलन हो गई हैं, जिससे यात्रा करना जोखिम भरा हो गया है। रोहतांग दर्रे से सारचू, दारचा से शिंकु ला और ग्राम्फू से बाटल तक की सड़कें बंद कर दी गई हैं। हिमपात के बाद मनाली-लेह, मनाली-जंस्कार मार्ग पर वाहनों की आवाजाही बंद कर दी है। हरियाणा में गुरुआर सुबह हुई वर्षा ने प्रदेश के किसानों की चिंता बढ़ा दी। फतेहाबाद में चार लाख एकड़ में लगी धान की फसल में अभी 20 प्रतिशत कटाई हुई है, जबकि मंडियों में खरीदा गया 65 हजार मीट्रिक टन धान भी उठान की प्रतीक्षा में है। सिरसा और डबवाली की मंडियों में धान की ढेरियां पानी में डूब गईं। हांसी में तेज हवा से खेतों में खड़ी पकी धान की फसल बिछ गई। चरखी दादरी में खुले में रखा हजारों क्विंटल बाजरा भीग गया। प्रदेश के 20 जिलों में वर्षा हुई। शुक्रवार को भी 10 जिलों में वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

डमी दाखिलों पर सूचना आयोग चिंतित, सीबीएसई स्कूलों में औचक निरीक्षण की सिफारिश

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के स्कूलों में पढ़ रहे डमी दाखिलों पर चिंता जताई है। आयोग ने सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में डमी दाखिलों के आरोपों की जांच और अनिवार्य उपस्थिति के नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए औचक निरीक्षण की सिफारिश की है। डमी दाखिला का मतलब ऐसा दिखावे का एडमिशन होता है, जिसमें छात्रों का नाम स्कूल के रजिस्टर में तो होता है, लेकिन उसे स्कूल नहीं जाना पड़ता। छात्र केवल परीक्षा देने स्कूल जाता है। हाल ही में जारी आदेश में, सूचना आयुक्त सुधा रानी रेलंगी ने सीबीएसई को सुझाव दिया है कि वह अपने संबद्ध स्कूलों का औचक निरीक्षण करे। यह सुझाव एक शिकायत के बाद दिया गया है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कक्षाओं में उपस्थित नहीं होने वाले विद्यार्थियों को भी डमी प्रमाणपत्र जारी किए जा रहे हैं, जो संबद्धता की शर्तों का उल्लंघन है। सूचना आयुक्त ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 की धारा 25(5) के तहत यह सिफारिश की। शिकायतकर्ता ने भोपाल के प्राइवेट मिशनरी स्कूलों में उपस्थिति, विषय चयन और निर्धारित पाठ्यपुस्तकों से जुड़े नियमों की जानकारी मांगी थी। उसका आरोप है कि छात्रों को कक्षाओं में उपस्थित हुए बिना डमी प्रमाणपत्र जारी किया जाता है। शुरुआत में सीबीएसई के केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआइओ) ने आवेदन शुल्क के लिए जमा इंडियन पोस्टल आर्डर में त्रुटि बताते हुए आवेदन लौटा दिया था। सुनवाई के दौरान आयोग ने स्पष्ट किया कि तकनीकी आधार पर सूचना रोकना आरटीआई कानून की भावना के अनुरूप नहीं है।

दिल्ली में हाईटेक होंगी डीटीसी बसें, एआई तय करेगा रूट और टाइमिंग

आईआईटी कानपुर तैयार करेगा नया सिस्टम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बसों के संचालन को अधिक व्यवस्थित बनाने और यात्रियों को बेहतर सार्वजनिक परिवहन सेवा देने के लिए दिल्ली परिवहन निगम कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित बस प्रबंधन प्रणाली विकसित करेगा। इसके लिए डीटीसी आइआइटी कानपुर के आरएडब्ल्यूएटी (ऐरावत) रिसर्च फाउंडेशन के साथ सहयोग करने की योजना बना रहा है। नई व्यवस्था के तहत बसों की ड्यूटी तय करने, कर्मचारियों के वेतन प्रबंधन, शिकायतों के निपटारे और टिकटिंग व्यवस्था समेत कई काम तकनीक की मदद से किए जाएंगे। अधिकारियों के अनुसार, इस संबंध में हुई बैठक में आइआइटी कानपुर के साथ सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। मौजूदा बस प्रबंधन प्रणाली को AI और मशीन लर्निंग से उन्नत किया जाएगा। इसमें सीएनजी और क्लस्टर बसों को भी शामिल किया जाएगा, जो फिलहाल पुराने साफ्टवेयर के जरिए संचालित हो रही हैं।

टिकट मशीनों और राजस्व का भी होगा हिसाब: नई प्रणाली में इलेक्ट्रानिक टिकटिंग मशीनों को जारी करने,



बसों और कर्मचारियों को आवंटित करने तथा उनके इस्तेमाल की निगरानी की व्यवस्था होगी। डिपो और ड्यूटी के हिसाब से टिकट मशीनों को बस, चालक और परिचालक से जोड़ा जाएगा। मशीनों की वापसी, स्थिति और उपयोग का भी रिकॉर्ड रखा जाएगा। टिकट से होने वाली आय का मिलान और निगरानी भी संबंधित प्रणालियों के एकीकरण से की जाएगी, जिससे मैनुअल काम पर निर्भरता कम होगी।

मार्ग बदलने पर तुरंत तैयार होगा नया शेड्यूल

यातायात पुलिस की ओर से वास्तविक समय में मार्ग में बदलाव किए जाने पर बसों का नया शेड्यूल तैयार करने की सुविधा भी विकसित की जाएगी। इसके अलावा, बिजली से चलने वाली बसों की चार्जिंग का बेहतर प्रबंधन और उपलब्ध बसों का अधिक प्रभावी इस्तेमाल करने के लिए AI की मदद ली जाएगी।

14 हजार बसें करने का लक्ष्य

वर्तमान में डीटीसी के पास करीब 6,269 बसें हैं, जिनमें लगभग 4,500 इलेक्ट्रिक बसें शामिल हैं। ये बसें दिल्ली के 52 डिपो से संचालित होती हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पहले ही वर्ष 2028-29 तक दिल्ली की बसों की संख्या बढ़ाकर 14 हजार करने और बस डिपो की संख्या 90 तक पहुंचाने का लक्ष्य बता चुकी हैं। ऐसे में बस बेड़े के विस्तार के साथ उसके संचालन, कर्मचारियों और टिकटिंग व्यवस्था को तकनीक से जोड़ना अहम होगा।

दिल्ली में खत्म होंगे डार्क स्पॉट, सीएम रेखा गुप्ता ने किया 1 लाख स्मार्ट LED लाइटें लगाने का एलान

नई दिल्ली, एजेंसी। आस्था कुंज पार्क की घटना के बाद छात्राओं की सुरक्षा और शहर के अंधेरे स्थानों (डार्क स्पॉट) की समस्या के बीच दिल्ली सरकार ने एक लाख स्मार्ट एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाने की परियोजना शुरू की है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को एंड्रयूजगंज बस स्टाप से 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत इस परियोजना का शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य राजधानी की सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर रोशनी बढ़ाने के साथ रात में आवागमन को सुरक्षित बनाना है।

स्ट्रीट लाइटों की कमी और डार्क स्पॉट की समस्या: मुख्यमंत्री के डीयू की छात्राओं से संवाद के दौरान शहर के विभिन्न हिस्सों में स्ट्रीट लाइटों की कमी और डार्क स्पॉट की समस्या सामने आई थी। इसके बाद सरकार ने स्मार्ट लाइटें लगाने की पहल की। परियोजना के तहत करीब 45 हजार हाई प्रेशर सोडियम वेपर लाइटों को ऊर्जा-कुशल एलईडी लाइटों से बदला जाएगा। इनके संचालन और निगरानी के लिए सेंट्रल कमांड सेंटर बनाया जाएगा, जहां से प्रत्येक लाइट की स्थिति पर वास्तविक समय में नजर रखी जा सकेगी।

48 घंटे में ठीक नहीं होने पर लगेगा जुर्माना: नई व्यवस्था में खराब लाइटों को सूचना मिलने के 48 घंटे के भीतर ठीक करना अनिवार्य होगा।

रावण के साथ जलेगा 30 फीट का कॉकरोच, दिल्ली की रामलीला में दिखेगा अनोखा नजारा



नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में इस बार दशहरा पर्व पर रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतले के साथ 30 फीट ऊंचे कॉकरोच के पुतले का भी दहन किया जाएगा। यह शुरूआत पीतमपुरा में श्री केशव रामलीला समिति की ओर से स्वच्छता का संदेश देने के उद्देश्य से की जा रही है। आयोजक समिति के मुताबिक, कॉकरोच का पुतला गंदगी और मैल का प्रतीक होगा।

श्री केशव रामलीला समिति के अध्यक्ष और भाजपा विधायक अशोक गोयल ने बताया कि कॉकरोच के पुतले का दहन स्वच्छ भारत और स्वच्छ दिल्ली अभियान के संदेश को आगे बढ़ाने के लिए किया जा रहा है।

इस फैसले के पीछे कोई राजनीतिक मंशा नहीं है। रामलीला में बुराई पर अच्छाई की जीत के संदेश के साथ स्वच्छता का महत्व भी बताया जाएगा। रावण की सेना में कॉकरोच को असुरों के रूप में दर्शाया जाएगा और इनका अंत किया जाएगा।

कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध प्रदर्शनों के बीच यह फैसला चर्चा में: कॉकरोच का पुतला जलाने का फैसला ऐसे समय पर आया है, जब राजधानी में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) अपने विरोध प्रदर्शनों को लेकर चर्चा में है। संगठन ने पहले पूर्व शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ प्रदर्शन किया था और अब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध कर रहा है। प्रदर्शनों के बाद धर्मेंद्र प्रधान को मंत्री पद छोड़ना पड़ा था। अब सीजेपी विपक्षी दलों और छात्र संगठनों के साथ मिलकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रही है।

अगर हर नागरिक पत्रकार बन जाए, तो इससे सभी के लिए मुश्किलें पैदा होंगी, सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के तहत हर व्यक्ति पत्रकार होने का दावा कर सकता है।

ऐसे में मान्यता प्राप्त पत्रकारों और डिजिटल प्लेटफार्म पर सक्रिय अन्य लोगों के बीच अंतर करना तथा वास्तविक पत्रकारों को सुरक्षा देना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

शीर्ष अदालत दिल्ली में 10-11 अक्टूबर के प्रदर्शनों के दौरान पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार, मारपीट और हिरासत से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्य बागची की पीठ ने महिला पत्रकारों के साथ कथित मारपीट के आरोपों को गंभीर बताया। वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने



एक महिला पत्रकार पर पुरुष पुलिसकर्मी द्वारा कथित हमले का मामला उठाया और पीड़ितों की शिकायतों की जांच के लिए पूर्व महिला न्यायाधीशों तथा पूर्व आईपीएस अधिकारियों की समिति बनाने का सुझाव दिया। पीठ ने केंद्र और दिल्ली पुलिस का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से संबंधित महिला पत्रकार के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने को कहा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि फिलहाल सुनवाई याचिका में उल्लिखित पीड़िता तक सीमित रहेगी।तुषार मेहता ने कहा कि मोबाइल फोन रखने वाला कोई भी व्यक्ति पत्रकार होने का दावा कर सकता है और कुछ लोग पत्रकारिता के नाम पर रील बनाते हैं। इस पर जयसिंह ने कहा कि स्वतंत्र पत्रकार के रूप में काम करने का अधिकार भी महत्वपूर्ण है। कोर्ट ने पत्रकारों, वकीलों और प्रदर्शनकारियों पर कथित हमलों से जुड़ी याचिकाओं पर केंद्र से जवाब मांगा। उसने पुलिस द्वारा कथित रूप से जब्त कैमरा उपकरण लौटाने की मांग पर भी ध्यान दिया।

दिल्ली दंगों में ऑटो ड्राइवर बब्बू हत्याकांड के 7 आरोपित बरी

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में वर्ष 2020 में हुए दंगों के दौरान ऑटो ड्राइवर बब्बू की हत्या के मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट ने सात लोगों को हत्या के आरोप से बरी कर दिया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश परवीन सिंह की अदालत ने कहा कि दिल्ली पुलिस अभियोजन पक्ष के माध्यम से यह साबित करने में विफल रही कि इन सातों ने बब्बू पर जानलेवा हमला किया था। हालांकि, अदालत ने सभी सातों को निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने के मामले में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 188 के तहत दोषी ठहराया। अदालत



ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि हत्या के आरोप को साबित करने के लिए अभियोजन पक्ष की ओर से पेश साक्ष्य पर्याप्त नहीं थे। ऐसे में आरोपितों को हत्या के मामले में दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

खजूरी चौक पर हुआ था हमला: अभियोजन पक्ष के अनुसार, फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में दंगों के दौरान खजूरी चौक पर हिंसा हुई थी। इसी दौरान ऑटो चालक बब्बू पर हमला किया गया था। हमले में गंभीर चोटें लगने के बाद 27 फरवरी 2020 को उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने हिंसा में शामिल भीड़ के सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए हत्या समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया था। अदालत में सुनवाई के दौरान पुलिस आरोपितों की बब्बू पर हुए जानलेवा हमले में भूमिका को संदेह से परे साबित नहीं कर सकी।

कनॉट प्लेस में प्रदर्शन-पाबंदियों से कारोबार बेहाल, ग्राहक 70 प्रतिशत तक घटे; व्यापारियों की अपील- चलाने दो रोजी-रोटी

नई दिल्ली, एजेंसी। 'प्रिय प्रदर्शनकारियों और राजनीतिक दलों, हाथ जोड़कर अनुरोध है कि इस त्योहारी सीजन में हमें अपनी आजीविका कमाने दें। कनॉट प्लेस (सीपी) के रेस्त्रां और दुकानों पर 5,000 से अधिक परिवार निर्भर हैं। यह एक व्यावसायिक क्षेत्र है, कोई धरनास्थल नहीं। कृपया, सरकार द्वारा निर्धारित स्थानों पर ही प्रदर्शन करें।' यह भावुक अपील किसी एक व्यापारी की नहीं, बल्कि दिल्ली के दिल कहे जाने वाले कनॉट प्लेस के उन सैकड़ों दुकानदारों और रेस्त्रां संचालकों की है, जो लगातार हो रहे राजनीतिक व वैचारिक प्रदर्शनों से सहमे हुए हैं। यहां तक की पुरानी दिल्ली के थोक बाजार के व्यापार में भी 30 प्रतिशत की गिरावट आई है।

किराया और कर्मचारियों की देनी है सैलरी: कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी), कांग्रेस और वामदलों द्वारा समय-समय पर किए जाने वाले आंदोलनों की भेंट चढ़ रहे इस अंतरराष्ट्रीय कारोबारी हब के व्यापारी भारी अनिश्चितता के साए में जीने को मजबूर हैं। गहरे निराश नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन (एनडीटीए) के अध्यक्ष अतुल भार्गव कहते हैं कि हमें इतना नुकसान हो रहा है कि दुकानों का किराया निकालना भी दूभर हो गया है। बिजली, पानी का बिल, संपत्तिकर और कर्मचारियों का वेतन अलग से चुकाना है। उन्होंने कहा कि त्यौहारी मौसम में अच्छी बिक्री की जो उम्मीद थी, वह सब चकनाचूर हो रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि शुक्रवार को विरोध प्रदर्शनों के बावजूद व्यापारी सतर्क रहेंगे और दुकानें बंद नहीं करेंगे। शारदीय नवरात्रि से दीपावली तक का समय व्यापारियों के लिए वर्ष का सबसे बड़ा कारोबारी सीजन होता है।

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में इडली-सांभर का अब भी इंतजार, अगस्त में आदेश के बाद भी नहीं हुआ लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी के सरकारी स्कूलों में बच्चों को इडली-सांभर परोसने की योजना अब तक लागू नहीं हो सकी है। शिक्षा निदेशालय की ओर से अगस्त में मिड-डे मील के साप्ताहिक मेन्यू में बदलाव कर इडली-सांभर शामिल किया गया था। इसे 24 अगस्त तक शुरू करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन रसोई में जरूरी उपकरणों और अन्य व्यवस्थाओं की कमी के चलते स्कूलों में अब भी पुराना मेन्यू ही चल रहा है।



इडली-सांभर परोसना मुश्किल: स्कूल प्रतिनिधियों के मुताबिक, इडली बनाने के लिए विशेष उपकरणों की जरूरत है, जो कई स्कूलों की रसोई में उपलब्ध नहीं हैं। सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्यों के संगठन के एक सदस्य ने बताया कि जब तक जरूरी उपकरण और अन्य व्यवस्थाएं नहीं होंगी, तब तक नियमित भोजन में इडली-सांभर परोसना मुश्किल है। एक सरकारी स्कूल की स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के सदस्य ने भी बताया कि बच्चों को अब तक आलू-पूरी, करी-चावल, हलवा और दलिया जैसे पुराने मेन्यू के अनुसार ही भोजन दिया जा रहा है। इसके लिए सामग्री, उपकरण, भोजन तैयार करने वाले कर्मचारियों और समय पर सभी स्कूलों तक खाना पहुंचाने की व्यवस्था भी करनी होती है। संशोधित मेन्यू को लागू करने की मौजूदा स्थिति पर शिक्षा निदेशक ने कोई जवाब नहीं दिया।

अगस्त में बदला गया था छह दिन का मेन्यू: शिक्षा निदेशालय ने अगस्त में पीएम-पोषण योजना के तहत सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के साप्ताहिक मेन्यू में बदलाव किया था। नए मेन्यू में छह दिनों के लिए अलग-अलग भोजन निर्धारित किए गए थे। इनमें काले चने की ग्रेवी और मसली हुई सब्जियों के साथ पूरी, इडली-सांभर, छोले और मसली हुई सब्जियों के साथ चावल, छोले के साथ पूरी, दाल-चावल और कढ़ी-चावल शामिल हैं।

दलिये की जगह ज्वार और बाजरे को शामिल किया: विभाग ने बताया था कि भोजन समीक्षा समिति ने पुराने मेन्यू, बच्चों को भोजन उपलब्ध कराने की स्थिति, संबंधित पक्षों के सुझाव और योजना के क्रियान्वयन के अनुभवों की समीक्षा के बाद बदलाव की सिफारिश की थी। नए मेन्यू में रागी के हलवे की जगह गेहूं के आटे और चना मसाला तथा सब्जियों वाले दलिये की जगह ज्वार और बाजरे को शामिल किया गया था।

एजेंसियों को दो सप्ताह का समय, फिर भी इंतजार: शिक्षा निदेशालय ने अधिकांश बदलाव तत्काल लागू करने को कहा था, जबकि इडली-सांभर शुरू करने के लिए संबंधित गैर-सरकारी संगठनों और केंद्रीकृत रसोई संचालित करने वाली एजेंसियों को अधिकतम दो सप्ताह का समय दिया गया था। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया था कि सामग्री की उपलब्धता और व्यवस्था के अनुसार अलग-अलग स्कूलों में एक ही दिन अलग स्वीकृत व्यंजन परोसे जा सकते हैं, लेकिन हर स्कूल में छह दिन के पूरे मेन्यू का पालन करना अनिवार्य है। आरके पुरम के एक सरकारी स्कूल के प्रधानाचार्य ने कहा कि स्कूलों में नया मेन्यू लागू नहीं हुआ है।

दिल्ली से फरीदाबाद बिना रुके दौड़ेंगी गाड़ियां, बनेंगे 4 नए फ्लाईओवर; 378 करोड़ से बनेगा सिग्नल-फ्री

दक्षिणी दिल्ली। दिल्ली-फरीदाबाद कॉरिडोर पर रोजाना लगने वाले भीषण ट्रैफिक जाम और रेड लाइट बाटलनेक से जूझ रहे लाखों वाहन चालकों के लिए बड़ी खबर है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने मथुरा रोड के आश्रम चौक से बदरपुर बॉर्डर तक 7.977 किमी लंबे स्ट्रेच का कायाकल्प कर इसे पूरी तरह सिग्नल-फ्री बनाने का महाप्लान तैयार कर लिया है।

कुल 378.87 करोड़ की लागत वाले इस मेगा प्रोजेक्ट के तहत पूरे कॉरिडोर पर चार नए फ्लाईओवर (वायडक्ट्स) बनाए जाएंगे, जिसका काम जनवरी 2027 से शुरू होने की संभावना है।

चार नए फ्लाईओवर से सिग्नल-फ्री होगा कॉरिडोर: इस योजना के धरातल पर उतरते ही मथुरा रोड के सभी प्रमुख चौराहे सिग्नल-मुक्त हो जाएंगे। ह्यूढ्ढ को इसे तैयार करने में लगभग दो वर्ष का समय लगेगा। इसके बाद सड़क बनाने वाली कंपनी को ही अगले 10 वर्षों तक इसका मेंटेनेंस



करना होगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के तकनीकी खाके के अनुसार, आश्रम से बदरपुर के बीच लगने वाले ट्रैफिक जाम को खत्म करने के लिए दो-स्तरीय रणनीति अपनाई गई है। ट्रैफिक के लिए फ्लाईओवर दिल्ली से फरीदाबाद और फरीदाबाद से दिल्ली की तरफ लंबी दूरी तय करने वाला मुख्य ट्रैफिक नीचे के रेड लाइट चौराहों में उलझे बिना सीधे चार नए एलिवेटेड फ्लाईओवर के ऊपर से निकल जाएगा। वहीं स्थानीय ट्रैफिक के लिए यू-टर्न अंडरपास बनाया जाएगा। नीचे चलने वाले स्थानीय वाहनों के लिए अवैध कटों और मीडियन ओपनिंग को बंद किया जाएगा। जसोला व अपोलो अस्पताल के पास बने मौजूदा यू-टर्न अंडरपास और लेफ्ट-इन या लेफ्ट-आउट व्यवस्था के जरिए वाहन चालक बिना मुख्य सड़क का ट्रैफिक रोके यू-टर्न ले सकेंगे।

निर्माण के दौरान रोबोटिक फ्लैगमैन संभालेंगे ट्रैफिक: कॉरिडोर पर निर्माण कार्य के दौरान ट्रैफिक जाम न लगे, इसके लिए NHAI की तरफ से आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जाएगा। खास बात यह है कि दिल्ली में पहली बार निर्माण के दौरान व्यस्त चौराहों पर ट्रैफिक डायवर्जन और सुरक्षा नियंत्रण के लिए प्रशिक्षित ट्रैफिक मार्शलों के साथ रोबोटिक फ्लैगमैन तैनात रहेंगे।

यहां बनेंगे फ्लाईओवर आश्रम से मोदी मिल सेक्शन: यह एलिवेटेड फ्लाईओवर माता मंदिर रोड और मौलाना मोहम्मद अली जौहर रोड (जामिया/न्यू फ्रेंड्स कालोनी) के रेड लाइट जंक्शनों के ऊपर से ट्रैफिक निकालेगा।

मोदी मिल से ओखला एस्टेट मार्ग: यह लगभग 1.5 किमी लंबा एलिवेटेड स्ट्रेच सुखदेव विहार, सीआरआरआइ परिसर और दिल्ली जल बोर्ड के व्यस्त चौराहों को बाइपास करेगा।

जर्मनी की नागरिकता दिलाने के नाम पर 60 लाख की ठगी, पूर्व नौकरशाह की बेटी आईजीआई एयरपोर्ट से गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। वसंत कुंज नार्थ थाना पुलिस ने जर्मनी की नागरिकता दिलाने के नाम पर 60 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में एक पूर्व नौकरशाह की बेटी पूनम जेजलर को मंगलवार रात गिरफ्तार कर लिया है। उसे दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह विदेश भागने की फिराक में थी। गुरुवार को आरोपित पूनम जेजलर को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अनिमेष कुमार ने आरोपित को 16 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया है। आरोपित महिला खुद को मध्य प्रदेश के पूर्व कानून सचिव की बेटी बताती है। ठगी को लेकर तिमारपुर निवासी शिकायतकर्ता ने चार अक्टूबर 2025 को वसंत कुंज नार्थ थाने में एफआइआर दर्ज कराई थी। उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी था।दर्ज एफआइआर के अनुसार, आरोपित महिला ने खुद को स्विट्जरलैंड की रसूखदार हस्ती और वर्ल्ड बुक आफ रिकार्ड्स स्विट्जरलैंड की अध्यक्ष बताया था। साथ ही उसने वर्ष 2022 में भारत कीर्ति चक्र से सम्मानित होने का झूठा दावा कर पीड़ित को अपने अंतरराष्ट्रीय संपर्कों के जाल में फंसाया।

संक्षिप्त समाचार

चेतन शर्मा बोले- गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें बनाएं बीसीसीआई

गेंदबाजों को इतना मत मारो कि वे दोबारा मैदान पर न आना चाहें



नईदिल्ली (एजेंसी)। बीसीसीआई के पूर्व चीफ सिलेक्टर और क्रिकेटर चेतन शर्मा ने बीसीसीआई से गेंदबाजों के लिए मददगार पिचें बनाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा- 'टी-20 क्रिकेट में बल्लेबाजों के अनुकूल पिचों से बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है।' चेतन ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान कहा- 'मैं मानता हूं कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।'

भारत-वेस्टइंडीज टी-20 सीरीज में 98 छक्के और 104 चौके लगे - भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली जा रही टी-20 सीरीज में 98 छक्के और 104 चौके लग चुके हैं। सीरीज में अब तक 4 मैच खेले गए हैं। इन 8 पारियों में 6 बार दोनों टीमों ने 200+ रन का आंकड़ा पार किया। दूसरे टी-20 में तो भारत ने 249 रन बनाए थे और यह टारगेट भी वेस्टइंडीज ने 9 गेंद रहते हासिल कर लिया। तीसरे टी-20 में भारत ने 223 रन बनाए और वेस्टइंडीज को 209 रन पर रोका।

गेंद और बल्ले के बीच संतुलन जरूरी - चेतन ने कहा कि इंटरनेशनल क्रिकेट में भी ऐसी पिचें होनी चाहिए, जिन पर गेंदबाज अटैकिंग बल्लेबाजों का मुकाबला कर सकें। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में गेंदबाजों की मददगार पिचों की तरह इंटरनेशल में भी ऐसी पिचें तैयार करने पर जोर दिया।

ब्राजील के फुटबॉलर विनीसियस जूनियर पर 4 मैच का बैन

● विरोधी खिलाड़ी के बाल खींचे थे, बार्सिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे



मैड्रिड (एजेंसी)। रियल मैड्रिड के फॉरवर्ड विनिसियस जूनियर पर चार लीग मैचों का बैन लगा है। वे बार्सिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे। यह मैच 26 अक्टूबर को स्पेनिश लीग ला-लीगा में खेला जाएगा।
स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन की अनुशासन समिति ने बुधवार को विनिसियस पर 4 मैचों का प्रतिबंध लगाया है। ब्राजील के इस फुटबॉलर ने 11 अक्टूबर को मैच में विलारियल के नाथन सालिबा के बाल खींचे थे। हालांकि, विलारियल 1-0 से जीत गया।
रेफरी ने गोल रद्द किया, रेड कार्ड भी दिखाया
विनिसियस को बाल खींचने के लिए दो मैच और रेफरी से आक्रामक तरीके से विरोध करने के लिए दो मैचों का बैन मिला है। विलारियल के पिछले हफ्ते शनिवार को नाथन सालिबा के साथ दौड़ते समय बाल खींचे थे।
इस घटना के तुरंत बाद विनिसियस ने गोल किया था। हालांकि, रेफरी ने गोल को रद्द कर दिया और उन्हें सीधे लाल कार्ड दिखाया।
विनिसियस 18 अक्टूबर को सेविया के खिलाफ घरेलू मैच और अगले हफ्ते बार्सिलोना के दौरे पर नहीं खेलेंगे। वह रेसिंग सांतांदेर और वेलेंसिया के खिलाफ अवे मैच भी मिस करेंगे।

भारत-वेस्टइंडीज टी-20

आज निर्णायक मुकाबले में भारत को करने होंगे 3 बड़े बदलाव



नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज का पांचवां और निर्णायक मुकाबला 17 अक्टूबर 2026 को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। सीरीज फिलहाल 2-2 से बराबर है। ऐसे में दोनों टीमों की नजरें आखिरी मुकाबला जीतकर सीरीज अपने नाम करने पर होंगी।

हैदराबाद में खेले गए चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारतीय टीम को 24 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत के साथ वेस्टइंडीज ने निर्णायक मुकाबले से पहले अपना आत्मविश्वास मजबूत किया है। भारतीय टीम की कमान श्रेयस अय्यर के हाथों में है, जबकि तिलक वर्मा उपकप्तान की भूमिका निभा रहे हैं। भारत ने इससे पहले तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-1 से जीती थी, लेकिन टी20 सीरीज में दोनों टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली है। अब सीरीज जीतने के लिए भारतीय टीम को अपनी रणनीति में कुछ अहम बदलाव करने पड़ सकते हैं। आइए जानते हैं ऐसे तीन बदलाव, जिन पर टीम प्रबंधन विचार कर सकता है।

कुलदीप यादव की प्लेइंग इलेवन में हो सकती है वापसी

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव ने सीरीज के शुरुआती दो टी20 मुकाबले खेले थे, लेकिन तीसरे और चौथे मैच में उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली। ऐसे में निर्णायक मुकाबले के लिए उनकी टीम में वापसी पर विचार किया जा सकता है। कुलदीप ने इसी दौरे पर खेली गई वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। वह तीन मैचों में सात विकेट लेकर भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे। इस प्रदर्शन ने सीमित ओवरों के क्रिकेट में उनकी उपयोगिता को एक बार फिर साबित किया। कुलदीप ने अपना पिछला टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 15 फरवरी 2026 को पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। वह अब तक 54 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।

मध्य ओवरों में बल्लेबाजी की रफ्तार बढ़ानी होगी

पूरी सीरीज के दौरान भारतीय टीम को कई मौकों पर अच्छी शुरुआत मिली है, लेकिन मध्य ओवरों में रन गति बनाए रखने में परेशानी हुई है। शुरुआती ओवरों में बनाए गए दबाव को बड़े स्कोर में बदलने में टीम लगातार सफल नहीं रही है। बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में छोटी बाउंड्री और तेज आउटफील्ड बल्लेबाजों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। ऐसे में भारतीय मध्यक्रम के बल्लेबाजों को अधिक सकारात्मक रवैया अपनाना होगा। बल्लेबाजों को स्ट्राइक रोटेट करने, नियमित अंतराल पर बाउंड्री लगाने और ढीली गेंदों का फायदा उठाने पर ध्यान देना होगा। निर्णायक मुकाबले में मध्य ओवरों के दौरान रन गति में सुधार भारत की जीत की संभावनाओं को मजबूत कर सकता है।

तेज गेंदबाजों को अपनी रणनीति में लानी होंगी विविधताएं

सीरीज में भारतीय तेज गेंदबाजों ने मुख्य रूप से अपनी गति और लाइन-लेंथ पर भरोसा किया है। हालांकि, बेंगलुरु जैसे बल्लेबाजी के अनुकूल मैदान पर केवल एक ही रणनीति के सहारे विपक्षी बल्लेबाजों को रोकना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में भारतीय गेंदबाजों को कटर, धीमी गेंदों और पिच पर अतिरिक्त उछाल हासिल करने वाली गेंदों का अधिक प्रभावी इस्तेमाल करना होगा। खासकर मध्य ओवरों और डेथ ओवरों में गति में बदलाव बल्लेबाजों की लय बिगाड़ सकता है। वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को बड़े शॉट खेलने से रोकने के लिए भारतीय गेंदबाजों को परिस्थितियों के अनुसार अपनी योजना बदलनी होगी। सही समय पर धीमी गेंदों का इस्तेमाल और सटीक यॉर्कर निर्णायक मुकाबले में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

सीरीज जीतने के लिए भारत को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

भारत और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज 2-2 से बराबर होने के कारण पांचवां मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारतीय टीम को जीत हासिल करने के लिए बल्लेबाजी में निरंतरता, मध्य ओवरों में बेहतर रन गति और गेंदबाजी में विविधताओं पर ध्यान देना होगा। कुलदीप यादव की संभावित वापसी और टीम की रणनीति में बदलाव निर्णायक मुकाबले को दिलचस्प बना सकते हैं। अब देखना होगा कि भारतीय टीम आखिरी मैच में किस संयोजन के साथ मैदान पर उतरती है और सीरीज अपने नाम करने में सफल होती है या नहीं।

● **सीरीज में भारत के टॉप विकेट टेकर हैं अर्शदीप** - अर्शदीप सिंह इस में भारत की ओर से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 4 मैचों में 5 विकेट झटके हैं। उन्होंने तीसरे मुकाबले में 44 रन देकर 3 विकेट झटके थे। भुवनेश्वर कुमार ने अपना आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मुकाबला 22 नवंबर 2022 को न्यूजीलैंड के खिलाफ नेपियर में खेला था। उस मैच में भुवनेश्वर ने 4 ओवर में 35 रन दिए। उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला था। इसके बाद से वे टीम इंडिया से बाहर हैं।

भुवनेश्वर 4 साल बाद आज टी-20 खेल सकते हैं, अर्शदीप की चोट के कारण टीम में शामिल



तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार को बेंगलुरु में होने वाले पांचवें टी-20 मैच में खेल सकते हैं। अर्शदीप सिंह को कंधे में चोट लग गई है। इस वजह से भुवी को स्क्वॉड में शामिल किया गया है। भारत-वेस्टइंडीज सीरीज अभी 2-2 की बराबरी पर है। 36 साल के भुवनेश्वर को 22 अक्टूबर से शुरू हो रहे न्यूजीलैंड दौरे के लिए टी-20 टीम में चुना गया था। लेकिन, अर्शदीप की चोट की वजह से अभी ही उनकी वापसी हो गई है। भुवनेश्वर ने आखिरी इंटरनेशनल मैच 2022 में खेला था।

अर्शदीप चौथे मैच में चोटिल हुए थे

अर्शदीप को बुधवार को हैदराबाद में खेले गए चौथे टी-20 के दौरान गेंदबाजी वाले कंधे पर चोट लगी थी। उनकी चोट को देखते हुए भुवनेश्वर को टीम में जगह दी गई है। अर्शदीप आखिरी मुकाबले में खेलेंगे या नहीं, इसका फैसला मैच से पहले उनकी रिकवरी के आधार पर लिया जाएगा।

भारत में 15 साल बाद लौट सकती है एफ1 रेस

बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फिर गूंज सकती है रफ्तार की आवाज

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत में मोटरस्पोर्ट्स के प्रशंसकों के लिए एक बार फिर बड़ी उम्मीद जगी है। करीब 15 साल के लंबे अंतराल के बाद देश में फॉर्मूला-1 (एफ1) रेस की वापसी की संभावनाएं तेज हो गई हैं। ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर दोबारा स्1 रेस आयोजित करने को लेकर चर्चा चल रही है। अगर यह योजना सफल होती है, तो भारतीय फैंस को एक बार फिर दुनिया के सबसे तेज रेसिंग ड्राइवरों को देश की धरती पर देखने का मौका मिल सकता है।



2028 में वापसी का लक्ष्य, सरकार ने तेज की तैयारी - रिपोर्टस के मुताबिक, भारत मेंएफ1 की वापसी के लिए सरकार और संबंधित पक्षों के स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। इससे पहले 2027 में वापसी की संभावना पर विचार किया गया था, लेकिन तैयारियों के लिए अधिक समय देने के उद्देश्य से अब 2028 का लक्ष्य सामने आया है। हालांकि, रेस की वापसी की अंतिम तारीख और आयोजन की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

अदाणी ग्रुप और एफ1 मैनेजमेंट के बीच बातचीत - रिपोर्ट में अदाणी ग्रुप और फॉर्मूला-1 मैनेजमेंट के बीच हालिया बातचीत का भी जिक्र है। ग्रेटर नोएडा स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट को दोबारा रेस के लिए तैयार करने की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रमोटर, सरकारी सहयोग, वित्तीय व्यवस्था और सर्किट के संचालन जैसे अहम पहलुओं पर काम करना होगा।

2011 से 2013 तक भारत में हुई थी एफ1 रेस

भारत ने पहली बार 2011 में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फॉर्मूला-1 रेस की मेजबानी की थी। इसके बाद 2012 और 2013 में भी यहां ग्रां प्री का आयोजन हुआ। इन तीनों रेस में रेड बुल के दिग्गज ड्राइवर सेबेस्टियन वेटल ने जीत दर्ज की थी। 2013 के बाद टैक्स विवाद, नियामकीय अड़चनों और वित्तीय समस्याओं के कारण भारत से स्1 रेस का आयोजन बंद हो गया।
अगर सरकार, संभावित प्रमोटर और एफ 1 प्रबंधन के बीच सभी जरूरी मुद्दों पर सहमति बन जाती है, तो बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर फिर से अंतरराष्ट्रीय स्तर की रेसिंग देखने का रास्ता खुल सकता है। इससे भारत में मोटरस्पोर्ट्स को बढ़ावा मिलने के साथ पर्यटन और निवेश को भी फायदा हो सकता है। फिलहाल, फैंस को आधिकारिक घोषणा का इंतजार करना होगा।

बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई

कहा- सवाल पूछिए, यह अनुशासनहीनता नहीं, सीखने की प्रोसेस



नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट शूटर अभिनव बिंद्रा ने एथलीट्स के खुलकर न बोल पाने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा- 'समय के साथ खिलाड़ी अपने मन में भी सवाल करना बंद कर देते हैं।'

बिंद्रा ने एथलीट्स को सवाल पूछते रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी अपने काम, कोच, तरीकों और सिस्टम पर सवाल उठाएं।

बिंद्रा ने कहा कि खिलाड़ियों का खुलकर बोलना जरूरी है। कुछ लोग इसे अनुशासनहीनता मान सकते हैं, लेकिन यह बेहतर प्रदर्शन के लिए जरूरी हो सकता है। बिंद्रा ने शुक्रवार को सोशल प्लेटफॉर्म ङ्क पोस्ट में अपनी बात रखी।

अनुशासनहीनता और सीखने का फर्क

44 साल के बिंद्रा को भारत से निकले महान खिलाड़ियों में गिना जाता है। वे ओलंपिक चैंपियन होने के साथ-साथ विश्व चैंपियनशिप के पूर्व गोल्ड मेडलिस्ट भी हैं।
सक्रिय खेलों से विदा लेने के बाद बिंद्रा इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी की एथलीट्स कमीशन के वाइस-चेयर बने। उन्होंने इस पद पर आठ साल काम किया। उनका कार्यकाल इस साल की शुरुआत में खत्म हुआ।

मैंने अपने खेल करियर में कोचों से सवाल किए और विचारों को चुनौती दी। ऐसा अनादर के कारण नहीं, बल्कि समझने, सीखने और बेहतर होने के लिए किया।

मैंने अपने पूरे खेल करियर में कोचों से सवाल किए, विचारों को चुनौती दी और जिज्ञासु बना रहा। ऐसा इसलिए नहीं था कि मेरे मन में सम्मान की कमी थी। मैं समझना, सीखना और बेहतर होना चाहता था।'

चहल बोले- तलाक के बाद शराब की लत लगी

पैनिक अटैक से चेहरा टेढ़ा हो जाता था, बोलना मुश्किल था; 26 दिन रिहैब सेंटर में रहा

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय स्पिनर युजवेंद्र चहल ने शराब की लत, तलाक और पैनिक अटैक पर बात की। उन्होंने आकाश चोपड़ा के पॉडकास्ट में बताया कि धनश्री वर्मा से तलाक के बाद उनकी शराब की लत हद से ज्यादा बढ़ गई थी। वे 26 दिन रिहैब सेंटर में रहे थे। 36 साल के चहल ने बताया कि पैनिक अटैक के दौरान उनका चेहरा सिकुड़कर टेढ़ा हो जाता था। इससे बोलना भी मुश्किल होता था। चहल 3 साल से टीम इंडिया से बाहर हैं। उन्होंने पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच अगस्त 2023 में खेला था। उन्होंने 15 दिन पहले फर्स्ट क्लास क्रिकेट से संन्यास लिया था।चहल ने अगस्त 2023 में अपना पिछला टी-20 इंटरनेशनल मैच खेला था।



पैनिक अटैक में होंठ कसकर एक तरफ खिंच जाते थे- चहल - चहल ने पैनिक अटैक के बारे में बताया, 'एंग्जायटी में दिल की धड़कन तेज हो जाती है और मेरा चेहरा सिकुड़ जाता था।' उन्होंने कहा, 'मैं बोल भी नहीं पाता था। मेरा होंठ कसकर एक तरफ खिंच जाता था।चहल ने कहा कि इससे लोग समझ जाते थे कि उनके साथ कुछ गलत है। उन्हें डर था कि सोशल मीडिया पर लोग कई तरह की बातें करेंगे। चहल ने कहा, 'मैंने सोचा कि आईपीएल पर ध्यान देते हैं।'

तलाक के बाद मानसिक स्थिति बिगड़ी- चहल - चोपड़ा ने पूछा कि शराब पीना कैसे और क्यों शुरू हुआ। चहल ने कहा, 'शुरुआत में मैं युवा था। पार्टियां होती थीं। मैंने 2011 में अपना पहला आईपीएल खेला था।' एबी डिविलियर्स ने एक बार उनसे कहा था, जिंदगी में संतुलन जरूरी है। चहल ने कहा कि यह बात सुनने में आसान है, लेकिन अपनाना आसान नहीं होता।चहल ने कहा, 'तलाक के बाद चीजें हद से ज्यादा बढ़ गई थीं।

एशियन पैरा गेम्स

भारतीय पुरुष ब्लाइंड फुटबॉल टीम को दक्षिण कोरिया ने 2-0 से हराया

नागोया।(एजेंसी)। एशियन पैरा गेम्स में भारतीय पुरुष ब्लाइंड फुटबॉल टीम को अपने अभियान के पहले मुकाबले में दक्षिण कोरिया के हाथों 0-2 से हार का सामना करना पड़ा। शुक्रवार को खेले गए प्रारंभिक दौर के इस मुकाबले में दक्षिण कोरिया के खिलाड़ी जांग यंगजुन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल दागे। दक्षिण कोरिया की टीम ने मैच के दोनों हाफ में एक-एक गोल किया और भारतीय टीम को वापसी का मौका नहीं दिया। इस हार के साथ भारतीय टीम का टूर्नामेंट में आगाज निराशाजनक रहा। भारतीय टीम अब शनिवार को मेजबान जापान के खिलाफ मैदान में उतरेगी। टीम की नजरें अगले मुकाबले में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी स्थिति मजबूत करने पर होंगी। इस प्रतियोगिता में भारत, जापान और दक्षिण कोरिया के अलावा चीन, ईरान तथा थाईलैंड की टीमें भी हिस्सा ले रही हैं।

संजय मांजरेकर बोले- पिच फ्लैट बनाएं, बाउंड्री छोटी करें

बॉलर्स के खिलाफ नियम सख्त करने की जरूरत, ताकि हर मैच में 300 रन बने

नईदिल्ली (एजेंसी)। 'मुझे लगता है कि पिचों को और फ्लैट बनाने, बाउंड्री छोटी करने और गेंदबाजों के खिलाफ नियम और सख्त करने की गुंजाइश है, ताकि टी-20 में नियमित रूप से 20 ओवर में 300 रन बन सकें।'

यह कहना है पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर का। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म ङ्क पोस्ट के जरिए कही।

मांजरेकर की पोस्ट ऐसे समय आई है, जब फ्लैट भारतीय पिचों पर सवाल उठ रहे हैं। गौतम गंभीर, युजवेंद्र चहल जैसे कई दिग्गज क्रिकेटर्स पिचों को बॉलिंग फ्रेंडली बनाने की मांग कर रहे हैं।



एक दिन पहले चेतन शर्मा ने बॉलिंग पिचों की मांग की थी - एक दिन पहले भारतीय टीम के पूर्व चीफ सिलेक्टर चेतन शर्मा ने कहा- 'टी-20 क्रिकेट में बैटिंग पिचों से बल्ले और गेंद के बीच संतुलन बिगड़ रहा है।'

नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में चेतन ने कहा- 'मैं मानता हूं कि गेंदबाज रन देने के लिए मैदान पर आते हैं। लेकिन उन्हें इतना मत मारिए कि वे दोबारा मैदान पर आना ही न चाहें।'

गंभीर ने हफ्ते में 2 बार पिच पर सवाल उठाए थे - 9 अक्टूबर की रात को रांची में दूसरे टी-20 के बाद गंभीर ने कहा था- फ्लैट पिचों पर गेंदबाजों के करियर दांव पर लगे हैं। सरफेस में बैट और बॉल के बीच बराबरी का मुकाबला होना जरूरी है।

मांजरेकर ने 37 टेस्ट में 2043 रन बनाए, स्पेशलाइज ट्रेनिंग देते हैं

संजय मांजरेकर भारतीय कमेंटेटर हैं, जोकि अपने बेबाक अंदाज के लिए जाने जाते हैं। उन्हें तकनीकी रूप से मजबूत बैटिंग स्किल के लिए भी जाना जाता है। वे क्रिकेटर्स को स्पेशलाइज ट्रेनिंग देते हैं।
मांजरेकर 37 मैचों के टेस्ट करियर में 2043 रन बनाए। इसमें 4 शतक और 9 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 74 वनडे मैचों में 1994 रन बनाए। इस फॉर्मेट में संजय के नाम एक शतक है।

3 अक्टूबर को गुवाहाटी में दूसरे वनडे के बाद गंभीर ने कहा था कि यह क्रिकेट नहीं था, सिर्फ बल्लेबाजी थी। उस मुकाबले में भारत ने 406 रन का लक्ष्य हासिल किया था। इस मुकाबले में 811 रन बने थे।